नई दिल्ली । बुधवार, 29 जुलाई, 2026
आषाढ़ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक : 204/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल कॉमनवेल्थ गेम्स : 'स्वर्ण पदक मेरी मां को समर्पित'... @ विचार आखिर किस ओर जा रहा नया भारत ?... @ व्यापार सेंसेक्स 70 अंक लुढ़का, निफ्टी 23,985 पर बंद...

प्रह्लाद जोशी पर राहुल-प्रियंका की टिप्पणी
संसद में जोरदार हंगामा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

लोकसभा में मंगलवार को लोक परीक्षा संशोधन विधेयक 2026 पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के नए शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी पर दिए गए बयान को लेकर काफी हंगामा हुआ। एनडीए सरकार के सांसदों की ओर से इस बयान पर विरोध जताया गया। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने बयान को चरित्र हनन करार देते हुए इसे लोकसभा की कार्यवाही से हटाने की मांग की।

इस बीच केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, किरेन रिजिजू और पीयूष गोयल ने संसद में गृह मंत्री अमित शाह के साथ मुलाकात की। इसके बाद इन सभी मंत्रियों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भी मुलाकात की। इन मुलाकातों के बाद प्रियंका गांधी का बयान लोकसभा की कार्यवाही से हटा दिया गया। माना जा रहा है कि एनडीए सांसद इसे बयान को लेकर कांग्रेस को घेरने की योजना बना सकती है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने नया शिक्षा मंत्री चुना, एक ऐसे व्यक्ति को चुना, जिसने एक गर्भवती रेप पीड़िता के दोषियों की रिहाई पर सहमति व्यक्त की।' इस पर स्पीकर ने उनको टोका और सत्तापक्ष के सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया।

नए शिक्षा मंत्री का एक तरीके से चरित्र हनन हुआ : रिजिजू

संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने इस पर आपत्ति करते हुए कहा, 'प्रियंका गांधी ने जो कहा, हमारे नए शिक्षा मंत्री पर जो टिप्पणी की, वह चरित्र हनन है एक तरीके से। हम उम्मीद नहीं करते ऐसी बातों की। इसे रिकॉर्ड से हटाया जाए। इस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर संसद में डिबेट के स्तर को ना गिराएं। जिम्मेदारी के साथ बोलना चाहिए। अगर आप ऑथेंटिकेट नहीं कर सकती हैं तो माफी मांगनी चाहिए।' हालांकि इस पर प्रियंका गांधी ने कहा कि वो इसका प्रमाण उपलब्ध कर देंगी। दरअसल, लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी नए शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी को लेकर ऐसा ही बयान दिया था। राहुल गांधी ने नए शिक्षा मंत्री को लेकर प्रधानमंत्री के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि मंत्रिमंडल में कई लोग थे, लेकिन पीएम ने ऐसे व्यक्ति को चुना, जो दुष्कर्म के आरोपियों का बचाव करने वाला है। राहुल गांधी ने कहा कि शिक्षा मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर ऐसे व्यक्ति की नियुक्ति गलत संदेश देती है।

नाबालिग प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करें : सुप्रीम कोर्ट – सुप्रीम कोर्ट में कॉकरोच जनता पार्टी के छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि छात्रों का प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था और प्रदर्शन करना उनका संवैधानिक अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई होगी। साथ ही 18 साल से कम उम्र के उन प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करने का निर्देश दिया, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि पहली नजर में स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की जरूरत दिखती है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस कार्रवाई को लेकर पहले दिए गए दिशा-निर्देशों को अब अपडेट करने का समय आ गया है। 2018 में बने नियम 2026 में कितने कारगर हैं, इसकी भी समीक्षा होनी चाहिए, ताकि प्रदर्शन शुरू होते ही पुलिस के तय प्रोटोकॉल तुरंत लागू हो सकें।

मूंग के दाम और खरीदी पर संकट, सड़क पर उतरे किसान

एजेंसी ■ भोपाल

मूंग की फसल की समय पर खरीदी, उचित मूल्य और लंबित भुगतान की मांग को लेकर मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए किसानों ने भोपाल में जोरदार प्रदर्शन किया। किसानों ने तत्काल सरकार से खरीदी प्रक्रिया शुरू करने और फसल पर लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

इधर आंदोलन पर उतरे किसानों को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। इसके चलते होशंगाबाद रोड पर पुलिस और किसानों के बीच संघर्ष की स्थिति बनी रही। युवा किसानों को पुलिस ने भगाया है। सड़क पर किसान बैठ गए हैं। किसान लगातार नारेबाजी कर रहे हैं। सड़क पर किसानों ने हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया है।

नर्मदापुरम के किसान नितिन पवार ने बताया कि सरकार मूंग की फसल को लेकर उचित रकम नहीं दे रही है। इस वजह से किसान प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों को कई जगह रोका गया है लेकिन किसान लगातार आगे बढ़ रहे हैं।

किसानों को रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात – सावरकर सेतु के पास भारी तादाद में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। बीच रोड में बसें खड़ी कर दी गईं हैं। खुद पुलिस कमिश्नर मौके पर मोर्चा संभाल रहे हैं। एसपी रैंक के अधिकारी भी यहां मौजूद हैं। करीब 20 थाने के थाना प्रभारी मौके पर मौजूद हैं।

किसानों के प्रदर्शन के कारण जाम में फंसी एम्बुलेंस – आंदोलन के कारण होशंगाबाद रोड पर भारी जाम लग गया है। करीब पांच किलोमीटर लंबे जाम के कारण कई सड़कों पर हालात खराब हो गए हैं। जाम में एम्बुलेंस भी फंस गई। कटारा हिल्स रोड पर वाहनों को डायवर्ट किया गया है।

अभी कहीं भी नहीं हुई किसानों पर कार्रवाई – किसानों ने दोपहर में अब्दुल्लागंज से भोपाल की तरफ बढ़ना शुरू किया था। इसके बाद उनको 11 मील पर रोकने की कोशिश की गई लेकिन किसान बैरिकेडिंग पार करके भोपाल की तरफ बढ़ते गए। किसानों का कहना है वे मुख्यमंत्री निवास का घेराव करके ही रहेंगे।

किसानों का कहना सरकार नहीं कर रही मदद – नर्मदापुरम के किसानों का कहना है कि वे जरूरी काम छोड़कर मजबूरी में भोपाल में आएं हैं। सरकार कृषि कल्याण वर्ष मना रही है। इसके बाद भी किसान परेशान हो रहे हैं।

भारत बनाम श्रीलंका : दो टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम की घोषणा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

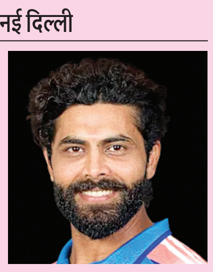

बीसीसीआई ने मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय स्क्वाड की घोषणा कर दी है। इस सीरीज से पहले भारतीय टीम 7 अगस्त से कोलंबो में चार दिन का प्रैक्टिस मैच खेलेगी। बीसीसीआई की ओर से जानकारी दी गई है कि जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन फिटनेस क्लीयरेंस के बाद ही उपलब्ध हो पाएंगे। जबकि वाशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट मैच में उपलब्ध नहीं रहेंगे। शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम में ज्यादातर युवा खिलाड़ी है। अनुभवी रवींद्र जडेजा की वापसी हुई है, सभी निगाहें उन पर ही टिकी हुई थीं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ 26 नवंबर 2026 को आखिरी टेस्ट मुकाबला खेला था। इसके बाद उनको वनडे टीम में भी जगह नहीं दी गई थी। लेकिन काफी लंबे इंतजार के बाद रवींद्र जडेजा श्रीलंका के खिलाफ मैदान पर उतरने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। वहीं, ऑफ स्पिनर सारांश जैन को पहली बार भारतीय स्क्वाड में जगह मिली है। 33 वर्षीय सारांश घरेलू मैचों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए नजर आए हैं।

पेपर लीक करने वालों को अब 5 महीने में मिलेगी सजा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

लोकसभा में मंगलवार को पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) (संशोधन) विधेयक, 2026 पर चर्चा शुरू हुई। केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने विधेयक पेश करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य पेपर लीक, संगठित परीक्षा घोटालों और अन्य अनुचित गतिविधियों पर पहले से अधिक प्रभावी ढंग से रोक लगाना है। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों के भविष्य से किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगी।

जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह विधेयक पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 में संशोधन के लिए लाया गया है। उन्होंने बताया कि 2024 का कानून परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और शुचिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाया गया था, लेकिन अब उसे और मजबूत करने की जरूरत महसूस हुई। प्रधानमंत्री के निर्देश के बाद सरकार यह संशोधन लेकर आई है ताकि पेपर लीक जैसी घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

उन्होंने कहा कि पेपर लीक की घटनाएं किसी एक राज्य तक सीमित नहीं रही हैं। अलग-अलग राज्यों और अलग-अलग परीक्षाओं में पहले भी ऐसे मामले सामने आते रहे हैं, हालांकि पहले इस तरह की सख्त कार्रवाई नहीं होती थी जैसी अब की जा रही है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि 2009 के रेलवे भर्ती परीक्षा पेपर लीक से लेकर 2012 के एम्स प्रवेश परीक्षा पेपर लीक तक कई बड़े मामले कांग्रेस सरकार के समय सामने आए। उन्होंने कहा कि इन्हीं घटनाओं से सबक लेते हुए सरकार ने एक लीकप्रूफ परीक्षा प्रणाली तैयार करने का फैसला किया। जितेंद्र सिंह ने बताया कि 1992 में कांग्रेस सरकार के दौरान एक समिति ने केंद्रीय परीक्षा समिति बनाने की सिफारिश की थी। इसके बाद 2010 में भी एक समिति ने यही सुझाव दिया, लेकिन कांग्रेस और यूपीए सरकारों ने इन सिफारिशों को लागू नहीं किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) का गठन किया और 2024 में पहली बार इस विषय पर व्यापक कानून बनाया, जिसे जून 2024 में लागू किया गया। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि इस संशोधन का सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था है। इसके तहत पेपर लीक से जुड़े मामलों की जांच दो महीने के भीतर पूरी करनी होगी। इसके बाद ट्रायल कोर्ट में तीन महीने के भीतर सुनवाई पूरी कर फैसला सुनाया जाएगा।

वित्त वर्ष 2026 में हुआ रिकॉर्ड 94.84 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। सरकार ने मंगलवार को संसद में बताया कि इस दौरान देश में 94.84 अरब डॉलर का सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह आंकड़ा 80.61 अरब डॉलर था।

राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि हाल के वर्षों में नेट एफडीआई में आई गिरावट भी अब सुधरने लगी है। वित्त वर्ष 2025-26 में नेट एफडीआई बढ़कर 6.95 अरब डॉलर हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह केवल 0.96 अरब डॉलर था। मंत्री ने कहा कि हाल के वर्षों में नेट एफडीआई में उतार-चढ़ाव का मुख्य कारण विदेशी निवेशकों द्वारा बढ़ी हुई रिपैट्रिएशन (निवेश की वापसी) और डिसइन्वेस्टमेंट (निवेश निकासी) के साथ-साथ भारत से होने वाला विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (ओडीआई) है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में लागू किए गए उदार ओडीआई नियमों के चलते भारतीय कंपनियां विदेशों में अपने कारोबार का विस्तार कर रही हैं, जिससे वे वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन रही हैं और लंबे समय में भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। पंकज चौधरी ने कहा कि विदेशी निवेशकों द्वारा निवेश की वापसी का बढ़ता रुझान यह भी दर्शाता है कि भारत न केवल विदेशी पूंजी आकर्षित कर रहा है, बल्कि निवेशकों को बेहतर रिटर्न भी दे रहा है।

चारधाम यात्रा स्थगित
हिमाचल के चंबा में बाढ़ से पत्थरों का सैलाब

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश के कई राज्यों में भारी बारिश आफत बन गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा में सोमवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद सरोल मोहल्ले समेत कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई। पानी के साथ आए पत्थरों और मलबे का सैलाब घरों और दुकानों में घुस गया। कई मकानों की पहली मंजिल तक मलबा भर गया।

उत्तराखंड में मंगलवार सुबह चमोली, टिहरी, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड हुई। रुद्रप्रयाग के कुंड-काकड़ा के बीच केदारनाथ नेशनल हाईवे मलबा आने से बंद हो गया। सोनप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे भी बंद है, जिसके चलते चारधाम यात्रा दो दिन रोक दी गई है। चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी में मंगलवार सुबह रिसर्च स्कॉलर युवती की करंट लगने से मौत हो गई। वह गर्ल्स हॉस्टल से अपने विभाग में पढ़ाई के लिए जा रही थी। उधर, मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में रविवार शाम बिजली गिरने से 11 साल के बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई।

बंगाल से उत्तराखंड तक बादल छाए, एक हफ्ते बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग की तरफ से जारी नई सैटेलाइट इमेज में पश्चिम बंगाल से उत्तराखंड तक 1500km एरिया में बादल छाए हुए हैं। इसकी वजह बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना डीप डिप्रेशन है।

डीप डिप्रेशन समुद्र के ऊपर बनने वाला कम दबाव का एक स्ट्रॉन्ग मौसम सिस्टम होता है। इसमें हवा की रफ्तार सामान्य डिप्रेशन से ज्यादा होती है। इससे भारी बारिश होती है। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून ट्रफ के असर से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार में भारी बारिश हो सकती है।

जापान में 6.8 तीव्रता का भूकंप

एजेंसी ■ टोक्यो

जापान के दक्षिणी कुमामोटो प्रांत में मंगलवार को 6.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। तेज झटकों के बाद काशिमा शहर स्थित एक शॉपिंग मॉल की दूसरी मंजिल ढह गई, जिससे 50 से ज्यादा लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक कई लोग घायल हुए हैं।

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक, भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 4:27 बजे आया। इसका केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी, लेकिन करीब एक घंटे बाद इसे वापस ले लिया गया।

भूकंप के बाद प्रशासन ने एहतियात के तौर पर क्यूशू द्वीप के 1.5 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों में जाने के निर्देश दिए हैं। राष्ट्रीय प्रसारक ह।ाय की तस्वीरों में कई सड़कों और पुलों में दरारें, इमारतों में आग और अन्य नुकसान दिखाई दे रहे हैं। सरकार ने राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है, जबकि प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

असम में बाढ़ का कहर, छह जिलों में 4.45 लाख से ज्यादा लोग

विश्व केसरी

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है और छह जिलों में 4.45 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि राज्य प्रशासन ने बचाव और राहत कार्यों को तेज कर दिया है।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, बाढ़ का पानी शिवसागर, चराइदेव, गोलाघाट, जोरहाट, नागांव और कामरूप (मेट्रोपॉलिटन) जिलों में 4,45,385 लोगों को प्रभावित कर चुका है। चराइदेव सबसे बुरी तरह प्रभावित जिला है, जहां लगभग 1.88 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। इसके बाद शिवसागर का नंबर आता है, जहां बाढ़ से लगभग 1.44 लाख निवासी प्रभावित हुए हैं।

प्राधिकरण ने बताया कि 21 राजस्व सर्किलों के अंतर्गत 631 गांव अभी भी जलमग्न हैं। चराइदेव में बाढ़ से घरों, सड़कों, शिक्षण संस्थानों और कृषि भूमि को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है, लेकिन अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बाढ़ से 37,139.52 हेक्टेयर कृषि भूमि प्रभावित हुई है, जबकि 2.56 लाख से अधिक पशु प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ में 26,000 से अधिक पालतू जानवर बह गए हैं।

प्रमुख नदियों में, नुमालीगढ़ में धनसिरी (दक्षिण) नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, हालांकि किसी भी नदी ने अपना उच्चतम बाढ़ स्तर पार नहीं किया है। राज्य सरकार ने 184 शिविर और वितरण केंद्र चलाकर राहत कार्यों में तेजी लाई है, जहां वर्तमान में 28,695 विस्थापित लोग शरण लिए हुए हैं। इन शिविरों में रहने वालों में 97 गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाएं और 42 दिव्यांग शामिल हैं। बचाव कार्य जारी हैं, जिसमें राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और जिला प्रशासन के कर्मी फंसे हुए निवासियों को निकालने के लिए 67 नावें तैनात कर रहे हैं। बाढ़ के पानी ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचाया है। अधिकारियों ने बताया कि 171 घर पूरी तरह से नष्ट हो गए और 4,667 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा।

शिवसागर, जोरहाट और चराइदेव में कई सड़कें या तो टूट गई हैं या जलमग्न हो गई हैं, जबकि कई प्राथमिक स्कूलों में भी बाढ़ और ढांचागत नुकसान की सूचना मिली है। गुवाहाटी में दिसपुर राजस्व सर्कल के अंतर्गत चांदमारी में शहरी बाढ़ की सूचना मिली, हालांकि निवासियों के विस्थापन की कोई घटना दर्ज नहीं की गई।

इस बीच, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के असम अध्यक्ष अहमद अली अय्यूबी ने कहा कि अब तक बाढ़ से प्रभावित लगभग 2,400 परिवारों को राहत सामग्री मिल चुकी है।

रक्षा मंत्री ने तटरक्षक बल के लिए दो बड़े नीति सुधारों की घोषणा की

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के अधिकारियों और उनके परिवारों के हित में दो महत्वपूर्ण नीति सुधारों की घोषणा की है। इन सुधारों का उद्देश्य महिलाओं को पुरुषों के समान अवसर उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही ड्यूटी के दौरान समुद्र में लापता होने वाले तटरक्षक कर्मियों के परिवारों को अनुग्रह राशि और अन्य लाभ अविलंब कराना है।

रक्षा मंत्री ने बताया कि पिछले पांच दशकों में भारतीय तटरक्षक बल ने समुद्री सुरक्षा, खोज एवं बचाव अभियानों तथा तटीय निगरानी में उल्लेखनीय योगदान दिया है। राजनाथ सिंह ने विश्वास जताया कि ये नई नीतियां तटरक्षक बल का मनोबल बढ़ाने के साथ उसकी ऑपरेशनल क्षमता को भी और मजबूत करेंगी।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2027 में स्वर्ण जयंती की ओर बढ़ रहे भारतीय तटरक्षक बल को आधुनिक, सक्षम और भविष्य के लिए तैयार समुद्री सुरक्षा बल बनाने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। रक्षामंत्री द्वारा जारी पहली नीति के तहत भारतीय तटरक्षक बल में अधिकारियों की भर्ती और सेवा संबंधी व्यवस्था को पूरी तरह लैंगिक-तटस्थ बनाया गया है। नई व्यवस्था के अनुसार महिलाओं को अब पुरुष अधिकारियों के समान लघु सेवा नियुक्ति और स्थायी नियुक्ति दोनों में भर्ती का अवसर मिलेगा। पुरुष अभ्यर्थियों के लिए भी लघु सेवा नियुक्ति का प्रावधान खोला गया है। प्रशिक्षण के शुरुआती चरण से ही महिलाओं और पुरुषों को समान अवसर मिलेंगे। पहले से स्थायी नियुक्ति पर कार्यरत महिला अधिकारियों को पात्रता पूरी करने पर उच्च पदों पर पदोन्नति के लिए भी विचार किया जाएगा। इसके अलावा वर्तमान में शॉर्ट सर्विस नियुक्ति पर कार्यरत महिला अधिकारियों को निर्धारित शर्तें पूरी करने पर स्थायी नियुक्ति में परिवर्तित होने का विकल्प मिलेगा। सरकार का मानना है कि यह फैसला नारी शक्ति को बढ़ावा देने और समुद्री सुरक्षा व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है।

दूसरी नीति ड्यूटी के दौरान समुद्र में लापता होने वाले भारतीय तटरक्षक बल के कर्मियों के परिवारों को राहत देने के उद्देश्य से बनाई गई है। इसके तहत ड्यूटी के दौरान समुद्र में लापता होने वाले तटरक्षक कर्मी को अनुग्रह राशि देने के उद्देश्य से मृत मान लेने का अधिकार निर्धारित किया गया है। इससे अनुग्रह राशि और सेवा समाप्ति से जुड़े अन्य वित्तीय लाभ देने की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक तेज और सरल हो जाएगी। वहीं लंबे समय तक प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा और परिवारों को कठिन समय में शीघ्र आर्थिक सहायता मिल सकेगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन सुधारों से ड्यूटी के दौरान अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए लापता होने वाले कर्मियों के परिजनों को अनावश्यक प्रशासनिक देरी का सामना नहीं करना पड़ेगा और उन्हें समय पर सहायता सुनिश्चित की जा सकेगी।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड के गुमला में पुल से नीचे गिरी बाइक, दो युवकों की मौत, एक ने कूदकर बचाई जान

विश्व केसरी

गुमला। झारखंड के गुमला जिले में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक समय रहते बाइक से छलांग लगाने के कारण बच गया।

हादसा सदर थाना क्षेत्र के खरका पुल के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गई। मृतकों की पहचान बड़काडीह गांव निवासी 25 वर्षीय मंगरा उरांव और 24 वर्षीय चरकू उरांव के रूप में हुई है। हादसे में घायल सूरज उरांव को मामूली चोटें आई हैं और उसका इलाज सदर अस्पताल में किया गया। जानकारी के अनुसार, तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर बड़काडीह की ओर जा रहे थे। रास्ते में मंगरा उरांव ने मछली खाने की इच्छा जताई, जिसके बाद तीनों खरका पुल की ओर मछली खरीदने के लिए निकल गए। खरका पुल के पास पहुंचते ही तेज गति से चल रही बाइक अनियंत्रित हो गई और पुल से नीचे जा गिरी। बाइक पर सवार सूरज उरांव ने स्थिति भांपते हुए छलांग लगा दी, जिससे उसकी जान बच गई। वहीं मंगरा उरांव और चरकू उरांव बाइक के साथ नीचे गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए।

बीपीएससी टीआरई-3 पेपर लीक मामले में बिहार से एक डॉक्टर गिरफ्तार

विश्व केसरी

पटना। बिहार लोक सेवा आयोग की शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-3) के कथित पेपर लीक मामले में एक डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। यह चल रही जांच में एक और बड़ी घटना है।

ईओयू 296 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। ईओयू की ओर से मंगलवार को जारी बयान के अनुसार, पटना के आर्थिक अपराध शाखा के पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले की जांच के दौरान मिले सबूतों के आधार पर डॉ. मनीष कुमार को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। जांचकर्ताओं का आरोप है कि संजीव मुखिया के नेतृत्व वाले पेपर लीक सिंडिकेट के सदस्यों के संपर्क में डॉ. मनीष कुमार थे और परीक्षा से पहले उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्र उपलब्ध कराने की साजिश में शामिल थे। आरोप है कि उन्होंने परीक्षा से पहले लीक हुए प्रश्न-पत्र की तैयारी के लिए 30 छात्रों को एक आरक्षित वाहन से झारखंड के हजारीबाग पहुंचाया था। यह मामला 16 मार्च, 2024 को पटना के आर्थिक अपराध शाखा के पुलिस स्टेशन में दर्ज केस से संबंधित है। इस मामले की जांच भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम, 1981 की संबंधित धाराओं के तहत की जा रही है।

एयर इंडिया एआई-171 हादसे की जांच अक्टूबर तक होगी पूरी, एएआईबी ने सुप्रीम कोर्ट को दी जानकारी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अहमदाबाद में 12 जून 2025 को हुए एयर इंडिया फ्लाइट एआई-171 हादसे की जांच अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। इस मामले में एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि दुर्घटना की विस्तृत जांच इस वर्ष अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी। एएआईबी के इस आश्वासन के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को तय की है। इस भीषण विमान हादसे में कुल 260 लोगों की जान गई थी।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एएआईबी ने स्पष्ट किया कि यह केवल डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) के अधिकारियों द्वारा की जा रही सामान्य इन-हाउस जांच नहीं है। ब्यूरो ने कहा कि जांच अंतरराष्ट्रीय विमानन मानकों और प्रोटोकॉल के अनुरूप की जा रही है। इसमें उन देशों के विशेषज्ञ और मान्यता प्राप्त प्रतिनिधि भी शामिल हैं, जिनके नागरिक इस हादसे में मारे गए थे।

यह मामला भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष आया। सुनवाई मृतक पायलट कैप्टन सुमित सभरवाल के पिता और फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स की ओर से दाखिल याचिका पर हुई, जिसमें पूरे मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराने की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने जांच की गति और उसकी प्रकृति पर सवाल उठाए। उन्होंने अदालत में कहा कि हादसे के कई महीने बीत जाने के बावजूद जांच पूरी नहीं हो सकी है। साथ ही उन्होंने यह भी दावा किया कि जांच केवल डीजीसीए के अधिकारियों तक सीमित है, जिससे उसकी निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं।

इन आरोपों का जवाब देते हुए एएआईबी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि याचिकाकर्ताओं के आरोप तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। उन्होंने अदालत को बताया कि जांच एयरक्राफ्ट (दुर्घटनाओं और घटनाओं की जांच) नियमों और लागू अंतरराष्ट्रीय संधियों के अनुसार की जा रही है, जिनका भारत भी पक्षकार है। उन्होंने कहा कि विदेशी विशेषज्ञों और संबंधित देशों के प्रतिनिधियों की भागीदारी से जांच पूरी तरह पारदर्शी और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संचालित हो रही है।

कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर 5 अगस्त को लालबाजार तक कांग्रेस का मार्च

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस ने राज्य में कथित तौर पर बिगड़ती कानून-व्यवस्था, विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमलों और उनके खिलाफ दर्ज किए गए कथित फर्जी मामलों के विरोध में 5 अगस्त को कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार तक मार्च निकालने का ऐलान किया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने मंगलवार को कहा कि 5 अगस्त को दोपहर 12 बजे से 1 बजे के बीच कांग्रेस कार्यकर्ता और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले लोग कलकत्ता विश्वविद्यालय के सामने एकत्र होंगे। वहां से शांतिपूर्ण जुलूस निकालकर लालबाजार तक मार्च किया जाएगा और कोलकाता पुलिस आयुक्त को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

शुभंकर सरकार ने बताया कि कांग्रेस पहले विभिन्न थानों का घेराव और विरोध प्रदर्शन करने की योजना बना रही थी, लेकिन राज्य की मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए लालबाजार मार्च का फैसला लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि 21 जुलाई को शहीद मीनार में आयोजित कांग्रेस के शहीद दिवस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विभिन्न जिलों से कोलकाता आ रहे पार्टी कार्यकर्ताओं को रास्ते में रोका गया और उन पर हमले किए गए। उनके मुताबिक, कई कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट हुई, वे घायल हुए और कुछ को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, लेकिन शिकायत के बावजूद पुलिस ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि भाजपा समर्थकों ने कई स्थानों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हमला किया, उनके साथ मारपीट की और खाने-पीने का सामान तक लूट लिया।

इंदौर पुलिस कमिश्नर की जनसुनवाई में आए 89 आवेदन

विश्व केसरी

इंदौर। मध्य प्रदेश में आम लोगों की समस्याओं के निदान के लिए हर मंगलवार को जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में प्रदेश की व्यापारिक नगरी इंदौर में पुलिस कमिश्नर की जनसुनवाई में 89 आवेदन आए जिनके समाधान के प्रयास किए गए।

आधिकारिक तौर पर दी गई जानकारी के मुताबिक, पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह द्वारा कमिश्नर कार्यालय के सभागार में आयोजित जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं को सुन कर त्वरित निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जनसुनवाई में कुल 89 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें प्रमुख रूप से बेटा-बहू, पति-पत्नी द्वारा परेशान करने जैसे आपसी पारिवारिक विवाद, आपसी मतभेद, पैसों के लेन-देन, फाइनेंशियल फ्रॉड, सुनवाई न होने की शिकायतें, प्लॉट-मकान, जमीन संबंधी धोखाधड़ी, महिला अपराध एवं अन्य पुलिस संबंधित प्रकरण शामिल रहे। पुलिस कमिश्नर द्वारा प्रत्येक आवेदक की समस्याओं एवं व्यथा को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों को समक्ष में एवं फोन के द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही आमजन को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा, न्याय और अधिकारों के संरक्षण हेतु सदैव प्रतिबद्ध है। जनसुनवाई के दौरान अति पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर मयंक अवस्थी सहित सभी जोन के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आवेदकों की समस्याओं को विस्तार से सुना गया तथा मौके पर ही आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ की गई।

बंद पड़े मकानों में चोरी और गांजा तस्करी करने वाला शातिर बदमाश गिरफ्तार, आभूषण समेत भारी सामान बरामद

विश्व केसरी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 थाने की पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बंद पड़े मकानों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने और अवैध गांजे की बिक्री करने वाले एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के सोने-चांदी के आभूषण, घटना में इस्तेमाल फर्जी नंबर प्लेट लगी मोटरसाइकिल, ताले खोलने के उपकरण, दो दर्जन चाबियां, एक अतिरिक्त नंबर प्लेट तथा 1 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, 28 जुलाई को थाना बीटा-2 पुलिस टीम ने सिटी पार्क नवादा के पास चेकिंग के दौरान आरोपी साहिल पुत्र रज्जाक को गिरफ्तार किया। आरोपी मूल रूप से अलीगढ़ जिले के बन्नादेवी थाना क्षेत्र स्थित मुस्ताक नगर का रहने वाला है। पूछताछ में सामने आया कि साहिल काफी समय से बंद पड़े मकानों की रेकी कर चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। वह अपनी मोटरसाइकिल से विभिन्न कॉलोनियों और सोसायटियों में घूमकर पहले ऐसे मकानों की पहचान करता था, जिनमें लोग मौजूद नहीं होते थे। इसके बाद प्लास और अलग-अलग प्रकार की चाबियों की मदद से ताले खोलकर घरों में रखे सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लेता था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी चोरी के साथ-साथ अवैध गांजे की बिक्री का भी कारोबार करता था।

एसआईआर में 40 लाख से ज्यादा वोटरों के नाम कटने की आशंका, कांग्रेस ने आयोग से समय सीमा बढ़ाने की रखी मांग

विश्व केसरी

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राज्य में मतदाता सूची के एसआईआर 2026 के दौरान तैयार की जा रही 'एएसडीडी' (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लीकेट) सूची में मतदाताओं की लगातार बढ़ती संख्या पर चिंता जताई है।

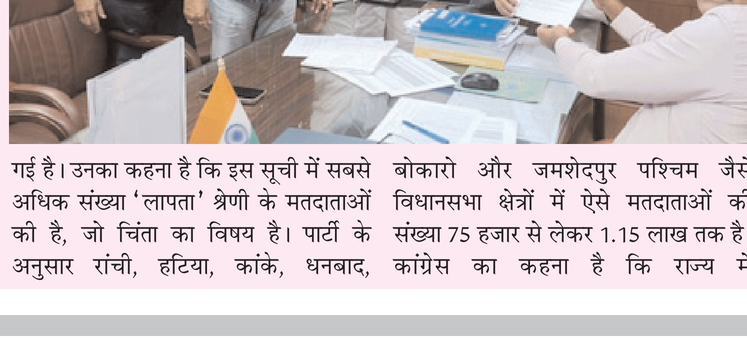

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार से मुलाकात कर पार्टी के चिंता से अवगत कराते हुए उन्हें ज्ञापन सौंपा। पार्टी ने एसआईआर की समय-सीमा बढ़ाने की मांग की। कांग्रेस ने ज्ञापन में कहा कि 27 जुलाई तक एएसडीडी सूची में शामिल मतदाताओं की संख्या 40,04,817 तक पहुंच गई है। उनका कहना है कि इस सूची में सबसे अधिक संख्या 'लापता' श्रेणी के मतदाताओं की है, जो चिंता का विषय है। पार्टी के अनुसार रांची, हटिया, कांके, धनबाद, बोकारो और जमशेदपुर पश्चिम जैसे विधानसभा क्षेत्रों में ऐसे मतदाताओं की संख्या 75 हजार से लेकर 1.15 लाख तक है। कांग्रेस का कहना है कि राज्य में डिजिटाइजेशन की व्यवस्था बेहतर होने के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का अनुपस्थित श्रेणी में आना कई सवाल खड़े करता है। पार्टी ने यह भी कहा कि देवघर और दुमका समेत आसपास के जिलों में सावन के दौरान बाबाधाम मेले की वजह से आम लोगों और प्रशासनिक व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव रहता है, जिससे पुनरीक्षण कार्य भी प्रभावित हो सकता है। ज्ञापन में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि कई स्थानों से शिकायतें मिली हैं कि बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मतदाताओं से फॉर्म लेने के बाद पावती रसीद उपलब्ध नहीं करा रहे हैं। पार्टी का कहना है कि एएसडीडी सूची का दायरा लगातार बढ़ रहा है और अब तक अनमैपिंग सूची भी प्रकाशित नहीं की गई है।

बारिश के बीच डीटीसी बस से निकलीं सीएम रेखा गुप्ता, जलभराव और सड़कों का लिया जायजा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को डीटीसी बस में यात्रा कर शहर का व्यापक स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ विभिन्न मार्गों पर यात्रा कर मानसून के दौरान शहर की जमीनी स्थिति का आकलन किया और नागरिक सुविधाओं से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों की समीक्षा की।

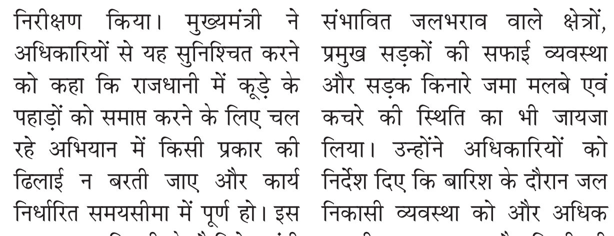

मुख्यमंत्री ने जन सेवा सदन से बस द्वारा निरीक्षण यात्रा प्रारंभ की, जो आउटर रिंग रोड, मधुबन चौक होते हुए रोहिणी स्थित सेक्टर-33 के डीडीए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तक पहुंची। यात्रा के दौरान उन्होंने मार्ग में लैंडफिल साइटों पर चल रहे कचरा निष्पादन कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि राजधानी में कूड़े के पहाड़ों को समाप्त करने के लिए चल रहे अभियान में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए और कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण हो। इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री रवींद्र इन्द्राज सिंह समेत संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान वर्षा के कारण संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों, प्रमुख सड़कों की सफाई व्यवस्था और सड़क किनारे जमा मलबे एवं कचरे की स्थिति का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश के दौरान जल निकासी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाए और किसी भी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न होने दी जाए।

खेल और खिलाड़ियों के लिए बेहतर इको-सिस्टम तैयार करने हो रहा मंथन

पहली बार जुटे देशभर के स्पोर्ट्स साइंटिस्ट और नामचीन खिलाड़ी

विश्व केसरी

रायपुर। उप मुख्यमंत्री और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने छत्तीसगढ़ में पहली बार हो रहे स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया। राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित कॉन्क्लेव में देशभर के खेल प्रशासक, विशेषज्ञ, स्पोर्ट्स साइंटिस्ट, नामचीन खिलाड़ी और खेल संघों के पदाधिकारी भागीदारी कर रहे हैं। वे दिनभर अलग-अलग कई सत्रों में राज्य में खेल और खिलाड़ियों के लिए बेहतर माहौल तैयार करने, खेल प्रतिभाएं को तराशने, उन्हें अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराने, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए तैयार करने तथा खेल अधोसंरचना को मजबूत करने रोडमैप पर मंथन करेंगे।

समर्थ और विकसित छत्तीसगढ़ के लिए अहम उपक्रम साबित होगा खेल - अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव के पहले सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि समर्थ और विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए खेल एक अहम उपक्रम साबित होगा। राज्य में खेल और खिलाड़ियों के विकास से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के ज्यादा मौके मिलेंगे, उनका सर्वांगीण विकास होगा और वे एक मजबूत मानव संसाधन के रूप में तैयार होंगे, जिसका लाभ छत्तीसगढ़ को मिलेगा। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की तरक्की और बेहतरी के लिए राज्य शासन हर तरह से तैयार है। इसके लिए खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल संघों को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने राज्य की मौजूदा खेल अधोसंरचनाओं का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करते हुए इनके संचालन और खिलाड़ियों के लिए उपलब्धता की सुदृढ़ व्यवस्था बनाने पर जोर दिया।

मजबूत ढांचे और पारदर्शी कार्यप्रणाली पर दिया जोर

उप मुख्यमंत्री साव ने 'विजन टू विक्ट्री' थीम पर आयोजित कॉन्क्लेव में 'नेतृत्व, खेल प्रोत्साहन और प्रतिभा खोज' सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि आज विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों के बीच होने वाली चर्चा के निष्कर्षों को राज्य में बेहतर खेल सुविधाओं और खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए लागू किया जाएगा। उन्होंने सभी जिलों में खेल संघों के गठन, उनके व्यवस्थित व मजबूत ढांचे, नियमित गतिविधियों और पारदर्शी कार्यप्रणाली पर जोर दिया।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि आज यहां होने वाली चर्चा के निष्कर्षों को राज्य की नई खेल नीति में शामिल किया जाएगा। उन्होंने खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने राज्य शासन द्वारा किए जा रहे आयोजनों और कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में अभी 150 करोड़ रुपए से अधिक के खेल अधोसंरचनाओं के निर्माण कार्य प्रगति पर हैं।

स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव से खिलाड़ियों को होगा बहुत फायदा- किरण पिस्दा

कॉन्क्लेव के पहले सत्र में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर और खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाली छत्तीसगढ़ की महिला फुटबॉल टीम की कप्तान किरण पिस्दा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बस्तर ओलंपिक, सरगुजा ओलंपिक और खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स खिलाड़ियों के लिए बड़ा प्लेटफॉर्म है। राज्य में पहली बार हो रहे इस स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव से खिलाड़ियों को बहुत फायदा होगा। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने यहां रोडमैप तैयार होगा, जिसका लाभ सभी खिलाड़ियों को मिलेगा। कॉन्क्लेव में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक तनुजा सलाम, पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर राजेश चौहान, ओलंपियन जिन्शन जॉनसन और छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव विक्रम सिसोदिया सहित अनेक स्पोर्ट्स प्रोफेशनल, सभी जिलों के खेल अधिकारी, प्रशिक्षक, पदक विजेता खिलाड़ी और खेल संघों के पदाधिकारी मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ की ईवी क्रांति के सूत्रधार बने बृजमोहन अग्रवाल, कराया 57 करोड़ का निवेश

पीएम ई-ड्राईव से छत्तीसगढ़ में रोजगार और स्वच्छ परिवहन को नई रफ्तार

विश्व केसरी

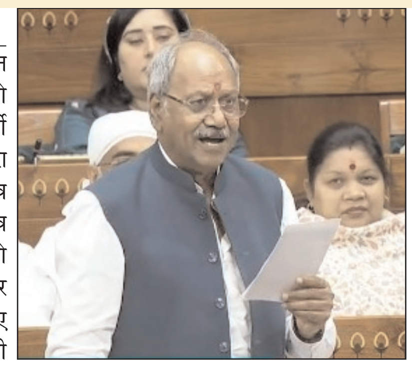

रायपुर। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा 'पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट' योजना को सफलतापूर्वक शुरू करने और इसके लगातार विस्तार के लिए केंद्र की मोदी सरकार की जमकर सराहना की। भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा 10,900 करोड़ रूपये के बड़े बजट के साथ तैयार की गई यह योजना भारत के स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह योजना आम नागरिकों के यात्रा करने के तरीके को बदल रही है और साथ ही कार्बन उत्सर्जन को भी काफी हद तक कम कर रही है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने इस दिशा में छत्तीसगढ़ को मिली 57 करोड़ रुपये की उस महत्वपूर्ण रणनीतिक सब्सिडी पर भी प्रकाश डाला, जिसने हाल ही में छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रिक वाहन इंफ्रास्ट्रक्चर और इसके इस्तेमाल के इकोसिस्टम को नई गति दी है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ में 55489 इलेक्ट्रिक वीइकल है जिसकी खरीद में लोगों को करीब 57 करोड़ रुपये की सब्सिडी मिली है।

केंद्र सरकार ने सांसद बृजमोहन

अग्रवाल को बताया कि टाटा मोटर्स, अशोक लीलैंड और ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक जैसी बड़ी कंपनियों ने भारी-भरकम इलेक्ट्रिक बसों और कमर्शियल ट्रकों के लिए इस योजना का लाभ उठाया है, जबकि ओला इलेक्ट्रिक, एथर एनर्जी, टीवीएस मोटर, बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर ब्रांड्स की बिक्री में अभूतपूर्व बढ़ोतरी देखी गई है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल के अनुसार 'पीएम ई-ड्राइव योजना केवल एक सरकारी नीति नहीं है; यह प्रदूषण मुक्त, आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक जन आंदोलन है। 'ट्ठ उन्होंने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा, 'चार्जिंग स्टेशनों का एक व्यापक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क बनाने और परीक्षण एजेंसियों को उन्नत करने के लिए पर्याप्त धन आवंटित करके, हमारी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि इलेक्ट्रिक वाहन अब भविष्य की विलासिता न रहें, बल्कि छत्तीसगढ़ और पूरे देश में आम आदमी के लिए एक व्यावहारिक, रोजमर्रा की वास्तविकता बनें।'

केंद्रीय भारी उद्योग राज्य मंत्री श्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा ने छत्तीसगढ़ के नागरिकों को भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार राज्य को इन बड़े बदलाव लाने वाले निवेशों का ज़्यादा से ज़्यादा हिस्सा दिलाने में मदद करती रहेगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि स्थानीय युवाओं को तेज़ी से बढ़ रहे श्वङ्क ब्रांड्स में रोज़गार मिले और रायपुर जल्द ही एक मॉडल ग्रीन सिटी बन जाए।

यातायात जागरूकता कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को पढ़ाया गया यातायात नियम के पाठ

लगातार हो रहे दुर्घटनाओं में कमी लाने जागरूकता अभियान जारी

विश्व केसरी

रायपुर। जागरूकता कार्यक्रम में अबतक 1800 छात्र छात्राये हुये लाभान्वित जिले में सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं को रोकने और बच्चों में प्रारंभ से ही यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से यातायात जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार गौरव राय के निर्देशन तथा उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) संजय कुमार साहू के मार्गदर्शन में ग्राम रोहरा, हथबंद नगर पंचायत कसडोल, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों का महत्व समझाया गया। उन्हें बताया गया कि मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट पहनना और कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य है। यातायात संकेतों का पालन करना, तीन सवारी से बचना, स्टंटबाजी न करना और बिना लाइसेंस वाहन न चलाना आवश्यक है। नियमों का उल्लंघन करने पर ई-चालान तथा सिटी सर्विलांस कैमरों से निगरानी की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम में बच्चों को नशे से दूर रहने की प्रेरणा दी गई और उसके शारीरिक एवं मानसिक दुष्प्रभावों के बारे में बताया गया। साथ ही उन्हें पी.एम. राहत योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को ?1.5 लाख तक कैशलेस मदद मिलने की जानकारी दी गई। राहवीर योजना के अंतर्गत घायल को अस्पताल पहुँचाने वाले व्यक्ति को 25,000 रुपए का पुरस्कार तथा हिट एंड रन योजना के अंतर्गत मृतक को ?2 लाख एवं घायल को ?50,000 की सहायता प्रदान किए जाने की जानकारी दी गई। अब तक इस अभियान से लगभग 1800 छात्र-छात्राएँ लाभान्वित हो चुके हैं। यह कार्यक्रम जिले के प्रत्येक स्कूल में निरंतर जारी रहेगा। अंत में अपील की गई कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने में संकोच न करें, क्योंकि समय पर सहायता से अनेक लोगों की जान बचाई जा सकती है।

शिक्षा अफसरों पर आरोप : हाईकोर्ट के आदेश छिपाकर लोक आयोग को गुमराह किया

विश्व केसरी

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अफसरों पर गंभीर आरोप लगे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता विकास तिवारी ने छत्तीसगढ़ लोक आयोग में शिकायत दर्ज कराई है कि विभाग ने हाईकोर्ट के अहम आदेश छिपाकर आयोग को भ्रामक जानकारी दी। यह मामला प्रदेश में बिना मान्यता/बिना पंजीयन चल रहे सैकड़ों स्कूलों से जुड़ा है।

क्या है पूरा प्रकरण ?

दरअसल लोक आयोग में प्रकरण क्रमांक 34/2024 की सुनवाई चल रही थी। आरोप है कि इस दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने जानबूझकर ये तथ्य नहीं बताया कि इसी विषय पर हाईकोर्ट में WPPIL No. 22/2016 नाम की जनहित याचिका लंबित है और उसमें कई आदेश आ चुके हैं।

हाईकोर्ट ने क्या कहा है?

शिकायत में विकास तिवारी ने हाईकोर्ट के 4 आदेशों का जिक्र किया: 11.07.2025, 05.08.2025, 17.09.2025 और 20.07.2026 ।

20 जुलाई 2026 के आदेश में कोर्ट ने दर्ज किया कि इंटरवेनर विकास तिवारी ने बताया कि ऋञ्जश्व,ष्ह्र 2009 की धारा 18 के बावजूद राज्य में बिना मान्यता के सैकड़ों स्कूल चल रहे हैं। इसी सुनवाई में लोक आयोग के 30.06.2026 के आदेश का भी उल्लेख हुआ था।

शिकायतकर्ता का कहना है कि हाईकोर्ट पिछले 15 सालों से चल रहे अवैध स्कूलों पर कड़ी टिप्पणी कर चुका है और कार्रवाई के आदेश दे चुका है, लेकिन विभाग ने पालन नहीं किया।

किसके खिलाफ जांच की मांग ?

शिकायत में इन अधिकारियों के खिलाफ जांच मांगी गई है - सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग, उप सचिव, संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय, जिला शिक्षा अधिकारी, आरोप है कि लोक आयोग के सामने अपूर्ण और भ्रामक प्रतिवेदन देकर बिना मान्यता वाले स्कूलों को संरक्षण दिया जा रहा है।

विकास तिवारी ने की है ये मांग

लोक आयोग से मांग की गई है कि हाईकोर्ट के सभी आदेशों का परीक्षण किया जाए। अगर तथ्य छिपाना साबित होता है तो दोषी अफसरों पर कानून और सेवा नियमों के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सामाजिक कार्यकर्ता विकास तिवारी, जो इस PIL में इंटरवेनर भी हैं।

अब क्या होगा ?

लोक आयोग हाईकोर्ट के आदेशों का परीक्षण करेगा। दोषी पाए जाने पर अफसरों पर कार्रवाई हो सकती है।

रायपुर मेकाहारा अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में लगी आग

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति अस्पताल (मेकाहारा) के मेडिसिन विभाग के इमरजेंसी वार्ड में मंगलवार दोपहर अचानक भीषण आग लग गई। दोपहर के समय हुए इस हादसे के तुरंत बाद दमकल विभाग की गाड़ियों ने मौके पर पहुँचकर कड़ी मशक्कत के बाद लपटों पर पूरी तरह काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि समय रहते अस्पताल स्टाफ, डॉक्टरों और सुरक्षा कर्मियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए वार्ड में भर्ती सभी मरीजों और उनके परिजनों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कर दिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

घटनाक्रम के अनुसार दोपहर में मेडिसिन विभाग के इमरजेंसी हिस्से में लगे एसी से अचानक धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग फैल गई। देखते ही देखते पूरे वार्ड और आसपास के गलियारों में घना धुआं भर गया, जिससे वहां मौजूद मरीजों और तीमारदारों में हड़कंप मच गया। प्राथमिक अनुमान के मुताबिक एयर कंडीशनर (एसी) में शार्ट सर्किट होने या उसके कंप्रेसर में धमाका होने की वजह से यह हादसा हुआ है। दमकल की गाड़ियों ने मौके पर पहुँचकर तुरंत मोर्चा संभाला और कुछ ही देर में स्थिति को नियंत्रित कर लिया।

सुरक्षा मानकों पर उठे सवाल - मेकाहारा प्रदेश का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल है, जहाँ रोजाना हजारों की संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुँचते हैं। अस्पताल परिसर में एसी कंप्रेसर फटने की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी ऑपरेशन थिएटर में सर्जरी के दौरान एसी कंप्रेसर फटने से आग लगने का मामला सामने आ चुका है। बार-बार हो रही इन घटनाओं ने अस्पताल के विद्युत नेटवर्क, कूलिंग सिस्टम और नियमित मेंटेनेंस की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थिति नियंत्रण में, जांच प्रक्रिया जारी

फिलहाल मेकाहारा अस्पताल में स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है और भर्ती मरीजों का वैकल्पिक वार्डों में इलाज जारी है। पुलिस और दमकल विभाग की संयुक्त टीम मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है। तकनीकी जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हादसे के सटीक कारणों और जिम्मेदारियों का निर्धारण हो सकेगा।

महादेव घाट में मिला अज्ञात शव, जांच में जुटी पुलिस

विश्व केसरी

रायपुर। महादेव घाट में उस समय हड़कंप मच गया, जब मंदिर के सामने नदी में एक अज्ञात शव मिला। शव मिलने की सूचना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र का है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस शव की पहचान करने का प्रयास कर रही है और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी ने माउंट एवरेस्ट विजेता अमिता श्रीवास का किया सम्मान

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी द्वारा विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) पर सफलतापूर्वक तिरंगा लहराने वाली पर्वतारोही अमिता श्रीवास का कंपनी मुख्यालय में सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक एस.के. कटियार ने उन्हें स्मृति चिन्ह एवं एक पौधा भेंट कर उनके अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प तथा ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर अमिता श्रीवास ने माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा प्रमुख सचिव, ऊर्जा एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके द्वारा प्रेषित शुभकामनाओं एवं बधाई संदेश के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक एस.के. कटियार ने कहा कि छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी प्रदेश की उभरती प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रही है। इसी उद्देश्य से कलेक्टर (जांजगीर-चांपा) की अनुशंसा पर कंपनी ने अमिता श्रीवास के माउंट एवरेस्ट अभियान के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की। सम्मान समारोह में अमिता श्रीवास ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं। सीमित संसाधनों तथा साधारण परिवार से होने के बावजूद उन्होंने माउंट एवरेस्ट फतह करने का सपना देखा और उसे साकार करने के लिए निरंतर प्रयास किए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी द्वारा प्रदान की गई आर्थिक सहायता एवं प्रोत्साहन ने उनके मनोबल को सुदृढ़ किया, जिसके बल पर वे माउंट एवरेस्ट अभियान को सफलतापूर्वक पूरा कर सकीं। सम्मान समारोह में कार्यपालक निदेशक एम.एस. कंवर, सी.एल. नेताम, संदीप मोदी, मुख्य अभियंता संजीव शुक्ला, गिरीश गुप्ता, सुभाष शर्मा, जीतेन्द्र कुमार चावड़ा, देवेन्द्र नाथ, इन्तेकाब आलम अंसारी, एच.एन. कोसरिया, रोहित डहरवाल, शशिधर द्विवेदी तथा बलवंत पाटिल उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) गोविन्द पटेल ने किया।

हेपेटाइटिस से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी, विद्यार्थियों को जांच, उपचार और टीकाकरण का संदेश

विश्व केसरी

रायपुर। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर केंद्रीय संचार ब्यूरो, बिलासपुर द्वारा शासकीय हाई स्कूल, खमतराई में विद्यार्थियों के बीच मौखिक चर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वर्ष 2026 की थीम 'Hepatitis: Let's Break It Down' के माध्यम से हेपेटाइटिस से जुड़े मिथकों को दूर करने, समय पर जांच एवं उपचार कराने तथा बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया।

विद्यार्थियों को बताया गया कि प्रत्येक वर्ष 28 जुलाई को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है। यह दिवस नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक डॉ. बारूक ब्लमबर्ग की स्मृति में मनाया जाता है, जिन्होंने हेपेटाइटिस-बी वायरस की खोज तथा इसके टीके के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। चर्चा के दौरान विद्यार्थियों को हेपेटाइटिस के कारण, लक्षण, बचाव और उपचार के बारे में जानकारी दी गई। हेपेटाइटिस-बी से बचाव के लिए टीकाकरण कराने, स्वच्छ एवं सुरक्षित भोजन-पानी का सेवन करने, संक्रमित रक्त और असुरक्षित सुई के उपयोग से बचने, सुरक्षित व्यवहार अपनाने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि हेपेटाइटिस की समय पर पहचान और उपचार से सिरोसिस तथा लिवर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। कार्यक्रम में भारत सरकार की प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना की भी जानकारी दी गई। इसके साथ ही नशा मुक्ति विषय पर जागरूकता बढ़ाते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ, अनुशासित और जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया गया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती अलका गौरहा और श्रीमती जया बिसेन ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक और उपयोगी बताया। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

रिकॉर्ड में खामियां मिलने पर 9 होटल संचालकों को नोटिस!

विश्व केसरी

रायपुर। रायपुर पुलिस ने सघन जांच के दौरान 89 होटल, लॉज और धर्मशालाओं में नियमों के उल्लंघन और रिकॉर्ड में खामियां मिलने पर 9 संचालकों को नोटिस जारी किया गया।

डीसीपी तारकेश्वर पटेल के निर्देश पर कोतवाली, गंज, तेलीबांधा सहित मध्य जोन के सात थाना क्षेत्रों ने कुल 81 होटल, 7 लॉज और 1 धर्मशाला में ठहरे लोगों का भौतिक सत्यापन किया। अभियान के दौरान पुलिस ने होटलों में ठहरे लोगों के पहचान पत्र, विजिटर रजिस्टर, सीसीटीवी फुटेज और ऑनलाइन बुकिंग रिकॉर्ड की बारीकी से जांच की। साथ ही यह भी देखा गया कि होटल संचालक निर्धारित नियमों का पालन कर रहे हैं या नहीं। जांच के दौरान 17 संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन किया गया। वहीं रिकॉर्ड संधारण और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में लापरवाही मिलने पर 9 होटल संचालकों को नोटिस जारी कर आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। पुलिस ने 68 होटल संचालकों को निर्देश दिया कि वे अपने यहां ठहरने वाले मेहमानों की जानकारी नियमित रूप से 'समाधान' एप के माध्यम से पुलिस को उपलब्ध कराएं। अधिकारियों ने कहा कि इससे अपराधियों और संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखने में मदद मिलेगी।

संपादकीय

अश्लीलता के खिलाफ भी अब हो आंदोलन

– डॉ. प्रियंका सौरभ

मनोरंजन समाज का दर्पण भी होता है और दिशा-निर्देशक भी। जिस समाज का मनोरंजन जैसा होता है, धीरे-धीरे उसकी भाषा, व्यवहार, सोच और सामाजिक संस्कृति भी उसी दिशा में प्रभावित होने लगती है। इसलिए यह प्रश्न आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है कि क्या हम मनोरंजन के नाम पर सब कुछ स्वीकार करने के लिए तैयार हैं? हरियाणा के रोहतक जिले के महम चौबीसी के चौबूतरे पर महिला डांसरों द्वारा प्रस्तुत अश्लील नृत्य, गीत और वीडियो के विरोध में उठी आवाज़ केवल एक स्थानीय घटना नहीं है। यह उस व्यापक चिंता का प्रतीक है जिसे देश का एक बड़ा वर्ग महसूस कर रहा है। लेकिन यदि यह आंदोलन केवल मंचों और सार्वजनिक आयोजनों तक सीमित रह गया, तो शायद यह अधूरा आंदोलन होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि अश्लीलता के हर रूप पर समान रूप से चर्चा हो—चाहे वह मंच पर हो, सोशल मीडिया पर हो या ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर।

डिजिटल क्रांति ने मनोरंजन को लोकतांत्रिक बनाया है। अब हर व्यक्ति केवल दर्शक ही नहीं, बल्कि निर्माता भी बन गया है। मोबाइल कैमरा और इंटरनेट ने लाखों लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया है। इससे अनेक सकारात्मक बदलाव भी आए हैं। लेकिन इसके साथ एक ऐसी प्रतिस्पर्धा भी शुरू हुई है जिसमें अधिक व्यूज़, अधिक लाइक और अधिक कमाई के लिए उत्तेजक सामग्री को प्राथमिकता दी जाने लगी है। परिणाम यह है कि कई बार प्रतिभा से अधिक अश्लीलता, सनसनी और अभद्रता वायरल होती दिखाई देती है।

आज सोशल मीडिया के अनेक मंचों पर ऐसे वीडियो सहजता से उपलब्ध हैं जिनमें भद्दे संवाद, दोहरे अर्थ वाले गीत, उत्तेजक नृत्य और अपमानजनक भाषा को मनोरंजन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यही नहीं, कई बार ऐसे वीडियो एल्गोरिद्म के कारण लाखों लोगों तक स्वत: पहुँच जाते हैं। यदि किसी सामग्री को अधिक देखा जाता है, तो प्लेटफ़ॉर्म उसे और अधिक लोगों तक पहुँचाते हैं। इस व्यवस्था में गुणवत्ता की तुलना में लोकप्रियता अधिक महत्व प्राप्त कर लेती है।

ओटीटी प्लेटफ़ॉर्मों ने भारतीय मनोरंजन उद्योग को नई दिशा दी है। अनेक उत्कृष्ट फिल्में, वेब सीरीज़ और वृत्तचित्र भी इन्हीं माध्यमों से सामने आए हैं। इसलिए ओटीटी को एकतरफा दोष देना उचित नहीं होगा। समस्या तब उत्पन्न होती है जब कुछ निर्माता कहानी की आवश्यकता से अधिक नग्नता, गाली-गलौज और हिंसा का प्रयोग केवल दर्शकों को आकर्षित करने के लिए करते हैं। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि यदि किसी वेब सीरीज़ में पर्याप्त अपशब्द, उत्तेजक दृश्य या अत्यधिक हिंसा नहीं होगी, तो वह सफल नहीं मानी जाएगी। यह प्रवृत्ति गंभीर विचार की मांग करती है।

अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि ऐसी सामग्री पर आयु सीमा लिखी होती है और उसे परिवार के साथ देखने के लिए नहीं बनाया गया है। लेकिन वास्तविकता इससे अलग है। भारत में अधिकांश बच्चे और किशोर मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं। आयु सत्यापन की व्यवस्थाएँ सीमित हैं और कई बार औपचारिक भर रह जाती हैं। माता-पिता हर समय यह नहीं देख सकते कि बच्चा मोबाइल पर क्या देख रहा है। ऐसे में केवल चेतावनी लिख देना पर्याप्त समाधान नहीं माना जा सकता।

मनोवैज्ञानिक वर्षों से बताते आए हैं कि बचपन और किशोरावस्था में व्यक्ति का व्यक्तित्व तेजी से विकसित होता है। भाषा, व्यवहार, संबंधों की समझ और सामाजिक संवेदनशीलता पर उसके आसपास के वातावरण का प्रभाव पड़ता है। डिजिटल सामग्री भी उसी वातावरण का हिस्सा बन चुकी है। इसका अर्थ यह नहीं कि हर बच्चा किसी वीडियो को देखकर वैसा ही बन जाएगा, लेकिन यह मान लेना भी उचित नहीं कि सामग्री का कोई प्रभाव ही नहीं पड़ता। परिवार, विद्यालय, मित्र, समाज और डिजिटल माध्यम—सभी मिलकर व्यक्तित्व निर्माण में भूमिका निभाते हैं।

यह भी ध्यान रखना चाहिए कि अश्लीलता की परिभाषा हर समाज और हर समय में एक जैसी नहीं होती। कला, साहित्य और सिनेमा को कठिन विषयों पर चर्चा करने तथा सामाजिक यथार्थ दिखाने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक महत्वपूर्ण अधिकार है।

इसलिए किसी भी विचार से असहमति मात्र के आधार पर प्रतिबंध लगाने की प्रवृत्ति भी उचित नहीं होगी। लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और व्यावसायिक लाभ के लिए जानबूझकर उत्तेजक सामग्री परोसने के बीच स्पष्ट अंतर है। यही संतुलन सबसे महत्वपूर्ण है।

समस्या केवल कंटेंट निर्माताओं की नहीं है। दर्शक भी इस पूरी व्यवस्था का हिस्सा हैं। यदि अश्लील या सनसनीखेज सामग्री को लाखों-करोड़ों बार देखा जाएगा, तो बाज़ार उसी दिशा में आगे बढ़ेगा। इसलिए समाज को भी आत्ममंथन करना होगा कि वह किस प्रकार की सामग्री को प्रोत्साहित कर रहा है। केवल विरोध प्रदर्शन करने से परिवर्तन नहीं आएगा; देखने की आदतों में भी बदलाव आवश्यक है।

सरकार की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सेंसरशिप अंतिम उपाय होना चाहिए, लेकिन बच्चों की सुरक्षा, स्पष्ट आयु वर्गीकरण, प्रभावी पैरेंटल कंट्रोल, शिकायत निवारण प्रणाली और पारदर्शी नियमन जैसे कदमों पर गंभीरता से काम किया जा सकता है। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्मों की भी सामाजिक जिम्मेदारी है कि वे केवल लाभ के आधार पर नहीं, बल्कि समाज पर पड़ने वाले प्रभाव को भी ध्यान में रखें। विद्यालयों में डिजिटल साक्षरता आज समय की आवश्यकता बन चुकी है। बच्चों को यह सिखाना होगा कि इंटरनेट पर उपलब्ध हर सामग्री उनके लिए उपयुक्त नहीं होती।

आखिर किस ओर जा रहा नया भारत ?

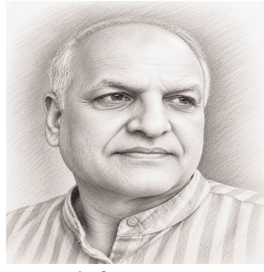

गिरीश पंकज

भारत केवल भूगोल की सीमाओं से बंधा हुआ कोई ज़मीन का टुकड़ा मात्र नहीं है; यह चेतना, दर्शन और सदियों पुरानी जीवन-पद्धति का एक सुजीवंत प्रवाह है। इतिहास के पन्नों को पलटें, तो ज्ञात होता है कि कभी भारत देश 'विश्व गुरु' के रूप में प्रतिष्ठित रहा है। संस्कार, सभ्यता, मानवीय मूल्य, आतिथ्य और ज्ञान की पराकाष्ठा को सीखने एवं अनुकरण करने के लिए दूर-दराज से विश्व के लोग भारत आया करते थे। नालंदा और तक्षशिला जैसे प्राचीन विश्वविद्यालयों में केवल ज्ञान की ही शिक्षा नहीं दी जाती थी, बल्कि जीवन को अनुशासित, मर्यादित और शालीन बनाने का पाठ भी पढ़ाया जाता था। ?बड़ों का सम्मान करना, अनुजों से स्नेह रखना, अतिथियों का सत्कार करना और अत्यंत शिष्ट व संयमित भाषा में अपनी बात कहना इस देश की संस्कृति की आत्मा रही है। हमारी भाषा में 'आप' शब्द का प्रयोग केवल व्याकरण का हिस्सा नहीं, बल्कि सामने वाले व्यक्ति के प्रति अगाध सम्मान और आदर का प्रतीक है। परंतु आज 21वीं सदी के उत्तरार्ध में जिस 'नए भारत' को हम आकार लेते देख रहे हैं, उसकी तस्वीर के कुछ पहलू अत्यंत चिंताजनक और विचारणीय हैं। आधुनिकता, तकनीकी विकास और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर आज हमारी भाषा और सामाजिक आचरण में जो गिरावट आई है, वह केवल चिंता का विषय नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक संकट का संकेत है।

?भाषा किसी भी समाज की मानसिक स्थिति और उसकी बौद्धिक परिपक्वता का प्रतिबिंब होती है। इतिहास गवाह है कि थोड़े-बहुत असामाजिक या अमर्यादित लोग हर युग में रहे हैं, जो अपनी कुंठा या अभिव्यक्ति के लिए अशोभनीय शब्दों और गालियों का सहारा लेते थे। लेकिन प्राचीन और मध्यकालीन युग में ऐसा वर्ग बहुत सीमित था। बहुसंख्यक समाज बेहद शालीनता, मर्यादा और नैतिक मूल्यों के साथ अपने आप को अभिव्यक्त करता रहा। ?मगर अब जो नई पीढ़ी आ रही है, उसके मुंह से अनायास ही निकलती अश्लील और अमर्यादित गालियां सुनकर पूरे समाज को आत्मग्लानि और पश्चाताप होना चाहिए। भाषा से मिठास गायब हो रही है और उसका स्थान क्रूर, अश्लील और अभद्र शब्द ले रहे हैं। दुखद पहलू यह है कि इन गंदे शब्दों का प्रयोग अब किसी गुस्से या तीव्र आक्रोश के क्षणों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह रोजमर्रा की सामान्य बोलचाल, हंसी-मजाक और दोस्ताना बातचीत का स्थायी हिस्सा बनता जा रहा है। ??यदि हम इस भाषाई और सांस्कृतिक पतन का निष्पक्ष विश्लेषण करें, तो सवाल उठता है कि इसके लिए वास्तव में कौन जिम्मेदार है? गहराई से विचार करने पर स्पष्ट होता है कि गलती इन मासूम लड़के या लड़कियों की पूरी तरह से नहीं है। यह गलती इस समाज की भी है, जिसने अतीत में न जाने कब और क्यों गंदी-गंदी गालियां ईजाद कीं। पुरानी पीढ़ी ने जिन गंदे और अश्लील शब्दों का आविष्कार करके उन्हें अपनी सामाजिक व्यवस्था में बनाए रखा, आज की नई पीढ़ी केवल उन्हीं शब्दों को दोहरा रही है। उन्हें उपहार स्वरूप यही भाषाई विकृति विरासत में मिली है। ?गालियां किसी शून्य से पैदा नहीं हुईं। हमारे पूर्वजों ने, समाज के वरिष्ठों ने भाषा में जो जहर घोला था, वही जहर आज की युवा पीढ़ी के कंठ से बाहर निकल रहा है। जब बच्चा अपने आसपास के माहौल में, सड़कों पर, और

परिवार के बुजुर्गों के मुंह से अमर्यादित शब्द सुनता है, तो वह उसे स्वाभाविक मान लेता है। नई पीढ़ी तो केवल उस ढर्रे पर चल रही है जो हमने उनके लिए बनाया। इसलिए, उन्हें दोषी ठहराने से पहले समाज को अपनी उस ऐतिहासिक भूल को स्वीकार करना होगा जिसने इन गंदे शब्दों को गढ़ा और उन्हें जीवित रखा।

?आज के दौर में आधुनिकता, प्रगतिशीलता और साहसी यानी बोल्ड होने की परिभाषाएं पूरी तरह से गड्डमड्डु हो चुकी हैं। वैश्वीकरण और इंटरनेट के इस दौर में पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण ने हमारी युवा पीढ़ी को मानसिक रूप से भ्रमित कर दिया है। आज युवाओं के बीच एक अजीब-सी होड़ मची है—जो जितनी ज्यादा गंदी गाली दे सकता है, जो जितना अधिक सामाजिक मर्यादाओं को तोड़ सकता है, उसे उतना ही अधिक 'कूल', 'बोल्ड' या 'आधुनिक' मान लिया जाता है। ?सबसे अधिक व्यथित करने वाली बात यह है कि इस भाषाई गिरावट में अब लैंगिक अंतर भी समाप्त हो चुका है। एक समय था जब स्त्रियां और लड़कियां संयम, शालीनता और भाषाई शुचिता की प्रतीक मानी जाती थीं। परंतु आज बोल्ड या प्रोग्रेसिव दिखने के नाम पर लड़कों से ज्यादा लड़कियां अश्लील गालियां देती नजर आती हैं। ?सार्वजनिक स्थानों, कॉलेज कैंटीनों, मॉल और सोशल मीडिया रील्स पर लड़कियों द्वारा धड़ल्ले से अत्यंत अश्लील गालियों का प्रयोग किया जा रहा है। यह केवल भाषा तक सीमित नहीं है, बल्कि 'खुलेपन' के नाम पर एक स्वच्छंद और अश्लील जीवन जीने को ही आधुनिकता का नाम दिया जा रहा है। यह धारणा बना ली गई है कि यदि आप पारंपरिक मर्यादाओं का पालन करते हैं, तो आप पिछड़े हैं; और यदि आप अश्लीलता व अभद्रता को अपनाते हैं, तो आप प्रगतिशील हैं। ?साहस और प्रगतिशीलता का अर्थ वैचारिक परिपक्वता, स्वावलंबन और कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाना था, न कि अपनी भाषा को गंदा करना और नैतिक मर्यादाओं को तार-तार करना.

?इस सांस्कृतिक और भाषाई पतन को गति देने में आधुनिक मीडिया, ओटीटी सिनेमा और सोशल मीडिया की बहुत बड़ी भूमिका रही है। पिछले कुछ वर्षों में ओटीटी पर बनी वेब सीरीज में अश्लीलता, हिंसा और नग्न गालियों को 'यथार्थवाद' के नाम पर परोसा गया है। जब पर्दे पर मुख्य किरदार हर दूसरे वाक्य में अश्लील गालियां बकता है, तो युवा दर्शक उसे स्टाइल स्टेटमेंट मानकर अपने जीवन में उतार लेते हैं।

?इंस्टाग्राम रील्स, यूट्यूब, व्लॉग्स आदि में अश्लीलता खुल कर नज़र आती है। जो जितना अधिक अभद्र बोलता है, उसके पास उतने ही ज्यादा फॉलोअर्स और व्यूज होते हैं। आज एकल परिवारों के दौर में माता-पिता दोनों कामकाजी हैं। बच्चों को दादा-दादी, नाना-नानी का सानिध्य और उनकी संस्कारप्रद कहानियां नहीं मिल पा रही हैं। स्क्रीन टाइम बढ़ गया है और मानवीय संवाद घट गया है। ?यदि समाज की भाषा अश्लील और आचरण अमर्यादित हो जाए, तो उसके दुष्परिणाम बहुत व्यापक होते हैं भाषा जब कठोर और अश्लील होती है, तो व्यक्ति का हृदय भी कठोर होने लगता है। दूसरों के प्रति सम्मान, दया और सहानुभूति के भाव समाप्त होने लगते हैं। अश्लील शब्दों का अत्यधिक प्रयोग युवाओं में मानसिक उग्रता और आक्रामकता को बढ़ावा दे रहा है। जिस समाज में भाषा की मर्यादा समाप्त हो जाती है, वहां रिश्तों में सम्मान और मिठास टिक नहीं पाती, जिससे पारिवारिक विघटन तेजी से बढ़ रहा है।

क्या हो समाधान ?

अब एक बार फिर पुनर्जागरण की आवश्यकता है ।

?बेशक समाज में अनेक लोग आज भी इस तरह की गालियां नहीं देते और अपनी संस्कृति व संस्कारों से बंधे हुए हैं। लेकिन उनके आसपास आज भी गंदी-गंदी गालियां गूंजती रहती हैं, जो माहौल को विषैला बनाती हैं। हर कोई स्वयं उतना शालीन नहीं हो सकता जितनी उससे अपेक्षा की जाती है, इसलिए एक सामूहिक प्रयास की अत्यंत आवश्यकता है।

?इस भाषाई और नैतिक संकट से उबरने के लिए हमें निम्नलिखित कदम उठाने होंगे, जैसे समाज के वरिष्ठों और अभिभावकों को सबसे पहले अपनी भाषा से अमर्यादित शब्दों को पूरी तरह बाहर करना होगा। जब तक घर का माहौल शालीन नहीं होगा, बच्चे सही संस्कार नहीं सीख सकते । युवाओं को यह समझाना होगा कि प्रगतिशीलता का अर्थ ज्ञान, विज्ञान, विचारों की व्यापकता और आत्मनिर्भरता में है; अभद्र भाषा बोलने या अश्लील जीवन जीने में नहीं। ?शिक्षा प्रणाली में नैतिक मूल्य पर ज़ोर देना होगा। विद्यालयों और कॉलेजों में केवल किताबी ज्ञान न देकर नैतिक शिक्षा, भाषाई सौंदर्य और भारतीय संस्कृति के मूल्यों को अनिवार्य रूप से पढ़ाया जाना चाहिए। ?सकारात्मक साहित्य और मीडिया का निर्माण करना होगा। मनोरंजन उद्योग को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझनी होगी। अश्लीलता और गालियों को टीआरपी का साधन बनाने के बजाय स्वस्थ और प्रेरणादायक सामग्री को बढ़ावा देना होगा।

अंतत: समझना यही होगा कि ?'नया भारत' केवल आर्थिक प्रगति, गगनचुंबी इमारतों, डिजिटल तकनीक और बुलेट ट्रेनों का नाम नहीं हो सकता। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक महानता उसकी संस्कृति, उसके नैतिक मूल्यों और उसके नागरिकों के आचरण पर निर्भर करती है। यदि हम आर्थिक रूप से समृद्ध हो जाएं, लेकिन भाषाई और नैतिक रूप से दरिद्र हो जाएं, तो ऐसा 'नया भारत' कभी विश्व गुरु नहीं बन सकता। ?हमें अपनी युवा पीढ़ी को सही दिशा दिखानी होगी। दोष मढ़ने का खेल छोड़कर समाज को एक संरक्षक की भूमिका निभानी होगी, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी के मुख से गालियों के बजाय ज्ञान, शील और सम्मान की वाणी प्रस्फुटित हो सके। तभी हम गर्व से कह सकेंगे कि यह नया भारत सचमुच अपनी महान सांस्कृतिक विरासत का सच्चा उत्तराधिकारी है।

धरती की चेतावनी को सुनिए, प्रकृति का धैर्य अब जवाब दे रहा है

– योगेश कुमार गोयल

पूरी दुनिया में मौसम के तेजी से बिगड़ते मिजाज के कारण विभिन्न देशों में प्रकृति की मार अब स्पष्ट नजर आने लगी है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही परिणाम है कि अब हर साल देश के कई हिस्से भारी बारिश के कारण बाढ़ की वजह से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं जबकि कई हिस्से मानसून के दौरान भी पर्याप्त बारिश के लिए तरसते रह जाते हैं। इस वर्ष भी कुछ ऐसे ही हालात हैं। दुनिया के कई ठंडे इलाके अब ग्लोबल वार्मिंग के कारण तपने लगे हैं तो कई सूखे इलाके बाढ़ से त्रस्त हैं, जंगल झुलस रहे हैं। बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा जीव-जंतुओं की कई प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पर्यावरण के तेजी से बदलते इस दौर में वैश्विक स्तर पर लोगों का ध्यान इन समस्याओं की ओर आकृष्ट करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 जुलाई को 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' मनाया जाता है, जिसके माध्यम से वातावरण में हो रहे व्यापक बदलावों के चलते लगातार विलुप्ति के कगार पर पहुंच रही जीव जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों की रक्षा का संकल्प लिया जाता है। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को जागरूक करने के लिहाज से आज के समय में प्रकृति संरक्षण दिवस की महत्ता बढ़ गई है।

2020 में कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौर में पूरी दुनिया ने पहली बार प्रकृति को खुलकर मुस्कराते देखा था क्योंकि तब औद्योगिक इकाईयां, हवाई व रेल यात्राएं, बस यात्रा तथा निजी वाहनों का आवागमन बंद होने से हर तरह के प्रदूषण का स्तर पूर्ण रूप से नियंत्रित हो गया था। गंगा, यमुना जैसी जो पवित्र नदियां कई जगहों पर गंदे नालों की भांति बहती दिखाई देती थी, उनमें जल की निर्मल धारा बहने लगी थी। जिन नदियों को साफ करने के लिए पिछले कुछ दशकों में अनेक योजनाएं और समितियां बनी तथा नदियों की स्वच्छता के नाम पर अरबों-खरबों रुपये खर्च हो गए, लॉकडाउन के दौरान वे स्वत: ही स्वच्छ और निर्मल हो गई थी। पहली बार देखा गया था कि किस प्रकार लॉकडाउन के चलते लोगों के घरों में बंद रहने और सभी प्रकार के व्यावसायिक कार्य बंद हो जाने से हवा इतनी शुद्ध हो गई थी कि सैंकड़ों किलोमीटर दूर स्थित पर्वतों की चोटियां भी स्पष्ट दिखाई दी थी। जिन नन्हीं चिड़ियों की चहचहाहट को हमारे कान तरस गए थे, ब्रह्म मुहूर्त में उनकी मधुर आवाज फिर से सुनाई देनी लगी थी। प्रकृति के उस साफ-सुथरे स्वरूप को देखकर हर कोई खुश था। दरअसल प्रकृति को स्वयं अपनी मरम्मत करने और खुद को सजाने-संवारने का सुअवसर मिला था लेकिन इंसानी गतिविधियां पुन: शुरू होते ही प्रकृति के साथ निर्मम खिलवाड़ का वही दौर पुन: शुरू हो गया, जिसका परिणाम इस समय दुनिया के तमाम देश भुगत रहे हैं।

लॉकडाउन के दौर ने पूरी दुनिया को यह समझने का बेहतरीन अवसर दिया था कि इंसानी गतिविधियों के कारण ही प्रकृति का जिस बड़े पैमाने पर दोहन किया जाता रहा है, उसी के कारण स्वर्ग से भी सुंदर हमारी धरती कराहती रही है। प्रकृति मनुष्य को ऐसा न करने के लिए बार-बार किसी न किसी बड़ी आपदा के रूप में चेतावनियां भी देती रही है लेकिन उन चेतावनियों को सदा दरकिनार किया जाता रहा है। प्रकृति के साथ मानवीय छेड़छाड़ का ही नतीजा रहा है कि बीते कुछ वर्षों में मौसम चक्र में बदलाव स्पष्ट दिखाई दिया है। वर्ष दर वर्ष अब जिस प्रकार मौसम के बिगड़ते मिजाज के चलते समय-समय पर तबाही देखने को मिल रही है, ऐसे में हमें अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि मौसम चक्र के बदलाव के कारण प्रकृति संतुलन पर जो विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, उसकी अनदेखी के कितने भयावह परिणाम होंगे। प्रकृति बार-बार मौसम चक्र में बदलाव के संकेत, चेतावनी तथा संभलने का अवसर देती रही है लेकिन हम आदतन किसी बड़े खतरे के सामने आने तक ऐसे संकेतों या चेतावनियों को नजरअंदाज करते रहे हैं, जिसका नतीजा अक्सर भारी तबाही के रूप में सामने आता रहा है।

बोधकथा

सफलता का रहस्य

एक बार की बात है । एक गाँव में प्रज्ञा प्रकाश नाम के एक विद्वान महोदय रहते थे । धन - धान्य से संपन्न तो थे ही लेकिन ज्ञान उनके पास इतना था कि दूर - दूर से लोग अपनी समस्याओं का समाधान करने उनके पास आते थे । अपने अनुभव और ज्ञान से प्रज्ञा प्रकाश लोगों की समस्याओं का समाधान करते थे । इसलिए सभी उनको गुरूजी कहकर संबोधित करते थे । ज्ञानप्रबंधन

एक दिन की बात है । एक नवयुवक गुरूजी के पास आया और बोला - ' गुरूजी मुझे सफलता का रहस्य बताइए, मैं चाहता हूँ कि मैं भी आपकी तरह विद्वान बनकर अपनी गरीबी दूर कर सकूँ ।

गुरूजी मुस्कुराएँ और उन्होंने उसे दुसरे दिन प्रात:काल नदी किनारे मिलने के लिए बुलाया । युवक को भी नहाना था इसलिए वह भी अपने वस्त्र लेकर दुसरे दिन प्रात:काल नदी किनारे पहुँच गया ।

गुरूजी उस युवक को नदी के गहरे पानी में ले गये और जहाँ पानी गले के ऊपर निकल गया तो उन्होंने उसे डुबो दिया । थोड़ी देर युवक छटपटाया फिर उन्होंने उसे छोड़ दिया । युवक हांफता - हांफता नदी से बाहर भागा । जब उसे सुध आई तो बोला - ' आप मुझे मारना क्यों चाहते है ?

गुरूजी बोले - ' नहीं भाई, मैं तो तुम्हे सफलता का रहस्य बता रहा था । अच्छा बताओ ? जब मैंने तुम्हारी गर्दन पानी में डुबो दी थी, उस समय तुम्हें सबसे ज्यादा इच्छा किस चीज की हो रही थी ?' शब्दकोशऔर विश्वकोश

युवक बोला - साँस लेने की ।

गुरूजी बोले - बस यही सफलता का रहस्य है । जब तुम्हे सफलता के लिए ऐसी ही उत्कंठ इच्छा होगी, तब तुम्हे सफलता मिल जाएगी । इसके अलावा और कोई रहस्य नही है ।

शिक्षा - दोस्तों ! आप जीवन में किसी भी चीज को पाना चाहते हो, तो उसे आपका बेइंतहा चाहना जरुरी है । मतलब हर समय आपको उसे पाने के बारे में सोचना चाहिए ।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

इस्तीफ़े का मौसम..

— अशोक 'मतवाला'

भारतीय राजनीति का एक बड़ा ही अद्भुत संस्कार है। चुनाव से पहले हर नेता जनता का बेटा बनकर आता है, लेकिन चुनाव जीतते ही घर-जवाई बन जाता है। फिर उसे विदा करने के लिए पूरा मोहल्ला इकट्ठा हो जाए, तब भी वह जाने का नाम नहीं लेता।

हाल के दिनों में एक माननीय ने बड़े आत्मविश्वास से कहा कि, 'मैं छह लाख वोटों से जीतकर आया हूँ, इस्तीफ़ा माँगने वाले तो केवल छह हजार हैं।'(यह बात और है कि बाद में उन्हें इस्तीफा देना पड़ा) उनकी बात सुनकर लगा कि लोकतंत्र अब गणित की ट्यूशन पढ़ने लगा है। अब नैतिकता, जवाबदेही और जनभावना का हिसाब वोटों की कैलकुलेटर से लगाया जाएगा।

वैसे इस्तीफ़ा हमारे यहाँ कोई संवैधानिक प्रक्रिया कम और भावनात्मक दुर्घटना अधिक माना जाता है। नेता सोचता है कि इस्तीफ़ा दे दिया तो मानो सात पीढ़ियों की कमाई चली जाएगी। कुर्सी से उसका रिश्ता ऐसा हो जाता है जैसे बरगद की जड़ और ज़मीन का। आँधी आए, तूफ़ान आए, आरोप आएँ, जाँच आए—जड़ वहीं जमी रहती है।

इतिहास उठाकर देख लीजिए। कितने ही बड़े घोटाले हुए, कितनी ही दुर्घटनाएँ हुईं, कितनी ही प्रशासनिक विफलताएँ सामने आईं। पहले बयान आया— 'मुझे जानकारी नहीं थी।' फिर दूसरा— 'जाँच होने दीजिए।' तीसरा— 'यह विपक्ष की साज़िश है।' और अंत में— 'मैं क्यों इस्तीफ़ा दूँ?'

राजनीति में इस्तीफ़ा अब उतना ही दुर्लभ हो गया है जितनी गर्मियों में बिना बिजली कटौती की रात। हमारे यहाँ कुर्सी कोई फर्नीचर नहीं, तपस्या का फल मानी जाती है। पाँच साल तक उसकी आरती उतारी जाती है। नेता उसे छोड़ने की कल्पना भी नहीं करता। उसे लगता है कि यदि वह उठ गया तो कुर्सी कहीं किसी और की गोद में न चली जाए।

घर-जवाई का भी यही हाल होता है। पहले दिन बड़ा संकोच करता है। दूसरे दिन अपनेपन से रहने लगता है। तीसरे दिन घर के फैसले भी वही लेने लगता है। और कुछ महीनों बाद यदि कोई कह दे कि 'अब अपने घर भी जाइए', तो वह उल्टे पूछ बैठता है— 'क्यों जाऊँ? मैं तो परिवार का सदस्य हूँ!'

आज की राजनीति में भी यही दृश्य है। जनता दरवाज़े पर खड़ी कहती है— 'ज़रा जवाब तो दीजिए।' सत्ता भीतर से उत्तर देती है— 'पहले यह बताइए कि पूछने वाले कितने हैं?'

लोकतंत्र में बहुमत शासन का अधिकार देता है, लेकिन जवाबदेही से छूट का लाइसेंस नहीं। चुनाव जीतना किसी नेता को पाँच वर्षों का स्वामित्व-पत्र नहीं देता; वह केवल जनता की ओर से मिला हुआ एक अस्थायी नियुक्ति-पत्र है। इसलिए इस्तीफ़े की बहस केवल संख्या की नहीं, संवेदनशीलता की भी होती है। कई बार एक नागरिक का प्रश्न लाखों तालियों से अधिक भारी पड़ जाता है।

लेकिन राजनीति के इस युग में नैतिकता अक्सर प्रेस कॉन्फ़्रेंस के अंतिम प्रश्न की तरह होती है—जिसे समयाभाव का हवाला देकर टाल दिया जाता है।

और जनता? वह अगले चुनाव तक फिर यही सोचती रहती है कि इस बार बेटा चुनें या फिर कोई नया घर-जवाई।

इतिहास

29 जुलाई का दिन इतिहास में NASA स्थापना, गुरु पूर्णिमा (व्यास पूर्णिमा), और अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के रूप में विशेष महत्व रखता है ।ऐतिहासिक घटनाएँ1958: अमेरिका के राष्ट्रपति ड्वाइट डी. आइजनहावर ने नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एक्ट पर हस्ताक्षर किए, जिससे अंतरिक्ष एजेंसी NASA की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ ।1921: अडॉल्फ हिटलर आधिकारिक तौर पर नेशनल सोशलिस्ट (नाज़ी) पार्टी के नेता बने ।1981: ब्रिटेन के प्रिंस चार्ल्स और प्रिंसेस डायना का ऐतिहासिक विवाह संपन्न हुआ ।1987: भारत के प्रधानमंत्री राजीव गांधी और श्रीलंका के राष्ट्रपति जे.आर. जयवर्धने के बीच भारत-श्रीलंका शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए ।पर्व और दिवसगुरु पूर्णिमा (2026): उदया तिथि के अनुसार 29 जुलाई 2026 को महर्षि वेदव्यास को समर्पित गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जा रहा है।

मानवाधिकार और लैंगिक संवेदनशीलता को संस्थागत संस्कृति का हिस्सा बनाएं : प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

विशेष मॉनिटर ने भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर में पहलों की समीक्षा की

विश्व केसरी

रायपुर। मानवाधिकार संरक्षण, लैंगिक समानता और समावेशी शैक्षणिक प्रशासन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के विशेष मॉनिटर प्रोफेसर कन्हैया त्रिपाठी ने भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर का दौरा कर संस्थान में संचालित मानवाधिकार जागरूकता, लैंगिक संवेदनशीलता और संस्थागत सर्वोत्तम प्रथाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इन विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया।

बैठक में भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर संजीव प्रशर, छात्र कार्य अध्यक्ष प्रोफेसर एम. रामकुमार, साक्षम (यौन उत्पीड़न, समानता, न्याय एवं सामाजिक उत्तरदायित्व समिति) की अध्यक्ष प्रोफेसर आशापूर्णा बरुआ, छात्रावास वार्डन, छात्र कार्य एवं साक्षम समिति के अधिकारी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी और अधिष्ठाता (शैक्षणिक) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रोफेसर कन्हैया त्रिपाठी ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों की भूमिका केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें सामाजिक रूप से उत्तरदायी, संवेदनशील और मानवीय मूल्यों से युक्त नागरिकों के निर्माण में भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर द्वारा समावेशी और लैंगिक रूप से संवेदनशील परिसर संस्कृति विकसित करने तथा मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास समानता पर आधारित संस्थागत व्यवस्था और जागरूक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

बैठक में छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के बीच मानवाधिकार, कार्यस्थल की गरिमा, लैंगिक समानता और संवेदनशीलता से संबंधित जागरूकता गतिविधियों के विस्तार पर चर्चा हुई। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम (प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल हैरेसमेंट) संबंधी प्रावधानों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए नियमित अभिमुखीकरण कार्यक्रम, कार्यशालाएं और क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित करने पर भी जोर दिया गया। इसके साथ ही संस्थागत समावेशन तंत्र को और अधिक सशक्त बनाने तथा जागरूकता अभियानों में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया।

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर संजीव प्रशर ने कहा कि संस्थान में प्रबंधन शिक्षा को समावेशन, गरिमा और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संस्थान अपनी आंतरिक साक्षम समिति और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सहयोग से मानवाधिकार जागरूकता, लैंगिक संवेदनशीलता और संस्थागत सर्वोत्तम प्रथाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रोफेसर कन्हैया त्रिपाठी ने संस्थागत प्रशासन में मानवाधिकार दृष्टिकोण को प्रभावी रूप से शामिल करने तथा जनजागरूकता अभियानों, आउटरीच कार्यक्रमों और संबंधित समितियों के साथ समन्वित पहलों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी अपने विचार साझा किए। बैठक में संस्थान की उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों के दस्तावेजीकरण और मानवाधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के साथ भविष्य में सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई।

दौरे के दौरान भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर संजीव प्रशर ने प्रोफेसर कन्हैया त्रिपाठी का सम्मान किया। बैठक में भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर ने सम्मानजनक, समावेशी और सामाजिक उत्तरदायित्व पर आधारित शैक्षणिक वातावरण

जेजेएम कार्य की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत की होगी : कलेक्टर

जल जीवन मिशन के कार्यों को पूर्ण करने कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक

विश्व केसरी

सरसींवा (राकेश सोनी)। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने कलेक्ट्रेट में सोमवार को जल जीवन मिशन अंतर्गत बिलाईगढ़ ब्लॉक में हर घर नल कनेक्शन के कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों और सरपंच, सचिव, ठेकेदारों का एक साथ बैठक लेकर जेजेएम के पानी टंकी, पाइप लाइन, हर घर नल कनेक्शन के कार्यों की प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी ली और पाइप बिछाने, सीसीरोड बनाने, स्टीमेट अनुसार कार्य पूर्ण करने, ट्रांसफार्मर को शिफ्ट करने, जहाँ जरूरत वहां हाइड्रो बोर करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर को जानकारी मिला कि, मधबनकला गांव में ग्रामीण नल कनेक्शन जाने नहीं दे रहे, तो कलेक्टर ने सीईओ जनपद और एसडीएम को ग्रामीणों को समझाने के निर्देश दिए कि पेयजल उसी गांव के लोगों के लिए है।

वहीं एक अन्य गांव में पंचायत या स्कूल आदि सरकारी बोर, बोरिंग से पानी टंकी तक नल कनेक्शन जोड़ने के कार्य में ग्रामीणों द्वारा बाधा उत्पन्न किया जा रहा तो, कलेक्टर ने कहा सभी सरकारी बोर बोरिंग विभाग भले अलग हो लेकिन लोगों के पेयजल का कार्य किया जाएगा और जो कोई व्यक्ति या समूह इस महत्वकांक्षी योजना में बाधा उत्पन्न करेंगे उसके विरुद्ध विधि सम्मत कार्यवाही करने एसडीएम को निर्देश दिए।

कलेक्टर ने इस बैठक में अनुपस्थित सरपंच, सचिव और ठेकेदारों को नोटिस देने के निर्देश दिए, वहीं समय सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम प्रफुल्ल रजक, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के कार्यपालन अभियंता रमाशंकर कश्यप, ब्लॉक अधिकारी बी एल खरे, सीईओ जनपद पंचायत बिलाईगढ़ योगेश्वरी बर्मन, विद्युत अधिकारी प्रकाश महानंदा, क्रेडा अधिकारी शिवेंद्र सिंह उपस्थित थे।

कसडोल में खण्ड स्तरीय बैंकर्स मीटिंग में मंथन

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण कुमार)। ब्लॉक स्तरीय बैंकर्स समिति की मासिक बैठक सोमवार को जनपद पंचायत कार्यालय कसडोल के सभाकक्ष में आयोजित की गई।

बैठक में मुख्यत: शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर चर्चा हुई, जिसमें मुख्य रूप से पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के साथ स्व सहायता समूह लिंकेज एवं ऋण वितरण, एनआरएलएम योजना, कृषको को दिए जाने वाले ऋण किसान क्रेडिट कार्ड,डेयरी व्यवसाय, मछली पालन,पीएम स्वानिधि, पीएम विश्वकर्मा, मुद्रा लोन,अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना इत्यादि पर भी चर्चा हुई। अग्रणी जिला प्रबंधक शिव कुमार कंवर ने सभी बैंकों को निर्देशित किये कि शासकीय योजना के पुराने खातें जिसमें लेनदेन नहीं हो रहे हैं ऐसे डीफ खातें केवायसी लेकर संचालन में लाएं अथवा खाता बंद कर राशि अन्य शासकीय योजना के खातों में जिला कोषांलय अधिकारी से जानकारी प्राप्त कर स्थानांतरित करें।

डिज़िटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए वित्तीय साक्षरता पर जोर देते हुए अग्रणी जिला प्रबंधक ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशन में आरोह एनजीओ संस्था जो सीएफएल के माध्यम से विभिन्न स्थानों में वित्तीय साक्षरता के लिए किए जा रहे कार्यों में बैंक मित्र, एफएलसीआरपी, पीआरपी सहयोग प्रदान करें। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक शिवकुमार कंवर, जनपद सीईओ कमलेश साहू, पुष्पेंद्र ध्रुव एडीइओ एवं ब्लॉक के सभी बैंकों के शाखा प्रबंधक और एनआरएलएम बिहान के बैंक सखी,बैंक मित्र, एफएलसीआरपी, पीआरपी उपस्थित रहे।

संत रविदास किसी एक समाज के नहीं, बल्कि पूरे समाज के गुरु हैं : जसविंदर बग्गा

विश्व केसरी

कवर्धा (जगदंबिका साहू)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 29 जुलाई से 20 अगस्त तक जिले में 'समरसता संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। अभियान के तहत 14 मंडलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसकी जानकारी भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता जसविंदर बग्गा ने पत्रकार वार्ता में दी।

उन्होंने बताया कि अभियान का शुभारंभ 29 जुलाई गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कलश यात्रा एवं समरसता कार्यक्रमों के साथ होगा। इसके बाद संत संपर्क अभियान, छात्रावास एवं हॉस्टलों में संपर्क, विद्यालयों में संत रविदास के जीवन पर व्याख्यान,

चित्रकला प्रतियोगिता सहित विभिन्न जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान का उद्देश्य संत रविदास के समता, सामाजिक न्याय, सद्भाव और समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है।

जसविंदर बग्गा ने कहा कि संत रविदास केवल एक समाज के नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज और मानवता के गुरु हैं। उन्होंने अपने जीवन से सामाजिक भेदभाव मिटाने, समाज को जोड़ने और समानता का संदेश दिया। उनका प्रसिद्ध संदेश 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' आज भी समाज को सकारात्मक सोच और आंतरिक पवित्रता की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि संत रविदास ने अपने समय में चर्म व्यवसाय करते हुए समाज में आत्मसम्मान और जागरूकता का संदेश फैलाया तथा लोगों को एकजुट करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि संत रविदास द्वारा प्रतिपादित 'बेगमपुरा' की कल्पना ऐसे समाज की है, जहां किसी प्रकार का दुःख, पीड़ा, भेदभाव या अन्याय न हो। भारतीय जनता पार्टी का मूल मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' भी इसी समरस समाज की भावना को आगे बढ़ाता है। देश में जब-जब विपत्ति आई, तब-तब संतों और महापुरुषों ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। अंग्रेजी शासनकाल में भी सनातन संस्कृति को विभाजित करने के अनेक प्रयास हुए, लेकिन संतों की शिक्षाओं ने समाज को एकसूत्र में बांधे रखा। प्रदेश प्रवक्ता जसविंदर बग्गा बताया कि यह अभियान पूरे देश में व्यापक स्तर पर चलेगा। 29 जुलाई को देशभर के 51 हजार स्थानों पर समरसता दीप महोत्सव आयोजित होगा, जबकि वाराणसी स्थित संत रविदास घाट पर 11 हजार दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे।

महंत कॉलेज में दीक्षा आरंभ कार्यक्रम आज

रायपुर। शहर के प्रतिष्ठित एवं लोकप्रिय महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय में दीक्षा आरंभ कार्यक्रम दिनांक 29 जुलाई 2026 को प्रात: 9:30 से आयोजित है इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रजत बंसल विशेष सचिव मुख्यमंत्री सचिवालय छत्तीसगढ़ शासन होंगे वही कार्यक्रम में अध्यक्षता प्रमोद दुबे पूर्व महापौर एवं निगम सभापति रायपुर करेंगे इस आयोजन में विशेष रूप से प्रबंध समिति के अध्यक्ष अजय तिवारी महासचिव अनिल तिवारी उपाध्यक्ष आरके गुप्ता एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ देवाशीष मुखर्जी की विशेष उपस्थिति रहेगी कार्यक्रम में नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं एवं वरिष्ठ छात्रों को दीक्षा दिलाई जाएगी इसके साथ ही महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र की शुरुआत होगी और वर्षभर निरंतर कार्यशाला सेमिनार संगोष्ठी के माध्यम से छात्र-छात्राओं का ज्ञान मार्गदर्शन किया जाएगा।

धमतरी में सफ़ेमा एवं एनडीपीएस एक्ट के तहत 35.85 लाख से अधिक की चल-अचल संपत्ति फ्रीज

विश्व केसरी

धमतरी (पवन तिवारी)। पुलिस महानिरीक्षक, रायपुर रेंज, रायपुर के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत धमतरी पुलिस ने नशे के कारोबारियों के विरुद्ध बड़ी एवं प्रभावी आर्थिक कार्यवाही की है।

धमतरी पुलिस द्वारा अब कार्यवाही को केवल गिरफ्तारी और न्यायालयीन प्रकरणों तक सीमित न रखते हुए, मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से अर्जित अवैध संपत्तियों को चिन्हांकित कर उन पर भी सीधा आर्थिक प्रहार किया जा रहा है।इसी क्रम में नगर पुलिस अधीक्षक धमतरी एवं थाना प्रभारी सिटी कोतवाली द्वारा विस्तृत जांच, वित्तीय विश्लेषण एवं उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े आरोपियों की संपत्तियों की जानकारी एकत्रित की गई। जांच में बैंक खातों, फिक्स्ड डिपॉजिट, बीमा योजनाओं, वाहनों एवं अचल संपत्तियों में निवेश की जानकारी सामने आई।उक्त संपत्तियों को एनडीपीएसए एक्ट 1985 की धारा 68स्न के तहत फ्रीज करने की कार्यवाही की गई तथा प्रकरणों को सक्षम प्राधिकारी सफेमा/एनडीपीएसए, मुंबई के समक्ष प्रस्तुत किया गया। 'प्रथम' सफेमा प्रकरण - आरती रजक-आरोपी आरती रजक, पत्नी स्व. राम रजक से संबंधित बैंक खातों एवं निवेशित राशि की जांच में कुल 12,93,636.76 रूपये मूल्य की संपत्ति फ्रीज की गई। फ्रीज की गई संपत्तियों में बैंक खातों, फिक्स्ड डिपॉजिट एवं अन्य वित्तीय निवेश शामिल हैं। सक्षम प्राधिकारी द्वारा संबंधित पक्ष को सुनवाई का अवसर प्रदान किया गया। उपलब्ध दस्तावेजों एवं साक्ष्यों के परीक्षण के पश्चात दिनांक 23 जुलाई 2026 को फ्रीजिंग आदेश की पुष्टि की गई। 'द्वितीय' सफेमा प्रकरण-करण सिंह धुरी एवं परिजन आरोपी करण सिंह धुरी, उसकी पत्नी उषा बाई धुरी एवं पुत्री जाइका धुरी से संबंधित बैंक खातों, वाहन एवं अचल संपत्तियों सहित कुल 22,91,479.75 रूपये मूल्य की संपत्ति फ्रीज की गई।

पुलिस ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, नवीन कानूनों और यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

विश्व केसरी

धमतरी (पवन तिवारी)। पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय के निर्देशन में जिलेभर में जनजागरूकता अभियान निरंतर संचालित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस नगरी एवं थाना प्रभारी नगरी के नेतृत्व में सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल, नगरी में साइबर सुरक्षा, नशा मुक्ति, यातायात जागरूकता एवं नवीन आपराधिक कानूनों पर आधारित विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आज के डिजिटल युग में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में प्रत्येक विद्यार्थी को सोशल मीडिया एवं इंटरनेट का सुरक्षित एवं

जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करना चाहिए। विद्यार्थियों को फर्जी कॉल, ओटीपी एवं बैंकिंग धोखाधड़ी, फर्जी लिंक, ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी निवेश योजनाओं तथा साइबर ब्लैकमेल जैसी घटनाओं से बचने के व्यावहारिक उपाय बताए गए। साथ ही किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करने तथा www.cybercrime.gov.in पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई।अधिकारियों ने बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार एवं समाज को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें तथा अपने मित्रों एवं परिवारजनों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही देश का भविष्य है और नशामुक्त युवा ही सशक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं।इसके साथ ही सड़क सुरक्षा को लेकर भी विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, यातायात संकेतों का सम्मान, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करना, नाबालिगों द्वारा वाहन नहीं चलाना तथा शराब या अन्य मादक पदार्थों का सेवन कर वाहन नहीं चलाने के संबंध में विस्तारपूर्वक समझाइश दी गई।

वंदे मातरम् अभियान की तैयारियां तेज करें, एग्रीस्टैक पंजीयन में समितिवार लक्ष्य हर हाल में पूरा करें : कलेक्टर

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वंदे मातरम् अभियान के तीसरे चरण की तैयारियां समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जाएं तथा एग्रीस्टैक के अंतर्गत किसानों के पंजीयन में प्रत्येक समिति को दिए गए लक्ष्य हर हाल में पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने आज आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

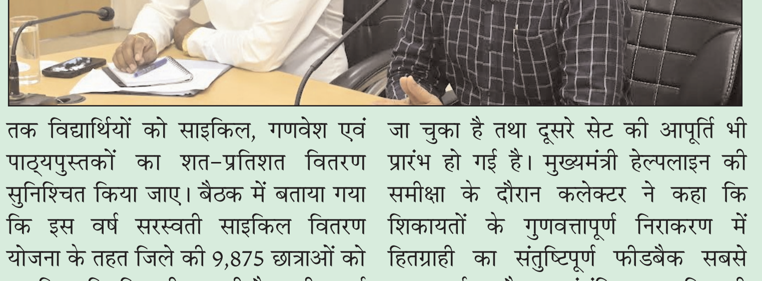

कलेक्टर ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि 30 जुलाई तक विद्यार्थियों को साइकिल, गणवेश एवं पाठ्यपुस्तकों का शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष सरस्वती साइकिल वितरण योजना के तहत जिले की 9,875 छात्राओं को साइकिल वितरित की जा रही है। करीब ढाई सौ छात्राओं को साइकिल तथा करीब 8 प्रतिशत विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकें मिलना शेष है। गणवेश का पहला सेट वितरित किया जा चुका है तथा दूसरे सेट की आपूर्ति भी प्रारंभ हो गई है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण में हितग्राही का संतुष्टिपूर्ण फीडबैक सबसे महत्वपूर्ण है। संबंधित अधिकारी शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद करें, जिससे अधिकांश समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। उन्होंने एग्रीस्टैक में किसानों के पंजीयन की समीक्षा करते हुए बताया कि जिले में अभी लगभग 55 हजार किसानों का पंजीयन शेष है। प्रत्येक समिति को प्रतिदिन कम से कम 10 किसानों का पंजीयन करने का लक्ष्य दिया गया।

इस कार्य की जिम्मेदारी समिति प्रबंधक, पटवारी एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी (आरएईओ) को सौंपी गई तथा संबंधित एसडीएम प्रतिदिन इसकी समीक्षा करेंगे। कलेक्टर ने कहा कि वंदे मातरम् अभियान का तीसरा चरण 7 से 15 अगस्त तक आयोजित होगा। इस दौरान ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक राष्ट्रभक्ति से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी कार्यक्रमों के फोटोग्राफ एवं गतिविधियों की जानकारी अभियान पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करने के निर्देश दिए गए।

रिटायरमेंट के 3 साल बाद भी नहीं मिली ग्रेच्युटी, हाईकोर्ट सख्त—30 दिन में भुगतान का आदेश

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। (अमित मिश्रा) सेवानिवृत्ति के बाद वर्षों तक अपनी ही मेहनत की कमाई के लिए इंतजार कर रहे कर्मचारी को आखिरकार छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने राज्य शासन और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि ग्रेच्युटी की निर्धारित राशि 30 दिनों के भीतर जारी की जाए।

बलौदा बाजार भाटापारा जिले के बलौदा निवासी भागवत प्रसाद पटेल, को ग्रेच्युटी की राशि नहीं मिलने पर हाई कोर्ट अधिवक्ता रूपेश साहू के माध्यम से याचिका प्रस्तुत किया गया था जिसकी सुनवाई न्यायमूर्ति विभु दत्त गुरु जी के एकल पीठ में हुई।

नियंत्रक प्राधिकारी के आदेश के बाद भी नहीं हुआ भुगतान

भगवत प्रसाद पटेल 1 जुलाई 2023 को शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें ग्रेच्युटी का भुगतान नहीं किया गया। मजबूर होकर उन्होंने ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम के तहत सक्षम प्राधिकारी की शरण ली। नियंत्रक प्राधिकारी ने 6 नवंबर 2025 को उनके पक्ष में आदेश पारित कर ग्रेच्युटी राशि के भुगतान का निर्देश दिया। इसके बावजूद राशि जारी नहीं होने पर मामला हाईकोर्ट पहुंचा।

हाईकोर्ट में राज्य ने माना—तकनीकी कारणों से रुका भुगतान

सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से कहा गया कि कुछ तकनीकी कारणों के चलते ग्रेच्युटी राशि का भुगतान नहीं हो सका, लेकिन इसे 30 दिनों के भीतर जारी कर दिया जाएगा। राज्य की इस बात को रिकॉर्ड पर लेते हुए हाईकोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को आदेश दिया कि नियंत्रक प्राधिकारी के 6 नवंबर 2025 के आदेश के अनुसार निर्धारित ग्रेच्युटी राशि, हाईकोर्ट के आदेश की प्रति प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर याचिकाकर्ता को जारी की जाए।

सेंसेक्स 70 अंक लुढ़का; निफ्टी 23,985 पर बंद

विश्व केसरी

मुंबई। वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। घरेलू बाजार में यह गिरावट पिछले दिन की शानदार तेजी के बाद आई। इस दौरान, सेंसेक्स 69.86 अंक यानी 0.09 प्रतिशत गिरकर 76,765.92 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 10.60 अंक यानी 0.04 प्रतिशत गिरकर 23,985.35 पर बंद हुआ। मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट में मिला-जुला रुख देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.08 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जबकि स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.22 प्रतिशत की गिरावट आई।

वहीं, विभिन्न क्षेत्रों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा, जिसमें निफ्टी आईटी 3.2 प्रतिशत की बढ़त के साथ शीर्ष पर रहा, इसके बाद निफ्टी रियल्टी (2 प्रतिशत) और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (1.08 प्रतिशत) का स्थान रहा। निफ्टी ऑटो भी 0.69 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी फार्मा में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

गिरावट की बात करें तो, निफ्टी एनर्जी सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 1.7 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके बाद निफ्टी एफएमसीजी (-1.4 प्रतिशत) और निफ्टी पीएसयू बैंक (-0.9 प्रतिशत) का नंबर रहा। निफ्टी मेटल में 0.6 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी बैंक में 0.58 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी इंफ्रा (-0.5 प्रतिशत), निफ्टी प्राइवेट बैंक (-0.4 प्रतिशत) और निफ्टी मीडिया (-0.34 प्रतिशत) में भी गिरावट देखी गई। निफ्टी 50 में टीसीएस 4.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ शीर्ष लाभ कमाने वाली कंपनी बनकर उभरी, इसके बाद इटरनल (3.94 प्रतिशत), टेक महिंद्रा (3.49 प्रतिशत), नेस्ले इंडिया (3.19 प्रतिशत), सिप्ला (2.67 प्रतिशत), टाइटन (2.49 प्रतिशत) और इंफोसिस (2.39 प्रतिशत) का स्थान रहा। वहीं, पहली तिमाही के नतीजों के बाद हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ, जिसके शेयरों में 7.11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके बाद भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (बीईएल) (-4.46 प्रतिशत), कोल इंडिया (-3.98 प्रतिशत), टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (-2.19 प्रतिशत) और एनटीपीसी (-2.19 प्रतिशत) का स्थान रहा। पिछले सत्र में जोरदार बढ़त के बाद मुनाफावसूली के कारण शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई, क्योंकि मध्य पूर्व संघर्ष को लेकर अनिश्चितताएं बाजार के सेंटिमेंट पर दबाव डाल रही हैं। अमेरिका और ईरान ने हमले रोक दिए हैं, और खबरों के मुताबिक उनके बीच संघर्ष को खत्म करने के लिए कुछ राजनयिक प्रयास चल रहे हैं। इस बीच, कच्चे तेल की कीमतें और गिरकर 85 डॉलर प्रति बैरल हो गईं। ब्रोकरेज फर्म एसबीआई सिक्योरिटीज के अनुसार, निफ्टी के लिए 23890-23910 का जोन एक अहम सपोर्ट का काम करेगा, जबकि रेजिस्टेंस 24140-24160 के जोन में हस्र्हश्ठ्ठद्गञ्। नीचे की तरफ, अगर इंडेक्स 23890 के लेवल से नीचे गिरता है, तो अगला सपोर्ट 23740-23760 के जोन में होगा।

वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में एनटीपीसी का मुनाफा 12 प्रतिशत बढ़ा, अनुमान से बेहतर रहे नतीजे

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सरकारी बिजली कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड (एनटीपीसी) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में विश्लेषकों के अनुमान से बेहतर प्रदर्शन किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी का समेकित शुद्ध लाभ (कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 53.4 अरब रुपए (करीब 5,340 करोड़ रुपए) हो गया। यह आंकड़ा बाजार के औसत अनुमान 48 अरब रुपये (करीब 4,800 करोड़ रुपए) से अधिक रहा।

रिपोर्ट के मुताबिक, देश के सबसे बड़े बिजली उत्पादक को भीषण गर्मी के दौरान बिजली की रिकॉर्ड मांग का फायदा मिला। देश के कई हिस्सों में तापमान बढ़ने से बिजली की खपत में तेज वृद्धि दर्ज की गई, जिससे कंपनी के प्रदर्शन को मजबूती मिली।

अप्रैल-जून तिमाही के दौरान एनटीपीसी की बिजली बिक्री (इलेक्ट्रिसिटी सेल्स वॉल्यूम) में सालाना आधार पर करीब 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसी अवधि में कंपनी का राजस्व (रेवेन्यू) भी लगभग 3 प्रतिशत बढ़ा।

तिमाही के दौरान कंपनी ने 196 मेगावाट नई बिजली उत्पादन क्षमता जोड़ी। हालांकि, सितंबर 2025 में 440 मेगावाट क्षमता वाले कोयला आधारित बिजली संयंत्र को स्थायी रूप से बंद किए जाने के कारण सालाना आधार पर उसकी शुद्ध क्षमता वृद्धि (नेट कैपेसिटी एडिशन) कम रही।

बिजली की बढ़ती मांग का असर कंपनी के कोयला आधारित बिजली संयंत्रों के प्रदर्शन पर भी दिखा। एनटीपीसी के थर्मल पावर प्लांट्स का प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) बढ़कर 76.7 प्रतिशत हो गया, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में यह 75.2 प्रतिशत था।

बिजली मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश भर में कोयला आधारित बिजली संयंत्रों का उपयोग (यूटिलाइजेशन) भी इस तिमाही में करीब 3 प्रतिशत प्वाइंट्स बढ़ा। खासतौर पर शाम के समय, जब सौर ऊर्जा उत्पादन कम हो जाता है, तब बिजली की मांग अधिक रहने से इन संयंत्रों का उपयोग बढ़ा।

फिलहाल एनटीपीसी की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता में कोयला और प्राकृतिक गैस आधारित संयंत्रों की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है, जिसमें संयुक्त उपक्रम (जॉइंट वेंचर) भी शामिल हैं।

इसके साथ ही कंपनी अपनी नवीकरणीय ऊर्जा (रिन्यूएबल एनर्जी) क्षमता का लगातार विस्तार कर रही है। ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने की रणनीति के तहत एनटीपीसी ने परमाणु ऊर्जा

भारत के रिकॉर्ड 863.1 अरब डॉलर के निर्यात में एफटीए की बड़ी भूमिका, नए बाजारों तक बढ़ी पहुंच: सरकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सरकार द्वारा मंगलवार को संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 में 863.1 अरब डॉलर का अब तक का सबसे अधिक निर्यात (एक्सपोर्ट) दर्ज किया। विभिन्न मुक्त व्यापार समझौतों (फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स-एफटीए) ने भारतीय निर्यातकों को वैश्विक बाजारों तक बेहतर पहुंच दिलाने, निर्यात में विविधता बढ़ाने और श्रम-प्रधान क्षेत्रों को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

लोकसभा में लिखित जवाब में वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट 441.8 अरब डॉलर रहा, जबकि सेवा निर्यात बढ़कर 421.3 अरब डॉलर पहुंच गया। उन्होंने कहा कि वस्तु और सेवा निर्यात, दोनों ने मिलकर भारत के निर्यात को नई ऊंचाई तक पहुंचाया है।

मंत्री ने बताया कि सरकार वर्ष 2021 के बाद लागू हुए व्यापार समझौतों के तहत मिलने वाले रियायती शुल्क के उपयोग की लगातार निगरानी करती है। इसके लिए सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन और साझेदार देशों के व्यापार आंकड़ों का विश्लेषण किया जाता है। उन्होंने कहा कि भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) 1 मई 2022 से लागू होने के बाद अब तक 4.45 लाख सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन जारी किए जा चुके हैं, जो यह दर्शाता है कि भारतीय निर्यातकों ने शुल्क रियायतों का बड़े पैमाने पर लाभ उठाया है।

यूएई को निर्यात होने वाली एचएस 8-डिजिट स्तर की टैरिफ लाइनों की संख्या वित्त वर्ष 2021-22 के 7,546 से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 8,053 हो गई। इन टैरिफ लाइनों के तहत 37.3 अरब डॉलर का निर्यात हुआ। यह 507 नई टैरिफ लाइनों (6.7 प्रतिशत) की वृद्धि को दर्शाता है, जिससे यूएई बाजार में भारत की पहुंच और निर्यात विविधता बढ़ी है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते (ईसीटीए) के तहत अब तक 2.73 लाख सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन जारी किए गए हैं। समझौते से पहले वित्त वर्ष 2020-21 में केवल 1,482 सर्टिफिकेट जारी हुए थे, जबकि समझौते के लागू होने के बाद हर साल औसतन 45,527 सर्टिफिकेट जारी किए जा रहे हैं।

वित्त वर्ष 2021-22 में ऑस्ट्रेलिया को 5,396 एचएस 8-डिजिट टैरिफ लाइनों के तहत निर्यात होता था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 5,668 टैरिफ लाइनों तक पहुंच गया, जिनका कुल मूल्य 7.2 अरब डॉलर रहा। यानी 272 नई टैरिफ लाइनों के जरिए भारतीय निर्यातकों को अधिक बाजार उपलब्ध हुआ।

भारत-मॉरीशस व्यापक आर्थिक सहयोग एवं साझेदारी समझौते (सीईसीपीए) के तहत भारतीय निर्यातकों ने 1,956 सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन का लाभ उठाया है। मॉरीशस को निर्यात होने वाली एचएस 8-डिजिट टैरिफ लाइनों की संख्या वित्त वर्ष 2021-22 के 3,593 से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 4,345 हो गई। इन टैरिफ लाइनों के तहत करीब 473 मिलियन डॉलर का निर्यात हुआ। यह 752 नई टैरिफ लाइनों (20.9 प्रतिशत) की वृद्धि को दर्शाता है।

मंत्री ने बताया कि भारत-ओमान व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) के तहत मूल्य के आधार पर भारत के 99.38 प्रतिशत निर्यात को शुल्क मुक्त पहुंच मिली है, जो ओमान की 98.08 प्रतिशत टैरिफ लाइनों को कवर करता है। यह खाड़ी क्षेत्र में भारत के सबसे व्यापक व्यापार समझौतों में से एक है। मंत्री के अनुसार, 1 जून 2026 से लागू इस समझौते के बाद अब तक 783 सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन जारी किए गए हैं।

भारत में जून में टेलीकॉम ग्राहकों की संख्या बढ़कर 1.35 अरब हुई, ब्रॉडबैंड यूजर्स 1.08 अरब के पार : ट्राई

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में जून में कुल टेलीफोन ग्राहकों की संख्या बढ़कर 1.348 अरब हो गई, जो मई में 1.343 अरब थी। यह जानकारी भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा मंगलवार को जारी लेटेस्ट टेलीकॉम सब्सक्रिप्शन आंकड़ों में दी गई। जून के अंत तक देश की कुल टेली-डेंसिटी (प्रति 100 लोगों पर टेलीफोन कनेक्शन) बढ़कर 94.31 प्रतिशत हो गई, जो मई के अंत में 94.02 प्रतिशत थी।शहरी क्षेत्रों में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या 787.71 मिलियन से बढ़कर 792.06 मिलियन हो गई, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 555.39 मिलियन से बढ़कर 556.01 मिलियन पहुंच गई।

ब्रॉडबैंड सेवाओं में भी लगातार वृद्धि दर्ज की गई। ट्राई के अनुसार, जून के अंत तक देश में ब्रॉडबैंड ग्राहकों की कुल संख्या 1.080 अरब से बढ़कर 1.087 अरब हो गई, जो मासिक आधार पर 0.68 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है।

ग्राहकों की संख्या बढ़ाने में वायरलेस सेवाओं की सबसे बड़ी भूमिका रही। मोबाइल और फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) सहित वायरलेस ग्राहकों की कुल संख्या मई के 1.294 अरब से बढ़कर जून में 1.300 अरब हो गई। यह 0.45 प्रतिशत की मासिक वृद्धि है। शहरी वायरलेस ग्राहकों की संख्या बढ़कर 749.39 मिलियन हो गई, जबकि ग्रामीण वायरलेस ग्राहकों की संख्या 550.86 मिलियन पहुंच गई। जून के दौरान वायरलेस टेली-डेंसिटी भी बढ़कर 90.96 प्रतिशत हो गई।

सिर्फ मोबाइल वायरलेस ग्राहकों की संख्या जून के अंत तक 1.277 अरब से बढ़कर 1.282 अरब हो गई, जो 0.42 प्रतिशत की मासिक वृद्धि को दर्शाती है।

वायरलेस मोबाइल सेवा क्षेत्र में निजी टेलीकॉम कंपनियों का दबदबा कायम रहा। कुल वायरलेस मोबाइल ग्राहकों में निजी कंपनियों की हिस्सेदारी 92.73 प्रतिशत रही, जबकि सरकारी कंपनियां बीएसएनएल और एमटीएनएल की संयुक्त बाजार हिस्सेदारी 7.27 प्रतिशत रही।

ट्राई ने बताया कि पीक विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) के आधार पर जून में सक्रिय वायरलेस ग्राहकों की संख्या 1.201 अरब रही, जो सक्रिय मोबाइल उपयोगकर्ताओं के आधार का संकेत देती है। नियामक ने यह भी बताया कि फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) सेवाओं का विस्तार जारी रहा। जून के अंत तक 5जी एफडब्ल्यूए ग्राहकों की संख्या 12.73 मिलियन से बढ़कर 12.94 मिलियन हो गई। इस श्रेणी में ग्रामीण ग्राहकों की संख्या शहरी ग्राहकों से मामूली अधिक रही।

इंस्टामार्ट के सीईओ अमितेश झा ने दिया इस्तीफा, नंदिता सिन्हा होंगी नई प्रमुख

विश्व केसरी

नई दिल्ली। फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स कंपनी स्विगी ने अपने क्विक कॉमर्स कारोबार इंस्टामार्ट में बड़ा नेतृत्व परिवर्तन किया है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अमितेश कुमार झा ने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके स्थान पर मिंत्रा की पूर्व सीईओ नंदिता सिन्हा को इंस्टामार्ट का नया सीईओ नियुक्त किया गया है। वह 3 अगस्त 2026 से अपना कार्यभार संभालेंगी।

कंपनी के अनुसार, अमितेश कुमार झा ने 28 जुलाई को अपना इस्तीफा सौंपा और तत्काल प्रभाव से स्विगी के सीनियर मैनेजमेंट पर्सनेल (एसएमपी) का हिस्सा नहीं रहे। उन्होंने कंपनी छोड़ने का फैसला अन्य पेशेवर अवसरों को आगे बढ़ाने के लिए लिया है।

स्विगी ने अपने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि कंपनी उनके योगदान और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करती है। इंस्टामार्ट के विस्तार के महत्वपूर्ण दौर में उन्होंने अहम भूमिका निभाई।

नंदिता सिन्हा इससे पहले मिंत्रा की सीईओ रह चुकी हैं। उनके पास उपभोक्ता कारोबार से जुड़े क्षेत्रों में दो दशक से अधिक का अनुभव है। उन्होंने मिंत्रा के अलावा फ्लिपकार्ट, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) जैसी बड़ी कंपनियों में भी वरिष्ठ नेतृत्व की जिम्मेदारियां निभाई हैं। फैशन, ई-कॉमर्स और एफएमसीजी सेक्टर में उनका व्यापक अनुभव उन्हें भारत के उपभोक्ता इंटरनेट कारोबार की सबसे अनुभवी अधिकारियों में शामिल करता है।

यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब स्विगी में लिस्टिंग के बाद लगातार कई बड़े नेतृत्व परिवर्तन देखने को मिले हैं।

हाल के महीनों में कंपनी सचिव और अनुपालन अधिकारी एम. श्रीधर, स्वतंत्र निदेशक साहिल बरुआ, नामित निदेशक सुमेर जुनेजा, आनंद डेनियल और रोजर क्लार्क रबलैस, सह-संस्थापक लक्ष्मी नंदन रेड्डी ओबुल के साथ-साथ इंस्टामार्ट के वरिष्ठ अधिकारी अंकित जैन और हरि कुमार भी कंपनी छोड़ चुके हैं।

स्विगी ग्रुप के सीईओ श्रीहर्ष मजेटी ने नंदिता सिन्हा की नियुक्ति पर कहा कि वह भारत की सबसे सफल उपभोक्ता इंटरनेट लीडर्स में से एक हैं। ग्राहकों की जरूरतों की गहरी समझ और संचालन में उनकी विशेषज्ञता इंस्टामार्ट को विकास के अगले चरण तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने अमितेश झा के योगदान की भी सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में इंस्टामार्ट ने महत्वपूर्ण बदलावों का दौर देखा। उन्होंने 'नोइस' जैसी पहलों को आगे बढ़ाया, इंस्टामार्ट की अलग पहचान मजबूत की और कारोबार के योगदान मार्जिन में सुधार लाने में अहम भूमिका निभाई।

भारत की एक्सपोर्ट ग्रोथ का सबसे बड़ा इंजन बना गुजरात, देश के रिकॉर्ड 863 अरब डॉलर के निर्यात में 110 अरब डॉलर का योगदान

विश्व केसरी

अहमदाबाद। गुजरात भारत का एक प्रमुख आर्थिक और औद्योगिक केंद्र ही नहीं है, बल्कि आज देश के एक्सपोर्ट सेक्टर का ग्रोथ इंजन भी बन गया है। दरअसल, भारत ने फाइनेंशियल ईयर 2025-26 में 863 अरब डॉलर का रिकॉर्ड एक्सपोर्ट किया है और इसमें 110 अरब डॉलर की हिस्सेदारी के साथ गुजरात सभी राज्यों में नंबर वन है। इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स, पेट्रोलियम उत्पाद, केमिकल्स, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, जेम्स एंड ज्वेलरी और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे सेक्टर्स ने गुजरात के एक्सपोर्ट को मजबूती प्रदान की है।

बिजनेस जगत से जुड़े लोगों के मुताबिक, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में सरकार द्वारा लागू की गई औद्योगिक, मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट सेक्टर से जुड़ी नीतियों की वजह से निर्यात में गुजरात का योगदान लगातार बढ़ रहा है।

राजकोट इंजीनियरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र पंचानी ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत के साथ गुजरात ने भी एक्सपोर्ट में अग्रणी भूमिका निभाई है, क्योंकि राज्य की अलग-अलग नीतियां, जैसे गुजरात की इंडस्ट्रियल पॉलिसी, पहले नंबर पर रही हैं और हाल ही में जो नई पॉलिसी आई है, वह भारत में आने वाली पहली ऐसी पॉलिसी है।

इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के अनुसार, गुजरात को एक्सपोर्ट सेक्टर में अव्वल बनाने में कम लॉजिस्टिक कॉस्ट और बेहतरीन ट्रांसपोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर की भी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है। देश के अग्रणी और अत्याधुनिक बंदरगाह गुजरात में है, साथ ही राज्य में कई स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एसईजेड) भी स्थापित हैं, जो एक्सपोर्ट ग्रोथ के एक बड़े हब के तौर पर उभरे हैं।

वहीं, सीआईआई के पूर्व अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने आईएएनएस से कहा कि गुजरात अब पारंपरिक सेक्टरों से आगे निकलकर सेमीकंडक्टर और फाइनेंशियल एक्सपोर्ट जैसे न्यू एज सेक्टरों की ओर भी मजबूती से कदम बढ़ा रहा है। राज्य में सेमीकंडक्टर और हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में व्यापक स्तर पर इन्वेस्टमेंट हो रहा है, साथ ही गुजरात ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग व इंडस्ट्री मैप पर भी अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज करा रहा है। इससे आने वाले वर्षों में गुजरात की एक्सपोर्ट कैपेसिटी में और ज्यादा वृद्धि की संभावना है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी), अहमदाबाद के ज्वाइंट डायरेक्टर राहुल सिंह ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि मजबूत पोर्ट सिस्टम, डेवलप्ड इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर, एक्सपोर्ट-ओरिएंटेड नीतियों और ग्लोबल मार्केट के साथ सशक्त कनेक्टिविटी की वजह से गुजरात आज जहां देश का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट करने वाला राज्य बन गया है, वहीं 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत 2047' के विजन को साकार करने में भी अपनी अहम भूमिका निभा रहा है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को बंद करने का दिया आदेश: आरबीआई

विश्व केसरी

मुंबई। दिल्ली हाईकोर्ट ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) को बंद (वाइंडिंग-अप) करने का आदेश दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को बताया कि बैंक का लाइसेंस लगातार नियामकीय उल्लंघनों के कारण पहले ही रद्द किया जा चुका था और अब यह आदेश बैंक को बंद करने की प्रक्रिया का अंतिम चरण है।

आरबीआई ने एक बयान में कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट ने 8 जुलाई और 22 जुलाई 2026 के आदेशों के जरिए बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, 1949 और कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के तहत पेटीएम पेमेंट्स बैंक को बंद करने का निर्देश दिया है।

अदालत ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक गिरिकुमार एम. नायर को पेटीएम पेमेंट्स बैंक का आधिकारिक परिसमापक नियुक्त किया है। आरबीआई ने बताया कि उन्हें बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट और कंपनी अधिनियम के तहत निर्धारित सभी अधिकार दिए गए हैं।

केंद्रीय बैंक के मुताबिक, आधिकारिक परिसमापक 8 जुलाई 2026 से ही बैंक के निदेशक मंडल की सभी शक्तियों का प्रयोग कर रहे हैं और अब बैंक के संचालन एवं परिसमापन से जुड़े सभी निर्णय उनकी देखरेख में लिए जाएंगे।

आरबीआई ने अपने बयान में कहा कि अदालत के आदेश के अनुसार, आधिकारिक परिसमापक बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, 1949 और कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत उपलब्ध सभी अधिकारों का इस्तेमाल करेंगे। इसके साथ ही वह 8 जुलाई 2026 से बैंक के बोर्ड की सभी शक्तियों का भी प्रयोग करेंगे।

यह आदेश आरबीआई द्वारा अप्रैल 2026 में पेटीएम पेमेंट्स बैंक का बैंकिंग लाइसेंस रद्द किए जाने के बाद आया है। उस समय केंद्रीय बैंक ने कहा था कि बैंक लगातार नियामकीय मानकों का पालन करने में विफल रहा और उसका संचालन जमाकर्ताओं के हितों के प्रतिकूल पाया गया।

आरबीआई ने तब यह भी घोषणा की थी कि वह बैंक को बंद करने की कानूनी प्रक्रिया शुरू करने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख करेगा। अब हाईकोर्ट के आदेश के बाद पेटीएम पेमेंट्स बैंक के परिसमापन की प्रक्रिया औपचारिक रूप से आगे बढ़ेगी।

क्यों कुछ लोगों के पास एक भी दोस्त नहीं होता? जानिए इसके पीछे का मनोवैज्ञानिक सच, हर अकेलापन मानसिक बीमारी नहीं

आमतौर पर जिन लोगों के करीबी दोस्त नहीं होते, उन्हें अक्सर घमंडी, असामाजिक या अकेला रहने वाला मान लिया जाता है. लेकिन यह धारणा हमेशा सही नहीं होती. मनोविज्ञान के अनुसार, कई बार ऐसे लोग लोगों से दूर नहीं भाग रहे होते, बल्कि गहरे रिश्ते बनाने में असहज महसूस करते हैं. इसलिए वे बातचीत और मेलजोल को सीमित रखते हैं.

हर किसी की जिंदगी में दोस्तों का होना जरूरी नहीं होता. कुछ लोग जानबूझकर छोटा सोशल सर्कल चुनते हैं, जबकि कुछ परिस्थितियों या स्वभाव की वजह से अकेले रहना पसंद करते हैं. ऐसे लोगों को देखकर अक्सर यह मान लिया जाता है कि वे उदास हैं या किसी मानसिक बीमारी से जूझ रहे हैं, लेकिन मनोविज्ञान इससे अलग तस्वीर दिखाता है. एक्सपर्ट्स के अनुसार, हर अकेलापन डिप्रेशन या मानसिक समस्या की निशानी नहीं होता.

कई बार व्यक्तित्व, पिछले अनुभव, भरोसे की कमी या अपनी पसंद भी इसकी वजह हो सकती है. आइए जानते हैं कि कुछ लोगों के पास एक भी दोस्त क्यों नहीं होता और इसके पीछे मनोवैज्ञानिक सच क्या है.

एक्सपर्ट क्या कहते हैं?

कैलाश दीपक हॉस्पिटल की कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट डॉ. मेघा अग्रवाल के अनुसार, कई लोग समय के साथ इतने आत्मनिर्भर बन जाते हैं कि उन्हें अपनी भावनाएं दूसरों के साथ साझा करना मुश्किल लगने लगता है. वे हर समस्या खुद ही सुलझाना पसंद करते हैं और भावनात्मक सहारे की जरूरत महसूस नहीं करना चाहते. धीरे-धीरे यह उनकी आदत और एक तरह का सुरक्षा कवच बन जाता है.

वहीं कैलाश हॉस्पिटल, देहरादून के कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट डॉ. गौरव अग्रवाल बताते हैं कि कुछ मानसिक स्वास्थ्य स्थितियां भी इसमें भूमिका निभा सकती हैं. उदाहरण के लिए, डिप्रेशन होने पर व्यक्ति का लोगों से मिलने-जुलने का मन नहीं करता, जबकि सोशल एंग्जायटी डिसऑर्डर में दूसरों के सामने जज किए जाने का डर इतना बढ़ जाता है कि व्यक्ति सामाजिक परिस्थितियों से बचने लगता है.

बचपन के अनुभव भी डालते हैं असर

डॉक्टर के अनुसार, बचपन में बने रिश्तों का तरीका भी आगे चलकर दोस्ती पर असर डालता है. कुछ लोगों को किसी के बहुत करीब आना असहज लगता है, इसलिए वे दूरी बनाए रखते हैं. वहीं कुछ लोग दोस्त बनाना तो चाहते हैं, लेकिन बार-बार रिजेक्शन का डर उन्हें रिश्ते निभाने से रोक देता है।

टिश्यू पेपर से मिनटों में बनाएं DIY शीट मास्क, 5 रुपये में मिलेगा इंस्टेंट कोरियन ग्लास ग्लो, सिंपल है तरीका

आजकल स्किनकेयर की दुनिया में 'कोरियन ग्लास ग्लो' (Korean Glass Glow) का जबरदस्त क्रेज है. बेदाग, चमकदार और शीशे जैसी चमकती त्वचा पाने के लिए लोग महंगे-महंगे कोरियन ब्यूटी प्रोडक्ट्स और शीट मास्क पर हजारों रुपये खर्च कर देते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि यही जादुई निखार आप घर पर सिर्फ 5 रुपये में पा सकते हैं? जी हां, चौंकिए मत! आपके घर में मौजूद साधारण टिश्यू पेपर (Tissue Paper) और रसोई की कुछ प्राकृतिक चीजों से आप मिनटों में एक असरदार छ्वद्धड्ड शीट मास्क तैयार कर सकते हैं. यह न केवल पॉकेट-फ्रेंडली है, बल्कि कैमिकल फ्री भी है, जो आपको तुरंत फ्रेश और ग्लोइंग लुक देता है.

शीट मास्क को बनाने के लिए आवश्यक सामग्री:

सादा टिश्यू पेपर या पेपर नेपकिन (साफ, मुलायम और बिना किसी खुशबू या प्रिंट वाला) - 1 पीस (फेस मास्क बनाने के लिए)

चावल का पानी (Rice Water) (ग्लास ग्लो के लिए मुख्य सामग्री) - 2-3 चम्मच

एलोवेरा जेल (ॄloe Vera Gel) (बाजार वाला या फ्रेश) - 1 चम्मच

शहद (॥one4) (ऑप्शनल, अगर स्किन बहुत रूखी हो) - आधी छोटी चम्मच

एक छोटी कटोरी (मिश्रण बनाने के लिए)

कैंची (टिश्यू में आंख, नाक और मुंह के लिए छेद करने के लिए)

DIY टिश्यू पेपर शीट मास्क बनाने की विधि-

घर पर शीट मास्क बनाने के लिए आपको सबसे पहले एक अच्छी क्वालिटी का, सादा और मुलायम टिश्यू पेपर या पेपर नेपकिन चाहिए. ध्यान रहे कि टिश्यू पेपर पर कोई डिजाइन या खुशबू न हो.

स्टेप 1: मास्क का आकार तैयार करना: टिश्यू पेपर को अपने चेहरे पर रखें और हल्के हाथों से दबाकर अपनी आंखों, नाक और मुंह की जगह को मार्क कर लें. अब कैंची की मदद से उन चिन्हित जगहों पर छेद कर लें ताकि आप मास्क लगाकर आसानी से सांस ले सकें और देख सकें. आपका सूखा शीट मास्क तैयार है.

स्टेप 2: मैजिकल सीरम (Liquid) तैयार करें: यही वह हिस्सा है जो आपको कोरियन ग्लास ग्लो देगा. ग्लास ग्लो के लिए सबसे लोकप्रिय और कारगर घरेलू नुस्खा है 'चावल का पानी' (Rice Water). एक कटोरी में 2-3 चम्मच चावल का पानी (चावल को भिगोकर या उबालकर निकाला गया ठंडा पानी) लें।

मानसून में त्वचा की खुजली से हैं परेशान? जानिए स्किन एलर्जी के मुख्य कारण और बचाव के तरीके

मानसून में बढ़ती नमी और पसीने के कारण त्वचा में खुजली, रेडनेस और फंगल इंफेक्शन की समस्या आम हो जाती है. जानिए बारिश के मौसम में स्किन एलर्जी के मुख्य कारण, खुजली से तुरंत राहत पाने के आसान घरेलू उपाय और किस स्थिति में डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है.

मानसून की बारिश जहां एक तरफ भीषण गर्मी से राहत दिलाती है, वहीं दूसरी तरफ अपने साथ हवा में नमी और चिपचिपापन लेकर आती है. इस मौसम में वातावरण में बढ़ा हुआ ह्यूमिडिटी का स्तर हमारी त्वचा पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (NI॥) और इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट्स (IADV) की रिपोर्टों के अनुसार, बरसात के दिनों में स्किन इंफेक्शन और खुजली (Itching) के मामलों में 30% से 40% तक की बढ़ोतरी देखी जाती है. अगर आप भी इस मौसम में लगातार त्वचा की रेडनेस, रैशेज या खुजली से परेशान हैं, तो इसके पीछे के कारणों को समझना और सही देखभाल करना बेहद जरूरी है.

बरसात में त्वचा पर खुजली होने के कई मुख्य कारण:

1.फंगल और बैक्टीरियल इंफेक्शन: हवा में नमी के कारण पसीना जल्दी नहीं सूखता. डर्मेटोलॉजिस्ट्स के मुताबिक, त्वचा की मोड़ों (जैसे जांघों, बगल और उंगलियों के बीच) में नमी जमा होने से 'टिनिया' (दाद) और 'कैंडिडिआसिस' जैसे फंगल इंफेक्शन तेजी से पनपते हैं.

2.घमौरियां और ब्लॉक पोर्स: पसीना और गंदगी जमने से त्वचा के छिद्र (Pores) बंद हो जाते हैं, जिससे घमौरियां (Heat Rash) और दाने निकलने लगते हैं जो तेज खुजली का कारण बनते हैं.

3.दूषित पानी और एक्जिमा: बारिश के गंदे पानी के संपर्क में आने से त्वचा में एलर्जी और एक्जिमा (Eczema) का खतरा बढ़ जाता है.

4.कीड़े-मकोड़ों का काटना: मानसून में छोटे कीड़े-मकोड़े बढ़ जाते हैं, जिनके काटने से त्वचा पर सूजन और खुजली की समस्या होती है.

इसे भी पढ़ें: सुबह तेल लगाएं या शाम को? हेयर ऑयलिंग के लिए क?या है बेस?ट टाइम, जानें लंबे-घने बालों का सीक्रेट

खुजली से आराम कैसे पाएं?

1.त्वचा को सूखा और साफ रखें: बारिश में भीगने के तुरंत बाद साफ पानी से नहाएं और शरीर को अच्छी तरह सुखाएं.

ढीले और सूती (Cotton) कपड़े ही पहनें.

2.एंटी-फंगल पाउडर का इस्तेमाल: शरीर के उन हिस्सों पर एंटी-फंगल पाउडर लगाएं जहां पसीना ज्यादा आता है.

Banana Kofta Recipe : बारिश में बिना ज्यादा तामझाम के ऐसे बनाएं कच्चे केले के कोफ्ते, स्वाद ऐसा कि खाने वाले चाटते रह जाएंगे उंगलियां

बारिश का मौसम आते ही गरमा-गरम और स्वादिष्ट खाना खाने का मन करता है. अगर आप रोज़ाना बनने वाली दाल-सब्ज़ी से कुछ अलग बनाना चाहते हैं, तो कच्चे केले के कोफ़्ते एक बेहतरीन विकल्प हैं। बाहर से कुरकुरे और अंदर से नरम, ये कोफ़्ते मसालेदार ग्रेवी के साथ बहुत स्वादिष्ट लगते हैं. सबसे अच्छी बात यह है कि इन्हें बनाने में न तो ज़्यादा सामग्री लगती है और न ही ज़्यादा मेहनत. आइए जानते हैं इसकी आसान रेसिपी...

कोफ्ते बनाने के लिए सामग्री

3-4 कच्चे केले, 2 उबले आलू, 2-3 हरी मिर्च, 1 छोटा चम्मच अदरक का पेस्ट, 2 बड़े चम्मच कॉर्नफ्लोर या बेसन, ड्ट छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, ड्ट छोटा चम्मच धनिया पाउडर, द छोटा चम्मच गरम मसाला, स्वादानुसार नमक, तलने के लिए तेल, ग्रेवी के लिए प्याज़, 2 टमाटर, 8-10 काजू, 1 छोटा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, ड्ट छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 1 छोटा चम्मच धनिया पाउडर, ड्ट छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, ड्ट छोटा चम्मच गरम मसाला, 2 बड़े चम्मच फ्रेश क्रीम, सजाने के लिए ताज़ा हरा धनिया।

बनाने की विधि

सबसे पहले, कच्चे केलों को प्रेशर कुकर में 2-3 सीटी आने तक पका लें.ठंडा होने पर, उनके छिलके उतारकर अच्छी तरह मैश कर लें. इसमें आलू, हरी मिर्च, अदरक, मसाले, नमक और कॉर्नफ्लोर या बेसन मिलाकर एक नरम मिश्रण तैयार करें. इस मिश्रण से छोटे-छोटे गोल कोफ़्ते बनाएं और मध्यम आंच पर सुनहरा भूरा होने तक डीप-फ्राई करें; या फिर, आप इन्हें बहुत कम तेल का इस्तेमाल करके एयर फ्रायर या ओवन में भी पका सकते हैं. इसके बाद, ग्रेवी के लिए प्याज़, टमाटर और काजू का पेस्ट तैयार करें. एक पैन में थोड़ा तेल गरम करें और अदरक-लहसुन का पेस्ट भूनें. फिर, प्याज़-टमाटर के पेस्ट को मसालों के साथ पकाएं. जब मसाला तेल छोड़ने लगे, तो थोड़ा पानी डालें और 5-7 मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें. आखिर में, गरम मसाला और क्रीम मिलाएं. परोसने से ठीक पहले तैयार कोफ़्तों को ग्रेवी में डालें ताकि वे टूटें नहीं.

सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म-ज्योतिष से जुड़ी है कोई निजी उलझन तो हमें करें छ्वद्धड्डह्लह्वश्चश्च, आपका नाम गोपनीय रखकर देंगे जानकारी.

इस खबर में दी गई जानकारी और सलाह विशेषज्ञों से हुई बातचीत पर आधारित है. ये सामान्य जानकारी है, व्यक्तिगत सलाह नहीं. इसलिए किसी भी सलाह को अपनाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें. किसी भी नुकसान के लिए न्यूज-18 जिम्मेदार नहीं रहेगा.

बारिश में ड्राइविंग के शौकीनों के लिए परफेक्ट हैं भारत की ये 6 खूबसूरत रोड ट्रिप्स, मजा हो जाएगा दोगुना!

अगर आपको गाड़ी चलाना पसंद है, तो बारिश का मौसम भारत की खूबसूरती को करीब से देखने का शानदार मौका देता है. ये 6 रोड ट्रिप रोमांच, खूबसूरत नज़ारों और यादगार अनुभवों का बेहतरीन मेल हैं. सही तैयारी और सुरक्षित ड्राइविंग के साथ, आपकी मानसून रोड ट्रिप ज़िंदगी भर के लिए एक खूबसूरत याद बन सकती है.

बारिश के मौसम में पहाड़, जंगल, झरने और हरी-भरी घाटियां किसी जादुई दुनिया जैसी लगने लगती हैं. अगर आपको गाड़ी चलाना पसंद है, तो यह मौसम रोड ट्रिप के लिए सबसे अच्छा माना जाता है. बारिश के बीच घुमावदार रास्ते और बादलों से घिरे नज़ारे इस सफ़र को वाकई यादगार बना देते हैं. हालांकि, बारिश में यात्रा करते समय मौसम और सड़क की हालत पहले से ज़रूर देख लें. आइए जानते हैं भारत की 6 खूबसूरत रोड ट्रिप्स के बारे में, जो बारिश के मौसम में और भी शानदार लगती हैं.

1. मुंबई से लोनावला (महाराष्ट्र)

बारिश के मौसम में मुंबई से लोनावला तक की ड्राइव सबसे लोकप्रिय रोड ट्रिप में से एक मानी जाती है. रास्ते में हरे-भरे पहाड़, झरने और घाटियां आपका मन मोह लेंगी. टाइगर पॉइंट और भुशी डैम इस यात्रा के मुख्य आकर्षण हैं.

2. बेंगलुरु से कूर्ग (कर्नाटक)

लगभग 250 किलोमीटर लंबे इस रास्ते में फूलों के बगीचे, घने जंगल और खूबसूरत पथरीले इलाके पड़ते हैं. बारिश के मौसम में कूर्ग की प्राकृतिक सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है.

सिर्फ घूमने के लिए नहीं! दुनिया में इन 5 अजीबोगरीब वजहों से लोग करते हैं यात्रा!

आज, यात्रा का मतलब सिर्फ़ नई जगहों पर घूमना नहीं है, बल्कि अनोखे सफ़र का असल अनुभव लेना है. चाहे कुदरती नज़ारे हों, स्वादिष्ट खाना हो, रंग-बिरंगे त्योहार हों या दुर्लभ वन्यजीव - हर यात्रा अपने साथ नई यादें और सीख लेकर आती है. अगर आप अपनी अगली यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो कोई ऐसी अनोखी वजह चुनें जो इस अनुभव को यादगार बना दे.

nusual Travel Reasons : यात्रा का नाम सुनते ही मन में खूबसूरत पहाड़, समुद्र तट, ऐतिहासिक स्मारक और मशहूर पर्यटन स्थल घूमने लगते हैं. हालांकि, दुनिया भर में ऐसे लाखों लोग हैं जो सिर्फ़ घूमने-फिरने के लिए नहीं, बल्कि अनोखे अनुभव पाने के लिए हज़ारों किलोमीटर की यात्रा करते हैं. जहां कुछ लोगों को कुदरती नज़ारे देखने का शौक होता है, वहीं कुछ लोग सिर्फ़ किसी खास तरह का खाना चखने या किसी अनोखे त्योहार में शामिल होने के लिए दूसरे देशों की यात्रा करते हैं. आइए जानते हैं ऐसी ही 5 अनोखी वजहों के बारे में जो लोगों को दुनिया घूमने के लिए प्रेरित करती हैं...

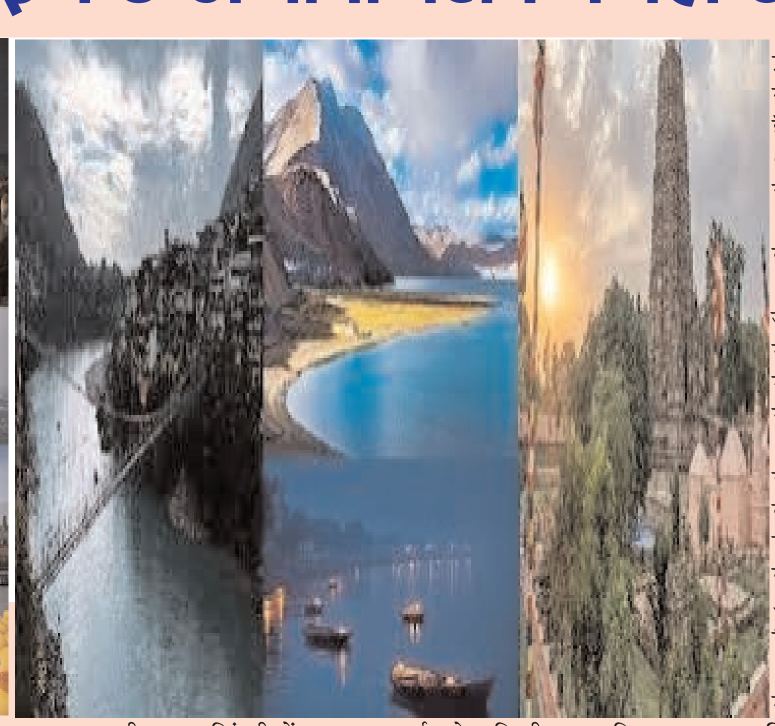

1. नॉर्दर्न लाइट्स (Northern Lights) देखने के लिए

दुनिया भर के कई यात्री नॉर्वे, आइसलैंड, फ़िनलैंड और कनाडा जैसे देशों की यात्रा सिर्फ़ 'ऑरोरा बोरियालिस' (नॉर्दर्न लाइट्स) देखने के लिए करते हैं. रात के आसमान में चमकती हरी, बैंगनी और नीली रोशनी का यह कुदरती नज़ारा ज़िंदगी में एक बार मिलने वाले अनुभव जैसा माना जाता है.

2. खास तरह के खाने का स्वाद लेने के लिए

कई लोग किसी खास डिश का मज़ा लेने के लिए लंबी यात्राएं करते हैं. हर साल, लाखों खाने के शौकीन जापानी सुशी, इटली का नियोपोलिटन पिज़्ज़ा, टर्किश बकलावा या थाई स्ट्रीट फ़ूड जैसे लज़ीज़ व्यंजनों का स्वाद लेने के लिए विदेश जाते हैं. इसे अब 'फ़ूड टूरिज़्म' (खाने से जुड़ा पर्यटन) कहा जाता है.

3. दुर्लभ कुदरती नज़ारे देखने के लिए

लोग पूर्ण सूर्य ग्रहण, ज्वालामुखी के फटने का सुरक्षित नज़ारा, रेगिस्तान में खिलने वाले फूल या समुद्र में बायोलुमिनिसेंट (चमकने वाले) प्लैंकटन जैसी कुदरती घटनाओं को देखने के लिए महीनों पहले यात्रा की योजना बनाते हैं। ऐसे दुर्लभ नज़ारे अक्सर बहुत कम समय के लिए ही दिखाई देते हैं।

4. अनोखे त्योहारों में शामिल होने के लिए

दुनिया भर में कई ऐसे त्योहार हैं जो सचमुच अनोखे हैं. दुनिया भर से पर्यटक स्पेन के 'ला टोमैटिना', ब्राज़ील के 'रियो कार्निवल', जापान के 'स्नो फ़ेस्टिवल' और भारत की 'होली' जैसे आयोजनों में शामिल होने के लिए यात्रा करते हैं. इन त्योहारों का अनुभव यात्रियों के लिए यादगार यादें बनाता है.

5. खास तरह के वन्यजीवों या प्रकृति को करीब से देखने के लिए

कुछ यात्री खास तौर पर वन्यजीवों को उनके प्राकृतिक आवास में देखने के लिए यात्रा करते हैं. लोग अफ्रीका में सफ़ारी का अनुभव करने, ऑस्ट्रेलिया में कंगारू देखने, अंटार्कटिका में पेंगुइन देखने या मैक्सिको में व्हेल शार्क से रूबरू होने के लिए हज़ारों किलोमीटर की यात्रा करते हैं. ये अनुभव प्रकृति से जुड़ने का एक अनोखा मौका देते हैं.

सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म-ज्योतिष से जुड़ी है कोई निजी उलझन तो हमें करें WhatsApp, आपका नाम गोपनीय रखकर देंगे जानकारी.

रेखा को मिलेगा आईएफएफएम में खास सम्मान, उमराव जान की होगी स्पेशल स्क्रीनिंग

मुंबई। मशहूर अभिनेत्री रेखा को 'भारतीय फिल्म ऑफ मेलबर्न 2026' में भारतीय सिनेमा में उनके अद्वितीय योगदान के लिए सम्मानित करने के लिए आमंत्रित किया गया है। साथ ही, उनकी क्लासिक फिल्म 'उमराव जान' को भी प्रदर्शित किया जाएगा। यह फिल्म महान गायिका आशा भोसले को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रदर्शित की जाएगी। अभिनेत्री का कहना है कि फिल्म में उनके द्वारा निभाया गया किरदार उनकी यादों और चुप्पी में जिंदा है। रेखा ने कहा, 'उमराव जान ने मुझे कभी नहीं छोड़ा। वह मेरी यादों, खामोशियों और उन लोगों के दिलों में जिंदा है, जिन्होंने इतने सालों में उन्हें बहुत प्यार और अपनापन दिया। उस सफर को फिर से देखना और फिल्म को ग्लोबल मंच पर सेलिब्रेट करते देखना, विनम्र और दिल छूने वाला है। अभिनेत्री ने आगे कहा, 'सिनेमा मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा आशीर्वाद है और 'आईएफएफएम 2026' में 'एक्सीलेंस इन सिनेमा अवॉर्ड' से सम्मानित होना खास है। मैं इस सम्मान को तहे दिल से स्वीकार करती हूं, ने सिर्फ अपनी यात्रा के पहचान के तौर पर, बल्कि उन फिल्ममेकर्स, लेखकों, म्यूजिशियंस और अनगिनत सहयोगियों को श्रद्धांजलि देने के तौर पर भी, जिन्होंने मेरी जिंदगी को बेहतर बनाया और मेरे काम को आकार दिया। फेस्टिवल की खास इंडिपेंडेंस डे परंपरा के तहत, रेखा 15 अगस्त को मेलबर्न में इंडियन नेशनल फ्लैग फहराएंगी। यह भारत के 79वें इंडिपेंडेंस डे के मौके पर होगा। इस मौके पर उनके साथ इंडियन डायस्पोरा के सदस्य, ऑस्ट्रेलियाई जाने-माने लोग, फिल्ममेकर, कलाकार और सिनेमा लवर भी होंगे।फेस्टिवल के सालाना फ्लैग-होस्टिंग सेरेमनी को पहले भी इंडियन सिनेमा की कुछ सबसे मशहूर हस्तियों ने लीड किया है, जिनमें स्वर्गीय ऋषि कपूर, आमिर खान, शबाना आजमी, अनिल कपूर, रानी मुखर्जी, ऐश्वर्या राय बच्चन, अभिषेक बच्चन, रामचरण और फिल्ममेकर करण जौहर शामिल हैं।

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न की फाउंडर और फेस्टिवल डायरेक्टर मीतू भौमिक लांगे ने कहा, 'रेखा जी एक ऐसी ही टाइमलेस आइकॉन हैं, जिनके काम, ग्रेस और दशकों में बनाई गई बेमिसाल विरासत ने न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर के दर्शकों को प्रेरित किया है। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ़ मेलबर्न के लिए इस साल उन्हें हमारे गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में स्वागत करना बहुत बड़ा सौभाग्य है। उन्होंने आगे कहा, 'भारतीय सिनेमा में उनका योगदान बहुत बड़ा है और उनका प्रभाव हर पीढ़ी के एक्टर, फिल्ममेकर और दर्शकों को प्रेरित करता रहता है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नीतू कपूर ने दिखाई बहादुरी, दीपक दत्ता ने सुनाया साहस का किस्सा

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता दीपक दत्ता ने अभिनेत्री नीतू सिंह के साथ फिल्म दादी की शादी में साथ काम किया। अभिनेता ने आईएएनएस के साथ हालिया बातचीत में बताया कि अभिनेत्री ने ऑपरेश सिंदूर के दौरान आए मुश्किल हालातों में निजी सुरक्षा से ज्यादा पूरी टीम की सुरक्षा को महत्व दिया।

उन्होंने अभिनेत्री की तारीफ करते हुए कहा कि नीतू कपूर बेहतरीन अभिनेत्री होने के साथ-साथ मजबूत लीडर भी हैं। शूटिंग के दौरान एक बड़े संकट में नीतू कपूर का असली व्यक्तित्व सामने आया। दीपक ने बताया, 'जब हम शिमला में शूटिंग कर रहे थे, तो उसी दौरान सीमा पर तनाव बढ़ गया था और ऑपरेशन सिंदूर शुरू हो गया था। पंजाब के कई इलाकों में पाकिस्तान के ड्रोन हमलों की खबरें सामने आने लगीं थीं और चंड़ीगढ़ एयरपोर्ट अचानक बंद कर दिया गया था। यह बहुत तनावपूर्ण समय था, जब पूरी टीम घबरा गई थी और मुंबई में मौजूद परिवार भी काफी चिंतित थे। हम शूटिंग पूरी तरह रोकने और वापस जाने के बारे में सोचने लगे थे।

उन्होंने बताया, 'टीम ने आपात स्थिति में बाहर निकलने की योजना बनानी शुरू कर दी थी। फैसला किया गया कि सड़क के रास्ते दिल्ली जाएंगे क्योंकि दिल्ली एयरपोर्ट चालू था और वहां से मुंबई के लिए फ्लाइट ली जा सकती थी।

दीपक ने बताया कि रणबीर कपूर ने अपनी मां नीतू कपूर को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए प्राइवेट जेट की व्यवस्था तक की थी लेकिन अभिनेत्री ने इस प्रस्ताव से साफ इनकार कर कहा था कि वह तभी जाएंगी, जब पूरी टीम को एक साथ सुरक्षित बाहर निकाला जाएगा। दीपक ने कहा, 'इसी बीच मुंबई से रणबीर कपूर ने नीतू जी को फोन किया। उन्होंने कहा कि वह उनके लिए प्राइवेट जेट की व्यवस्था कर देंगे, ताकि वह तुरंत सुरक्षित वहां से निकल सकें लेकिन नीतू जी ने तुरंत मना करते हुए कहा, 'मैं अकेले नहीं जाऊंगी, सभी लोग मेरे साथ जाएंगे। जब सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जाएगा, तभी मैं जाऊंगी। इसके अलावा, हम यहां पहाड़ों में सुरक्षित हैं, शायद मुंबई से भी ज्यादा सुरक्षित। इसलिए शूटिंग जारी रखते हैं।

मेरा बेटा फुटबॉलर बनना चाहता है, तुषार कपूर ने बेटे के करियर को लेकर किया खुलासा

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता तुषार कपूर ने फ़िल्मी दुनिया में अपने 25 साल पूरे कर लिए हैं। इस लंबे सफर में उन्होंने सफलता भी देखी और असफलता भी, लेकिन जब बात उनके बेटे लक्ष्य कपूर के भविष्य की आती है, तो उनका साफ कहना है कि वह अपना कोई भी फैसला उस पर थोपना नहीं चाहते।

तुषार ने कहा कि हर इंसान को वही काम चुनना चाहिए, जिसे करने का उसके अंदर सच्चा जुनून हो। उन्होंने बताया कि उनका बेटा फिल्मों में नहीं, बल्कि फुटबॉल में अपना करियर बनाना चाहता है और वह उसकी इस पसंद का पूरा सम्मान करते हैं। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू के दौरान तुषार कपूर ने अपने बेटे लक्ष्य कपूर के करियर को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ' 'लक्ष्य की दिलचस्पी इस समय फुटबॉल में है और उसका सपना फुटबॉलर बनने का है। मैं चाहता हूं कि मेरा बेटा उसी फील्ड में आगे बढ़े, जहां उसकी दिलचस्पी है। भारत में फुटबॉल में करियर बनाना आसान नहीं है, लेकिन अगर लक्ष्य पूरी मेहनत और लगन से आगे बढ़ेगा तो मैं उसका पूरा साथ दूंगा।''

तुषार ने कहा, ' 'अगर लक्ष्य भविष्य में अभिनेता बनने का फैसला भी करता है तो उसे पहले पूरी तरह यह समझना होगा कि यह आसान पेशा नहीं है। अभिनय में आने के लिए सिर्फ नाम या पहचान काफी नहीं होती, बल्कि इसके लिए जुनून, मेहनत और हर मुश्किल का सामना करने का हौसला भी होना चाहिए। अगर कोई इन चुनौतियों के लिए तैयार नहीं है तो उसे इस प्रोफेशन में कदम नहीं रखना चाहिए।''

14 साल की उम्र में देखी 'देवदास' और बदल गई जिंदगी, जानें स्वीडन की एली अवराम कैसे बनीं बॉलीवुड की हीरोइन

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री एली अवराम आज इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री हैं लेकिन एक समय ऐसा भी था जब वह भारत से हजारों किलोमीटर दूर स्वीडन में बैठकर हिंदी फिल्मों को देखकर इस दुनिया का हिस्सा बनने का सपना देखा करती थीं। जिस उम्र में ज्यादातर बच्चे अपने भविष्य के बारे में सोच भी नहीं पाते, उसी उम्र में एली ने एक फिल्म देखकर तय कर लिया था कि उन्हें एक्ट्रेस बनना है।

एली अवराम का जन्म 29 जुलाई 1990 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुआ था। उनका पूरा नाम एलिसाबेट अवरामिदू ग्रानलुंड है। एली को बचपन से ही डांस, गाने और अभिनय में काफी रुचि थी। उनका भारत और बॉलीवुड से रिश्ता बचपन में ही शुरू हो गया था। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब वह करीब 14 साल की थीं, तब उन्होंने संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' देखी थी। लगभग चार घंटे लंबी इस फिल्म ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि वह स्क्रीन से नजरें नहीं हटा पाईं। फिल्म के शानदार सेट, भारतीय कपड़े, संगीत और कलाकारों की अदाकारी ने उनके मन में बॉलीवुड के लिए एक खास जगह बना दी। उस समय उन्हें हिंदी भाषा भी नहीं आती थी, लेकिन उन्होंने तय कर लिया था कि एक दिन वह हिंदी फिल्मों में काम करेंगी। अपने इस सपने को पूरा करने के लिए एली ने कम उम्र से ही मेहनत शुरू कर दी थी। 17 साल की उम्र में वह स्टॉकहोम के 'परदेसी डांस ग्रुप' से जुड़ीं और बॉलीवुड गानों पर डांस परफॉर्म करने लगीं। उन्होंने स्वीडन में कुछ एक्टिंग प्रोजेक्ट्स में भी काम किया। साल 2008 में आई स्वीडिश फिल्म 'फॉर्बिडन फ्रूट' में उन्होंने अभिनय किया था। साल 2012 में एली अपने बॉलीवुड सपने को पूरा करने के लिए भारत आ गईं। वह टूरिस्ट वीजा पर मुंबई पहुंची थीं लेकिन उनका मकसद घूमना नहीं बल्कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाना था। शुरुआत आसान नहीं थी। एक नई भाषा, नया देश और फिल्म इंडस्ट्री की प्रतिस्पर्धा के बीच एली ने खुद को तैयार किया। उन्होंने हिंदी बोलना सीखा, डांस की ट्रेनिंग ली और लगातार ऑडिशन देने लगीं। एली को पहला बड़ा मौका फिल्म 'मिकी वायरस' से मिला।

'मुबारकां', 'ओमकारा' और 'रॉकी और रानी...' की सालगिरह, मेकर्स ने फैंस को कहा शुक्रिया

विश्व केसरी

मुंबई । हिंदी सिनेमा में मंगलवार के दिन तीन फिल्में अलग-अलग सालों में रिलीज हुई थीं। इनमें कुछ फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल की, तो कुछ भले ही कमाई के मामले में पीछे रहीं, लेकिन अपनी कहानी और किरदारों की बदौलत आज भी दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाए हुए हैं।

निर्देशक अनीस बाजमी की फिल्म 'मुबारकां', 'रॉकी की रानी प्रेम कहानी' और 'ओमकारा' 28 जुलाई के दिन रिलीज हुई थीं। 'मुबारकां' के 9 साल पूरे हो गए। अनीस बाजमी ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, ' 'मुबारकां' के 9 साल पूरे हो गए। बस आप सभी का प्यार, खूबसूरत यादों और हर चीज के लिए दिल से धन्यवाद कहना चाहता हूं। इस सफर को इतना खास और यादगार बनाने के लिए आप सभी का तहे दिल से शुक्रिया। अभिनेता अजय देवगन की फिल्म ओमकारां ने अपनी रिलीज के 20 साल पूरे किए हैं। इस मौके पर फिल्म मेकर्स ने फिल्म का क्लिप शेयर करते हुए लिखा, 'ताकत, स्वाभिमान और विश्वासघात की एक ऐसी दुनिया, जो आज भी उतनी ही दमदार और प्रभावशाली लगती है। आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की फिल्म 'रॉकी की रानी प्रेम कहानी' ने अपनी रिलीज के 3 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर करण जौहर समेत धर्मा प्रोडक्शन ने फिल्म से जुड़े क्लिप इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, 'अगर प्यार है, तो सब कुछ है और आपका प्यार 3 साल बाद भी इस कहानी को जिंदा रखे हुए है। इसी प्यार ने इस फिल्म को प्यार, परिवार, अपनापन, जुदाई और खुशहाल अंत के खूबसूरत सफर में बदल दिया है। इसे इतना प्यार देने और अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद। रॉकी और रानी की तरफ से बस इतना कहना है, जब आप इस प्रेम कहानी का हिस्सा बन गए, तभी यह कहानी सच में पूरी हो गई।

यादों में वसुंधरा ताई: छोटी उम्र की चाह... आगे चलकर बनीं हिंदुस्तानी संगीत की पहचान

मुंबई। भारतीय शास्त्रीय संगीत की दुनिया में कुछ नाम ऐसे होते हैं, जो सिर्फ अपनी कला से नहीं बल्कि अपनी साधना और समर्पण से भी याद किए जाते हैं। वसुंधरा कोमकली जिन्हें प्यार से वसुंधरा ताई कहा जाता था, ऐसा ही एक नाम है। उनकी आवाज में मिठास थी, गायकी में गहराई थी और संगीत के प्रति ऐसा समर्पण था, जिसने उन्हें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की दुनिया में एक अलग पहचान दिलाई।

23 मई 1931 को झारखंड के जमशेदपुर में जन्मी वसुंधरा कोमकली ने बहुत छोटी उम्र में संगीत की साधना शुरू कर दी था। जब वह महज 12 साल की थी तब उनकी मुलाकात मशहूर शास्त्रीय गायक कुमार गंधर्व से हुई थी। यही मुलाकात उनके जीवन का एक अहम मोड़ साबित हुई। कहा जाता है कि कोलकाता में आयोजित एक संगीत सम्मेलन में वसुंधरा ने पहली बार कुमार गंधर्व को सुना। उनकी गायकी ने वसुंधरा के मन पर ऐसा असर डाला कि उन्होंने उसी समय तय कर लिया कि उन्हें भी शास्त्रीय संगीत सीखना है। उन्होंने कुमार गंधर्व से सीखने की इच्छा जताई। हालांकि, परिस्थितियां उस समय उनके साथ नहीं थीं और मुंबई जाकर सीखने का सपना तुरंत पूरा नहीं हो सका। हालांकि संगीत के प्रति उनका जुनून कम नहीं हुआ। उन्होंने कोलकाता में रहकर अपनी संगीत साधना जारी रखी। कम उम्र में ही उन्होंने ऑल इंडिया रेडियो से भी जुड़कर अपनी पहचान बनानी शुरू कर दी थी। उनकी आवाज में ऐसी मिठास और सुरों पर ऐसी पकड़ थी कि धीरे-धीरे संगीत प्रेमियों के बीच उनका नाम पहचाना जाने लगा। साल 1946 में वसुंधरा ताई मुंबई पहुंचीं और प्रसिद्ध संगीतज्ञ प्रोफेसर बी.आर. देवधर से संगीत की शिक्षा ली। इसके बाद उन्होंने कुमार गंधर्व से भी संगीत की बारीकियां सीखीं। लंबे समय तक साथ काम करने और संगीत की साधना करने के बाद साल 1962 में दोनों विवाह के बंधन में बंध गए। वसुंधरा ताई को अक्सर कुमार गंधर्व की संगिनी के रूप में याद किया जाता है लेकिन उनकी अपनी पहचान भी उतनी ही मजबूत थी। वह सिर्फ एक महान कलाकार के साथ खड़ी रहने वाली शख्सियत नहीं थीं बल्कि खुद हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की एक सशक्त आवाज थीं। उन्होंने ख्याल गायकी के साथ-साथ भजन, लोकगीत और पारंपरिक संगीत को भी अपनी खास शैली में प्रस्तुत किया।

अमेरिका ने मिसाइल उत्पादन बढ़ाने के लिए किए समझौते

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। अमेरिकी रक्षा विभाग ने पीएसी-3 एमएसई इंटरसेप्टर और थाड (टीएचएडी) मिसाइल डिफेंस सिस्टम में इस्तेमाल होने वाले अहम पुर्जों की प्रोडक्शन क्षमता बढ़ाने के लिए एल 3 हैरिस और लॉकहीड मार्टिन के साथ सात साल के दो फ्रेमवर्क समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

इन समझौतों का मकसद ऐसे प्रोपल्शन और कंट्रोल सिस्टम का प्रोडक्शन बढ़ाना है, जिनकी मदद से इंटरसेप्टर बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल के खतरों तक पहुंचकर उन्हें नष्ट कर सकें।

एक्विजिशन और सस्टेनमेंट के लिए वॉरफाइटर मामलों के अंडर सेक्रेटरी माइकल पी. डफी ने कहा, 'आजादी के लिए जरूरी हथियारों का भंडार फिर से तैयार करने के लिए जरूरी है कि अहम हथियारों के प्रोडक्शन को तेजी और सटीकता के साथ बढ़ाया जाए।' उन्होंने कहा, 'एल 3 हैरिस के साथ आज हुए समझौते सैनिकों के लिए एक बड़ी जीत हैं और ये पूरी सप्लाई चेन को साफ तौर पर मांग के संकेत भेजने के हमारे संकल्प को दिखाते हैं।'

पीएसी-3 मिसाइल सेगमेंट एन्हांसमेंट समझौते के तहत, एल3 हैरिस अपने एडवांस्ड टू-पल्स सॉलिड रॉकेट मोटर, एटीट्यूड कंट्रोल मोटर्स और लीथैलिटी एन्हांसर के प्रोडक्शन में तेजी लाएगी। ये पार्ट्स पीएसी-3 एमएसई को एडवांस्ड टैक्टिकल बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों और दुश्मन के विमानों को रोकने के लिए जरूरी स्पीड, रेंज और दिशा बदलने की क्षमता (मैन्युवरेबिलिटी) देते हैं।'

दूसरा समझौता 'टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस' (थाड) इंटरसेप्टर के प्रोपल्शन सिस्टम के लिए है। इस समझौते पर डिपार्टमेंट ऑफ़ वॉर, एल3 हैरिस और लॉकहीड मार्टिन ने हस्ताक्षर किए। इससे दो जरूरी पार्ट्स का प्रोडक्शन बढ़ेगा। सॉलिड रॉकेट बूस्ट मोटर, जो इंटरसेप्टर को लॉन्च करती है और लिक्विड डायवर्ट एंड एटीट्यूड कंट्रोल सिस्टम (एलडीओसीएस), जो इंटरसेप्टर को उड़ान के दौरान दिशा बदलने की क्षमता देता है। इससे यह पृथ्वी के वायुमंडल के अंदर और बाहर, दोनों जगहों पर बैलिस्टिक मिसाइल के खतरों का सामना कर उन्हें नष्ट कर सकता है।

ईरान-अमेरिका संघर्ष विराम बनाए रखने पर जॉर्डन और संयुक्त राष्ट्र का जोर

विश्व केसरी

अम्मान। जॉर्डन के विदेश मंत्री अयमान सफादी और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अम्मान में मुलाकात कर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और क्षेत्रीय सुरक्षा की स्थिति पर चर्चा की।

दोनों ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए युद्धविराम का पालन सुनिश्चित करने तथा तनाव कम करने के लिए बातचीत फिर से शुरू करने की आवश्यकता पर बल दिया। गुटेरेस सोमवार (27 जुलाई) को जॉर्डन में थे।

जॉर्डन सरकार की ओर से जारी बयान के अनुसार, दोनों ने क्षेत्र में जारी खतरनाक तनाव के प्रभावों और स्थायी शांति एवं सुरक्षा बहाल करने के प्रयासों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने इस बात पर सहमति जताई कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम का पूरी तरह पालन होना चाहिए और तनाव के सभी मूल कारणों के समाधान के लिए व्यापक वार्ता फिर से शुरू की जानी चाहिए। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप होर्मुज स्ट्रेट में नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

साथ ही बैठक में अधिकृत फिलिस्तीनी क्षेत्रों की स्थिति पर भी चर्चा हुई। सफादी ने गाजा में मानवीय संकट को समाप्त करने के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गाजा योजना के सभी प्रावधानों को लागू करने और गाजा पट्टी में पर्याप्त मानवीय सहायता पहुंचाने में बाधा बन रही इजराइली पाबंदियों को हटाने की मांग की।

इसी बीच, जॉर्डन ने मंगलवार तड़के अपने हवाई क्षेत्र में घुसे एक ड्रोन को मार गिराने का दावा किया। सरकारी समाचार एजेंसी पेट्रा के अनुसार, ड्रोन को देश के पूर्वी रेगिस्तानी इलाके में निशाना बनाया गया।

इस घटना से कुछ समय पहले इजरायली सेना ने भी बताया था कि उसने जॉर्डन सीमा के निकट एक ड्रोन को इंटरसेप्ट किया। इजराइल का कहना है कि ड्रोन उसकी सीमा के भीतर प्रवेश नहीं कर पाया था।

संक्षिप्त खबर

अमेरिका में एच-1बी वीजा होल्डर्स को राहत, ग्रीन कार्ड का रास्ता खोलने वाला बिल पेश

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इमिग्रेशन कानून को और सख्त कर रहे हैं। इस बीच एक वरिष्ठ डेमोक्रेटिक सीनेटर ने लाखों लंबे समय से अमेरिका में रह रहे लोगों को स्थायी रेजिडेंसी का रास्ता देने की कोशिश फिर से शुरू की है। इन लोगों में एच-1बी वीजा होल्डर्स भी शामिल हैं। कैलिफोर्निया के सीनेटर एलेक्स पैडिला ने कहा कि उनका प्रस्ताव एक इमिग्रेशन नियम को मॉडर्नाइज करेगा जिसे 1986 से अपडेट नहीं किया गया है। उनके ऑफिस से जारी जानकारी के अनुसार, इससे आठ मिलियन से ज्यादा लोगों को फायदा हो सकता है। बता दें, 1929 के इमिग्रेशन एक्ट के रिन्यूइंग इमिग्रेशन नियम अप्रवासी को कानूनी स्थायी रेजिडेंट स्टेटस के लिए अप्लाई करने की इजाजत देंगे। इसके लिए शर्त ये है कि आवेदन करने से पहले आवेदक कम से कम सात साल तक लगातार अमेरिका में रहे हों। इसके अलावा, आवेदक का कोई आपराधिक रिकॉर्ड भी नहीं होना चाहिए और उन्हें ग्रीन कार्ड पात्रता की बाकी सभी मौजूदा जरूरतें पूरी करनी होंगी। यह प्रस्ताव ड्रीमर्स (बचपन में अमेरिका लाए गए अप्रवासी), अस्थायी प्रोटेक्टेड स्टेटस (टीपीएस) धारकों, आवश्यक सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों और लंबे समय से वीजा पर रह रहे लोगों के बच्चों को कवर करेगा। यह उन उच्च-कुशल पेशेवरों के लिए भी राहत का रास्ता खोल सकता है, जिनमें एच-1बी वीजा धारक शामिल हैं और जो वर्षों से रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे हैं।

प्योंगयांग पूर्व सूचना दिए बगैर छोड़ देता है बांध का पानी, इस बार हम तैयार : दक्षिण कोरिया

विश्व केसरी

सोल। उत्तर कोरिया वर्षों से दक्षिण कोरिया को सूचित किए बिना बांध से पानी छोड़ देता है। भारी बारिश के चलते इस बार भी आशंका पूरी है कि ऐसा ही होगा। पूर्वानुमान लगाते हुए सोल ने सोमवार को अपनी तैयारी पुख्ता करने का दावा किया। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, दक्षिण कोरिया सरकार ने कहा कि उत्तर कोरिया की ओर से सीमा के पास स्थित बांध से अचानक और बिना पूर्व सूचना पानी की स्थिति से निपटने के लिए उसने तैयारी कर रखी है। दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि सीमा क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार के पास प्रभावी योजनाएं मौजूद हैं। दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव के बीच उत्तर कोरिया पिछले एक दशक से अधिक समय से बांधों से पानी छोड़ने से पहले दक्षिण कोरिया को सूचना देने के पुराने समझौते का पालन नहीं कर रहा है। मंत्रालय के एक अधिकारी ने पत्रकारों से कहा, 'सरकार के पास सीमा क्षेत्रों के निवासियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय तैयार हैं।' उन्होंने बताया कि पहले उत्तर कोरिया की ओर से पानी छोड़े जाने की स्थिति की निगरानी के साधन सीमित थे, लेकिन अब आधुनिक तकनीक की मदद से वास्तविक समय में स्थिति पर नजर रखी जा सकती है। अधिकारी के अनुसार, उपग्रह तस्वीरों, बांध के गेट की निगरानी और विभिन्न सरकारी एजेंसियों के बीच समन्वय से पानी के प्रवाह और संभावित खतरे का आकलन किया जा रहा है।

ट्रंप से मुलाकात करेंगे जेलेंस्की, बातचीत में रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान के साथ तनाव पर रहेगा फोकस

विश्व केसरी

वाशिंगटन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की स्थानीय समयानुसार मंगलवार को वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात कर सकते हैं। इस मुलाकात में यूक्रेन के खिलाफ चल रहे रूसी हमले और ईरान के खिलाफ अमेरिका की लड़ाई मुख्य फोकस रहेंगे।

यह मीटिंग तब हो रही है जब खबर है कि यूक्रेन ने पिछले हफ्ते में कैस्पियन सागर में ईरान से जुड़े जहाजों पर लंबी दूरी के हमले किए, जिनके बारे में जेलेंस्की ने दावा किया कि वे ईरान से जुड़ा मिलिट्री कार्गो ले जा रहे थे।

तेहरान ने कन्फर्म किया कि हमले में उसके एक जहाज में धमाका हुआ, जिसमें एक नाविक की मौत हो गई और कई दूसरे घायल हो गए। वहीं, ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने चेतावनी दी कि यूक्रेन की हरकतें खतरनाक हैं। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि यूक्रेन के इस हमले को ऐसे ही नहीं छोड़ा जा सकता है। कीव के अनुसार, दोनों झगड़ों में एक आम बात रूस है, जो उत्तरी ईरान से कैस्पियन सागर में अजरबैजान को बायपास करते हुए सिर्फ एक छोटे समुद्री रास्ते से या जमीन पर अजेरी इलाके की 250 किलोमीटर (155 मील) की पट्टी से अलग है। अमेरिका के सियासी गलियारे की हलचल तेज रहने वाली है। एक तरफ इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ट्रंप से मुलाकात करने के लिए वाशिंगटन पहुंचे हुए हैं, दूसरी तरफ यूक्रेनी प्रेसिडेंट भी अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात कर सकते हैं। इसके अलावा, 4 अगस्त तक रोम में इजरायल और लेबनान के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में अगले राउंड की बैठक हो सकती है। बातचीत दक्षिणी लेबनान में एक पायलट जोन को बढ़ाने, बाकी सीमा विवादों को सुलझाने और पिछले महीने दोनों देशों के बीच हस्ताक्षर किए गए फ्रेमवर्क समझौते को पूरी तरह लागू करने पर केंद्रित होगी। अमेरिकी राज्य विभाग के एक अधिकारी ने कहा, 'हम दक्षिणी लेबनान में पहले पायलट जोन के सफल लॉन्च और पिछले हफ्ते राष्ट्रपति ट्रंप के साथ प्रेसिडेंट औन की अच्छी मीटिंग के बाद इन बातचीत में काफी तेजी के साथ आगे बढ़ रहे हैं।'

भारत और कनाडा ने समुद्री सहयोग और रक्षा संबंधों को बढ़ाने पर की चर्चा

विश्व केसरी

ओटावा। भारत और कनाडा रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। कनाडा में भारत के उच्चायुक्त दिनेश के. पटनायक और कनाडा के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री डेविड मैकगिन्टी के बीच हुई मीटिंग में समुद्री सहयोग, डिफेंस कैपेसिटी-बिल्डिंग और ट्रेनिंग पर फोकस करते हुए चर्चा हुई। भारतीय उच्चायोग ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

बातचीत समुद्री सहयोग को मजबूत करने, डिफेंस कैपेसिटी-बिल्डिंग और ट्रेनिंग को आगे बढ़ाने, और भारत-कनाडा रक्षा संबंधों को गहरा करने पर केंद्रित थी।

कनाडा में भारतीय उच्चायोग के अनुसार, दोनों पक्षों ने शांति, स्थिरता और मजबूत द्विपक्षीय जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता को भी दोहराया। यह मीटिंग विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की पिछले हफ्ते मनीला में अपनी कनाडाई समकक्ष अनीता आनंद के साथ हुई मीटिंग के बाद हुई है। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत और कनाडा के बीच सहयोग बढ़ रहा है, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि अनीता आनंद के साथ उनकी बातचीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडाई पीएम मार्क कार्नी द्वारा तय किए गए संबंधों के लक्ष्यों को पाने पर केंद्रित थी। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'मंगलवार दोपहर कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ हुई चर्चा के लिए धन्यवाद। भारत-कनाडा सहयोग लगातार बढ़ रहा है। हमारी बातचीत हमारे प्रधानमंत्रियों द्वारा तय किए गए संबंधों के लक्ष्यों को पाने पर फोकस थी।' पिछले महीने, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष, मार्क कार्नी ने फ्रांस के एवियन में चल रहे जी7 समिट के दौरान अपनी द्विपक्षीय बैठक के दौरान भारत और कनाडा के बीच संबंधों के पूरे दायरे की समीक्षा की।

अफगानिस्तान में ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई तेज, पुलिस ने अवैध ड्रग्स के साथ आठ संदिग्धों को हिरासत में लिया

विश्व केसरी

काबुल। अफगानिस्तान में इन दिनों ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई है। स्थानीय अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि पूर्वी अफगानिस्तान के पक्तिका और लोगर प्रांतों में अलग-अलग काउंटर-नारकोटिक्स ऑपरेशन के दौरान अफगान पुलिस ने 25 किलोग्राम अफीम जब्त की और आठ संदिग्ध ड्रग तस्करों और स्मगलरों को हिरासत में लिया।

प्रांतीय पुलिस ऑफिस ने एक बयान में कहा कि पुलिस ने कई ऑपरेशन के दौरान 25 किलोग्राम अफीम बरामद करने के बाद पक्तिका प्रांत में छह संदिग्ध ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, पड़ोसी लोगार प्रांत में एक अलग ऑपरेशन में, सुरक्षा बलों ने दो संदिग्ध तस्करों को हिरासत में लिया और बड़ी मात्रा में हशीश और नशीली गोलियां जब्त कीं। अफगान सुरक्षा बलों ने देश भर में गैर-कानूनी ड्रग्स के उत्पादन, तस्करी और स्मगलिंग को रोकने की कोशिशों के तहत देश भर में काउंटर-नारकोटिक्स ऑपरेशन जारी रखे हैं।

अफगानिस्तान के गृह मंत्रालय ने 26 जुलाई को कहा कि अफगान काउंटर-नारकोटिक्स पुलिस ने उत्तरी फरयाब प्रांत में एक खुफिया ऑपरेशन के दौरान 42 किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त किया है।

मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक, ये ड्रग्स, जो पश्चिमी हेरात प्रांत से आए थे, एक गाड़ी के अंदर छिपाकर रखे हुए मिले और जब उन्हें रोका गया तो उन्हें बल्ख प्रांत की ओर ले जाया जा रहा था। जब्ती के सिलसिले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है और अभी उसकी जांच चल रही है। अधिकारियों के मामले को न्यायिक अधिकारियों को सौंपने की उम्मीद है।

भारत-अमेरिका को चीन की चुनौती से निपटने के लिए तकनीक और सुरक्षा में सहयोग बढ़ाना चाहिए : राजा कृष्णमूर्ति

विश्व केसरी

वाशिंगटन। भारतीय अमेरिकी कांग्रेसी राजा कृष्णमूर्ति ने कहा है कि चीन की चुनौती का सामना करने के लिए भारत और अमेरिका को और ज्यादा काम करना चाहिए और उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, स्वच्छ ऊर्जा और सुरक्षा में गहरे सहयोग की अपील की है।

कृष्णमूर्ति ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में कहा, ''मेरा मानना है कि भारत को, अमेरिका की तरह इस चुनौती का डटकर सामना करने के लिए आगे आना चाहिए। फिलहाल वह पर्याप्त प्रयास नहीं कर रहा है। वह इससे कहीं अधिक कर सकता है। उन्होंने चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा को दोनों लोकतांत्रिक देशों के लिए एक निर्णायक परीक्षा बताया। उन्होंने कहा, 'चीन से जुड़ी चुनौती हमारे समय की सबसे बड़ी और सबसे महत्वपूर्ण चुनौती है। सवाल यह है कि क्या हम इस अवसर पर खरे उतरेंगे और एक देश के रूप में अपने सर्वश्रेष्ठ स्वरूप को सामने लाएंगे? फिलहाल हम ऐसा नहीं कर रहे हैं।'

कृष्णमूर्ति ने कहा कि भारत और अमेरिका को उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने फ्यूजन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, क्वांटम प्रौद्योगिकी और एआई को सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में चिन्हित किया। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि प्रौद्योगिकी ही भविष्य है। हमें भविष्य की तकनीकों पर साथ मिलकर काम करना चाहिए, चाहे वह फ्यूजन हो, सौर ऊर्जा हो, क्वांटम प्रौद्योगिकी हो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता हो या फिर सुरक्षा से जुड़े मुद्दे हों।'

कांग्रेस सदस्य ने कहा कि सफलता के लिए दोनों देशों को अपने लोकतंत्र को और मजबूत करना होगा तथा आंतरिक विभाजनों को कम करना होगा। हमें हरसंभव प्रयास करना चाहिए कि समाज में विभाजन कम हो और किसी भी व्यक्ति के साथ, कहीं भी, किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो। यदि हम ऐसा कर सके, तो मुझे पूरा विश्वास है कि हम सफल होंगे। अमेरिका में चीन के कथित प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर कृष्णमूर्ति ने कहा कि ऐसा कोई प्रमाण नहीं है कि बीजिंग ने वोटों की गिनती या मतों के संकलन (टैब्यूलेशन) में हस्तक्षेप किया हो।

फ्रांस और स्पेन में जंगल की भीषण आग से हड़कंप, नई हीटवेव से हालात बिगड़ने का खतरा

विश्व केसरी

पेरिस/मैड्रिड। फ्रांस और स्पेन में फैली जंगल की आग पर काबू पाने की जद्दोजहद जारी है। हजारों दमकलकर्मी दिन-रात आग को बुझाने की कोशिश में लगे हैं, हालांकि मौसम विभाग ने इस सप्ताह एक नई हीटवेव की चेतावनी दी है, जिससे हालात और अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। यूरोपीय संघ (ईयू) के अधिकारियों का कहना है कि इस वर्ष वाइल्डफायर ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और नवंबर की शुरुआत तक इसके जारी रहने की आशंका बरकरार है।

स्पेनिश मीडिया हाउस एल पेस के मुताबिक स्पेन के गृह मंत्री फर्नांडो ग्रांडे-मार्लास्का ने सोमवार और मंगलवार को 'बेहद महत्वपूर्ण दिन' बताते हुए कहा कि बुधवार से तापमान फिर बढ़ने वाला है। वहीं प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने चेतावनी दी कि देश के सामने 'कठिन और जटिल घंटे' हैं।

स्पेन में मैड्रिड के पश्चिम स्थित आविला के पहाड़ी इलाके में लगी आग जंगल की सबसे बड़ी आग बन गई है, जिसने लगभग 50,000 हेक्टेयर क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया है। मैड्रिड के उत्तर-पश्चिम में लगी दो अन्य बड़ी आग को मिलाकर राजधानी के आसपास करीब 77,000 हेक्टेयर भूमि जल चुकी है।

पीओके में प्रदर्शन के दौरान हालात बेकाबू, शहबाज सरकार की हिंसक कार्रवाई में 20 से ज्यादा लोगों की जान गई; कई घायल

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के लॉन्ग मार्च के दौरान कम से कम 20 लोग मारे गए और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना इस इलाके में प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी अधिकारियों की बढ़ती कार्रवाई के बीच हुई।

मरने वालों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है, घायलों में से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में डिटेल्स शेयर करते हुए जेएएसी ने कहा, 'लॉन्ग मार्च का कारवां रावलकोट शहर पहुंच गया है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार, 19 मरने वालों की पहचान कन्फर्म हो गई है, जबकि एक व्यक्ति के पास पहचान के कागजात नहीं थे और उसके सिर में गोली लगी थी; उसकी बॉडी पलांद्री हॉस्पिटल में है। इस तरह, कुल मौतों की संख्या कम से कम 20 हो गई है। इसके अलावा, बाकी डिटेल्स बाद में आएंगे।'

इसमें आगे कहा गया, 'प्रदर्शनकारी रावलकोट शहर के चांदनी चौक पर मौजूद हैं। दिन निकलते ही, शहीद चौक पर एक सभा होगी, जहां आगे की कार्रवाई की घोषणा की जाएगी।' यह मार्च तब किया गया जब जेएएसी और पाकिस्तानी अधिकारियों के बीच बातचीत का कोई ऐसा नतीजा नहीं निकला जिसे दोनों पक्ष एक-दूसरे से स्वीकार करें। ऐसे में प्रदर्शन करने के लिए लोगों को फिर से बुलाया गया। इसकी शुरुआत रविवार को मीरपुर डिवीजन से हुई, जिसके बाद सोमवार को मुजफ्फराबाद की ओर मार्च करने से पहले कारवां रावलकोट धरने पर इकट्ठा हुए। इस बीच, यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पीओके में बढ़ते मानवाधिकार के उल्लंघन की ओर दिलाया।

बाढ़ प्रभावित असम और नागालैंड में वायुसेना ने 458 लोगों को सुरक्षित निकाला

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना द्वारा असम और नागालैंड के बाढ़ प्रभावित इलाकों में मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियान लगातार जारी है। खराब मौसम और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद वायुसेना राहत एवं बचाव कार्यों में पूरी तत्परता से जुटी हुई है। मंगलवार को भारतीय वायुसेना ने बताया कि पिछले 10 दिनों के दौरान उसके हेलीकॉप्टरों ने बाढ़ में फंसे 458 लोगों को सुरक्षित बचाकर निकाला है।

वायुसेना जहां एक ओर बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित बचाने में कामयाब रही है, वहीं इस आपदा में लोगों तक आवश्यक राहत सामग्री भी पहुंचा रही है। वायु सेना के मुताबिक, अभी तक प्रभावित क्षेत्रों में हवाई मार्ग से 9 टन से अधिक आवश्यक राहत सामग्री भी पहुंचाई गई है। वायुसेना के अधिकारी व जवान, राहत अभियान के दौरान हेलीकॉप्टर से लगातार दुर्गम और

जलमग्न क्षेत्रों में उड़ान भर रहे हैं। ये वे प्रभावित क्षेत्र हैं जहां सड़क संपर्क पूरी तरह बाधित हो चुका है। इन अभियानों के जरिए फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ-साथ खाद्य सामग्री, दवाइयां और अन्य जरूरी राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। भारतीय वायुसेना का यह अभियान भारतीय सेना और स्थानीय नागरिक प्रशासन के साथ घनिष्ठ समन्वय में चलाया जा रहा है। सभी एजेंसियां मिलकर बाढ़ प्रभावित लोगों तक शीघ्र सहायता पहुंचाने और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही हैं। वायुसेना ने भरोसा दिलाया कि जब तक आवश्यकता रहेगी, राहत और बचाव अभियान पूरी क्षमता के साथ जारी रहेगा, ताकि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फंसे लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

गौरतलब है कि मानसून के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में प्राकृतिक आपदा आई है। यहां कई जगहों पर इस आपदा में लोगों की जान गई है व गंभीर नुकसान हुआ है। आपदाओं में जान गंवाने वाले लोगों को बीते दिनों राज्यसभा में श्रद्धांजलि अर्पित की गई व उनकी स्मृति में मौन रखा गया था। मौन के माध्यम से राज्यसभा ने देशभर में प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के प्रति एकजुटता और संवेदना का संदेश दिया।

तमिलनाडु के विल्लुपुरम में भीषण सड़क हादसा, चार वाहनों की टक्कर में दो की मौत, तीन गंभीर

विश्व केसरी

चेन्नई। विल्लुपुरम जिले के अय्युर अगराम रेलवे ओवरपास पर मंगलवार को एक मोटरसाइकिल, एक लग्जरी बस, एक कार और एक टेम्पो वैन के बीच हुई सिलसिलेवार सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

जांचकर्ताओं के मुताबिक, दुर्घटना तब हुई जब रेलवे ओवरपास से गुजर रही एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई। माना जा रहा है कि मोटरसाइकिल सवार का संतुलन बिगड़ गया, जिससे दोपहिया वाहन दूसरी लेन में चला गया और सामने से आ रही एक लग्जरी बस से आमने-सामने टकरा गया। टक्कर की वजह से बस ड्राइवर को ज्यादा नुकसान से बचने के लिए अचानक ब्रेक लगाने पड़े। हालांकि, अचानक रुकने से कई गाड़ियां आपस में टकरा गईं।

इस टक्कर में कई गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और उनमें सवार कई लोग अंदर ही फंस गए।

मोटरसाइकिल सवार की पहचान विल्लुपुरम जिले के नरसिंहपुरम निवासी भूपति के रूप में हुई है, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। चेन्नई के मुदिचुर निवासी जॉन अन्बझगन (55) कार में यात्रा कर रहे थे। इनकी भी दुर्घटना स्थल पर ही चोटों के कारण मौत हो गई। जॉन को कोई चिकित्सीय सहायता नहीं मिल पाई। सूचना मिलने पर विल्लुपुरम पुलिस स्टेशन के कर्मचारी स्थानीय निवासियों की मदद से घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। क्षतिग्रस्त गाड़ियों में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया और आपातकालीन चिकित्सा टीमों के पहुंचने से पहले सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

घायल हुए तीन लोगों लाजर, सोलोमन और कार ड्राइवर बालाजी को विल्लुपुरम सरकारी जनरल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि तीनों को गंभीर चोटें आई हैं और वे गहन चिकित्सा देखरेख में हैं। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

संक्षिप्त खबर

जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने जंतर-मंतर पर दिए अपने बयानों के लिए माफी मांगी

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को जंतर-मंतर पर हाल ही में हुए एक विरोध प्रदर्शन के दौरान अपनी टिप्पणी के लिए जम्मू-कश्मीर के लोगों से माफी मांगी। उन्होंने माना कि मीडिया से बात करते समय अनजाने में उनसे एक महत्वपूर्ण वाक्यांश छूट गया था।

मुफ्ती ने कहा कि जब वह केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री के तौर पर उमर अब्दुल्ला के कार्यकाल का जिक्र कर रही थीं, तो उनका मकसद कश्मीर में सुरक्षा बलों की कार्रवाई का बचाव करने के बारे में एक खास बात कहना था। हालांकि, उन्होंने माना कि बयान देते समय अनजाने में उनसे ये शब्द छूट गए थे, 'सुरक्षा बलों को बनाए रखने का बहाना बनता है।' पीडीपी प्रमुख ने माना कि इन शब्दों के छूटने से उनकी बात का संदर्भ बदल गया और उन्होंने इस गलती की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा, 'मैं इस गलती के लिए जम्मू-कश्मीर के लोगों से माफी मांगती हूं।' सोशल मीडिया पर वायरल हुए जंतर-मंतर वाले उनके बयान के वीडियो क्लिप से जुड़े विवाद पर महबूबा मुफ्ती ने उन दावों को खारिज कर दिया कि फुटेज के साथ छेड़छाड़ की गई थी या उसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करके बनाया गया था। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो असली और सही है। उन्होंने साफ किया कि विवाद इसलिए हुआ क्योंकि पत्रकारों से बातचीत के दौरान अनजाने में उनसे एक वाक्यांश छूट गया था।

बस दुर्घटना में 39 अमरनाथ तीर्थयात्री घायल, सीएम उमर अब्दुल्ला और एलजी मनोज सिन्हा ने जताई चिंता

विश्व केसरी

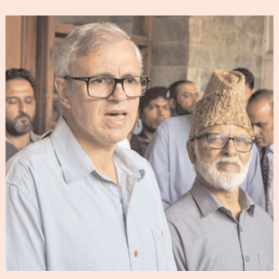

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में मंगलवार को सड़क हादसे में अमरनाथ यात्रा के 39 यात्री घायल हो गए। इस घटना पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने चिंता जताई है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुंड, कंगन में हुई सड़क दुर्घटना पर गहरी चिंता जताई, जिसमें यात्रा पूरी कर श्रीनगर लौट रहे कई तीर्थयात्री घायल हो गए। उन्होंने घायलों को बेहतरीन इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं और स्वास्थ्य मंत्री सकीना इटू को एसकेआईएमएस जाकर उनके इलाज की देखरेख करने के लिए भेजा। एलजी सिन्हा ने कहा कि उन्होंने घायल तीर्थयात्रियों की हालत के बारे में जानने के लिए गांदरबल के डिप्टी कमिश्नर और स्वास्थ्य अधिकारियों से बात की। उन्होंने बताया कि पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन करके लौट रहे 39 तीर्थयात्री हरिगनीवान में हुई दुर्घटना में घायल हो गए और एसकेआईएमएस में उनका इलाज चल रहा है। सिन्हा ने कहा कि उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे घायलों को हर जरूरी मदद और बेहतरीन इलाज मुहैया कराएं। उन्होंने तीर्थयात्रियों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना भी की। गांदरबल जिले के हरिगनीवान इलाके में अमरनाथ से यात्रियों को वापस ला रही बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से 39 यात्री घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना तब हुई जब बस ड्राइवर का स्टीयरिंग पर से नियंत्रण हट गया और गाड़ी फिसलकर खाई में गिर गई।

ट्रक से भारी मात्रा में गांजा बरामद, मुख्यमंत्री ने की पुलिस की कार्रवाई की सराहना

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ने मंगलवार को पुरुलिया में अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी के खिलाफ कोलकाता पुलिस और पुरुलिया जिला पुलिस की ओर से चलाए गए सफल संयुक्त अभियानों की सराहना की।

मंगलवार सुबह सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैं हमारी कानून लागू करने वाली एजेंसियों की तेज, बेहतर तालमेल वाली और मजबूत कार्रवाई की सराहना करता हूं। एक बड़ी सफलता के रूप में कल रात कोलकाता पुलिस की एसटीएफ ने पुरुलिया जिला पुलिस के साथ मिलकर अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी के एक बड़े रैकेट का खुलासा किया।'

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर दिए अपने बयान में सोमवार देर रात हुए संयुक्त अभियान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर पुरुलिया मुफस्सिल पुलिस स्टेशन क्षेत्र के बेलकुरी टोल प्लाजा के पास नेशनल हाईवे-18 पर

एक ट्रक को रोका गया। ड्राइवर की सीट के पीछे बनाई गई एक गुप्त जगह से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ (गांजा) बरामद किया गया। ट्रक के साथ ओडिशा से आसनसोल जा रही दो एस्कॉर्ट गाड़ियों को भी रोका गया और कुल सात लोगों को हिरासत में लिया गया है।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार अवैध ड्रग तस्करी और ऐसी सभी गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस की नीति अपना रही है, जो राज्य के युवाओं और समाज की सुरक्षा के लिए खतरा हैं।

मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया बयान में कहा, 'मैं हमारे पुलिसकर्मियों की लगातार सतर्कता और मेहनत की सराहना करता हूं। हम आपराधिक नेटवर्क को खत्म करने के लिए सख्त कार्रवाई जारी रखेंगे।' उन्होंने अपने बयान के साथ इन अभियानों का एक वीडियो भी साझा किया। पश्चिम बंगाल में 2011 से 2026 तक ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार के दौरान कोलकाता पुलिस को लेकर कई नकारात्मक खबरें सामने आईं। अब सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई बीजेपी सरकार के तहत पुलिस व्यवस्था में कई सुधार शुरू किए गए हैं। इन सुधारों का मुख्य उद्देश्य कोलकाता पुलिस को उसकी पुरानी पहचान वापस दिलाना है। शहर की पुलिस की ओर से किए गए सबसे बड़े सुधारों में से एक 'पुलिस यूनिफॉर्म कोड' को फिर से लागू करना है।

मध्य प्रदेश के किसानों से सिर्फ दो प्रतिशत मूंग की खरीद चिंताजनक : कमलनाथ

विश्व केसरी

भोपाल। मध्य प्रदेश में मूंग उत्पादक किसानों से सिर्फ दो प्रतिशत उपज की खरीदी पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने चिंता जताई है।इस स्थिति को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखा है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को लिखे पत्र में कहा है कि मध्य प्रदेश देश का सबसे अधिक मूंग उत्पादक राज्य है।

केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश से वर्ष 2025-26 में 4.54 लाख मीट्रिक टन मूंग खरीदी का कोटा तय किया है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 16 जुलाई तक तय कोटे की सिर्फ़ दो प्रतिशत मूंग की ख़रीद की गई है। इस अन्याय के चलते किसानों को औने पौने दाम पर मूंग बेचने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब केंद्र सरकार ने देश की कुल मूंग खरीद का 87 प्रतिशत कोटा मध्य प्रदेश के लिए तय किया है तो राज्य सरकार खरीदी क्यों नहीं कर रही।

उन्होंने कहा कि यह किसानों के साथ सरासर अन्याय है। किसानों से तत्काल मूंग ख़रीद की प्रक्रिया तेज की जाए। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि किसानो को हो रही परेशानी को देखते हुए मूँग खरीद की प्रक्रिया तेज की जाए। इस संबंध में मुख्यमंत्री संबंधित अधिकारियों को आदेश दें ताकि किसानों के संकट का समाधान हो।

दरअसल राज्य में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किसानों से मूंग की खरीदी में हो रही देरी और गड़बड़ी को लेकर किसान हरदा बैतूल सहित कई इलाकों में विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं।उनका यह आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस भी इस कांग्रेस भी इस मुद्दे को पूरे जोर से उठा रही है।

मेकेदातु बांध को लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

विश्व केसरी

चेन्नई। मेकेदातु बांध को लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री विजय ने पत्र में लिखा कि मैं आपका ध्यान राज्यसभा में मेकेदातु बांध के संबंध में जलशक्ति राज्यमंत्री की ओर से दिए गए उत्तर की ओर आकर्षित करना चाहता हूं, जहां मंत्री ने कहा है कि 16 फरवरी 2018 के सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय में स्पष्ट रूप से यह निर्धारित नहीं किया गया है कि कर्नाटक को कावेरी नदी पर एक संरचना का निर्माण करने से पहले निचले तटवर्ती राज्यों की सहमति लेनी चाहिए।

उन्होंने पत्र में लिखा, 'जलशक्ति राज्यमंत्री का यह निराशाजनक उत्तर निचले तटवर्ती राज्यों की सहमति के संबंध में मौजूदा कानूनी स्थिति और स्थापित कानून पर विचार किए बिना दिया

गया प्रतीत होता है।' मुख्यमंत्री विजय ने पत्र में लिखा, 'मैं आपके ध्यान में कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के बीच अलमट्टी मामले में सुप्रीम कोर्ट की संविधान बेंच का फैसला लाना चाहता हूं, जिसमें यह फैसला सुनाया गया था कि निचले नदी किनारे के राज्य की सहमति बहुत जरूरी है।' पत्र में उन्होंने लिखा, 'कर्नाटक राज्य बनाम आंध्र प्रदेश राज्य [2000(9)] एससीसी पेज 572 के पैराग्राफ 100 के अनुसार, 'न ही कर्नाटक राज्य को बाकी सभी नदी किनारे के राज्यों की सहमति के बिना और केंद्र सरकार की मंजूरी के बिना उस ऊंचाई तक कंस्ट्रक्शन करने की इजाजत दी जा सकती है, जहां तक कावेरी ट्रिब्यूनल अवॉर्ड का सवाल है, सुप्रीम कोर्ट ने ट्रिब्यूनल अवॉर्ड के क्लॉज 18 को साफ तौर पर कन्फर्म किया है, जो हर राज्य को अपने इलाके में पानी को सिर्फ 'ट्रिब्यूनल के आदेश के खिलाफ न होने वाले तरीके से' रेगुलेट करने की शक्ति देता है। इस तरह, कोई भी प्रोजेक्ट जिसमें अवॉर्ड के तहत बनाए गए रेगुलेटेड फ्लो 2 सिस्टम को प्रभावित करने की क्षमता हो, उसे अवॉर्ड के साथ कंसिस्टेंसी के लिए जरूरी तौर पर स्क्रूटनी की जरूरत होती है।'

उन्होंने पत्र में लिखा, 'पानी छोड़ने के क्वांटिटी और रेगुलेटेड पैटर्न, दोनों के संबंध में निचले नदी किनारे के राज्यों के अधिकार पूरी तरह सुरक्षित हैं।

सीजेपी का आरोप : राजस्थान पुलिस प्रदर्शन में शामिल छात्रों को कर रही परेशान, नए आंदोलन की चेतावनी

विश्व केसरी

जयपुर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने सोमवार को राजस्थान पुलिस पर नीट पेपर लीक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल छात्रों को परेशान करने का आरोप लगाया। पार्टी का दावा है कि केस वापस लेने के समझौते के बावजूद पुलिसकर्मी अभी भी छात्रों के घर जा रहे हैं और उन्हें फोन पर बुला रहे हैं।

संगठन ने चेतावनी दी कि अगर यह कथित उत्पीड़न नहीं रुका, तो वे फिर से आंदोलन शुरू करेंगे। एक वीडियो बयान में, सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि राजस्थान में संगठन की कोर टीम के सदस्यों को पुलिस निशाना बना रही है।

रांका ने कहा, 'पुलिस राजस्थान में हमारी कोर टीम के कुछ सदस्यों के घर बार-बार जा रही है और फोन कॉल के जरिए उन्हें परेशान कर रही है। हम केंद्र

सरकार से यह भी उम्मीद करते हैं कि जो लिखित समझौता हुआ था, उसे जल्द ही सार्वजनिक किया जाए।' रांका ने केंद्र और राजस्थान सरकार दोनों से आग्रह किया कि वे प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ केस वापस लेने के संबंध में 25 जुलाई को हुए समझौते का सम्मान करें।

उन्होंने दावा किया कि अन्य राज्यों की सरकारों ने इसी तरह के आश्वासनों पर पहले ही कार्रवाई की है। उन्होंने कहा, 'बिहार सरकार ने छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी केस वापस ले लिए हैं, जबकि पश्चिम बंगाल में भी सभी एफआईआर वापस ले ली गई हैं। केंद्र और राज्य सरकारों को छात्रों को निशाना बनाना बंद करना चाहिए और 25 जुलाई को हुए समझौते का सम्मान करना चाहिए।'

सीजेपी ने चेतावनी दी कि अगर समझौते के बावजूद पुलिस छात्रों के घर जाती रही और उनसे संपर्क करती रही, तो संगठन फिर से विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होगा।

नीट पेपर लीक के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में राजस्थान और पूरे भारत के छात्रों ने हिस्सा लिया था। कई छात्र प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए नई दिल्ली के जंतर-मंतर पहुंचे जबकि जयपुर और अन्य शहरों में भी विरोध प्रदर्शन और धरने आयोजित किए गए। सीजेपी समर्थकों ने जयपुर में कई दिनों तक जवाहर सर्कल पर प्रदर्शन किया।

यूपी में 15 आईपीएस अधिकारियों का तबादला, तरुण गाबा बने लखनऊ के नए पुलिस कमिश्नर

विश्व केसरी

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने मंगलवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 15 वरिष्ठ अधिकारियों का तबादका कर दिया। इस फेरबदल में लखनऊ और प्रयागराज के पुलिस आयुक्त समेत कई महत्वपूर्ण जोन, मुख्यालय और विशेष इकाइयों में नए अधिकारियों की तैनाती की गई। तबादला आदेश के अनुसार, गोरखपुर जोन के पुलिस महानिदेशक/अपर पुलिस महानिदेशक रहे मथुरा अशोक जैन को पुलिस महानिदेशक, अग्निशमन एवं आपात सेवाएं, उत्तर प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ बनाया गया है।

वहीं, लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त अमरेंद्र के. सेंगर को पुलिस महानिदेशक (अभिसूचना) नियुक्त किया गया है। उन्हें पुलिस महानिदेशक (सुरक्षा) का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। अपर पुलिस महानिदेशक (लॉजिस्टिक्स) राम कुमार को गोरखपुर जोन का अपर पुलिस महानिदेशक बनाया गया है, जबकि तकनीकी सेवाएं संभाल रहे नवीन अरोरा को वाराणसी जोन का अपर पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया है।

छात्रों को न्याय तभी मिलेगा, जब व्यवस्था में होगा आमूलचूल बदलाव : अखिलेश यादव

विश्व केसरी

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि देश में छात्रों को न्याय तभी मिल सकता है, जब शिक्षा और शासन व्यवस्था में आमूलचूल बदलाव किया जाए।

संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अखिलेश यादत्त्र ने कहा कि छात्रों के आंदोलन को उनके परिवारों का भी व्यापक समर्थन मिला, जिसकी वजह से यह आंदोलन इतना बड़ा बन गया कि आखिरकार केंद्र सरकार को उनकी मांगों के आगे झुकना पड़ा।

उन्होंने कहा कि केवल किसी मंत्री का इस्तीफा पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यवस्था की सोच और कार्यप्रणाली में भी बदलाव जरूरी है। अखिलेश यादव का यह बयान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के संदर्भ में आया। परीक्षा में कथित अनियमितताओं

को लेकर कई सप्ताह तक चले छात्र आंदोलन के बाद शनिवार को धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दिया था।

सपा प्रमुख ने कहा, 'जब तक स्थापित व्यवस्था में आमूलचूल बदलाव नहीं होगा, तब तक छात्रों को न्याय नहीं मिलेगा।' उत्तर प्रदेश का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि राज्य में 20 से अधिक परीक्षा पत्र लीक हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि हालिया छात्र आंदोलन में शामिल अधिकांश युवा और छात्र उत्तर प्रदेश से थे। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि युवाओं के दबाव और जनसमर्थन के कारण केंद्र सरकार को झुकना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि सत्तारूढ़ गठबंधन के कई सांसदों को सरकार गिरने की आशंका सताने लगी थी, इसलिए सरकार को छात्रों की मांगें माननी पड़ीं।

उन्होंने कहा, 'करीब 20 लाख छात्रों ने नीट परीक्षा दी थी। यानी उनके परिवारों समेत लगभग एक करोड़ लोग सीधे तौर पर प्रभावित हुए। यही वजह है कि सांसदों पर भी इसका राजनीतिक दबाव था और सरकार को झुकना पड़ा।'

सपा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मौजूद रहना चाहिए था, क्योंकि पुलिस गृह मंत्रालय के अधीन आती है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारी युवाओं पर बर्बरता की। उधर, लोकसभा में मंगलवार दोपहर 2 बजे पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा शुरू हुई।

अमेरिका में नाबालिगों के लिए 'एडिक्टिव' एआई चैटबॉट्स पर रोक लगाने वाला विधेयक पेश

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। अमेरिका की एक लॉमेकर ने ऐसा विधेयक पेश किया है, जिसके तहत एआई चैटबॉट बनाने वाली कंपनियों को नाबालिगों के लिए ऐसे फीचर उपलब्ध कराने से रोका जाएगा, जो भावनात्मक निर्भरता, अत्यधिक उपयोग और लत को बढ़ावा देते हैं।

वर्मोंट से डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि बेका बालिंट द्वारा पेश किए गए 'एडिक्टिव डिज़ाइन एक्ट' के तहत उन कंपनियों पर जुर्माना लगाया जाएगा, जो नाबालिगों को एडिक्टिव डिजाइन वाले चैटबॉट उपलब्ध कराती हैं।

यह विधेयक ऐसे समय में लाया गया है, जब किशोर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता के लिए तेजी से एआई चैटबॉट्स का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, बालिंट के कार्यालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, अधिकांश चैटबॉट्स इस तरह से डिजाइन नहीं किए गए हैं कि वे मानसिक स्वास्थ्य संकट से गुजर रहे किसी युवा को सुरक्षित और उचित प्रतिक्रिया दे सकें।

बालिंट ने कहा, 'तकनीकी कंपनियों ने वर्षों तक यह सीखने में बिताया है कि लोगों का ध्यान कैसे आकर्षित किया जाए और उन्हें अधिकतम समय तक कैसे जोड़े रखा जाए। उन्हें यही रणनीति उन संवेदनशील बच्चों पर लागू करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, जो मानसिक स्वास्थ्य संकट के दौरान किसी एआई चैटबॉट का सहारा ले रहे हों। उन्होंने आगे कहा, 'हम एआई के मामले में वही गलती नहीं दोहरा सकते। इससे पहले कि और परिवार इसके दुष्परिणाम झेलने को मजबूर हों, हमें स्पष्ट नियम, शोध और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी।

विधेयक के तहत कंपनियों को ऐसे चैटबॉट्स नाबालिगों के लिए उपलब्ध कराने से रोका जाएगा, जिनमें ऐसे फीचर हों जो लत, अस्वस्थ भावनात्मक लगाव या अत्यधिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं।

विधेयक में टाइपिंग बबल्स, अवतार और पिछली बातचीत से प्राप्त व्यक्तिगत जानकारी का संग्रह और उपयोग संभावित रूप से एडिक्टिव फीचर्स के रूप में चिन्हित किए गए हैं। इसके अलावा, बातचीत जारी रखने के लिए आगे और जुड़ाव या भुगतान की अनिवार्यता, दो घंटे से अधिक समय तक बातचीत की अनुमति देना और किसी वास्तविक व्यक्ति का प्रतिरूप प्रस्तुत करना भी इस श्रेणी में शामिल किया गया है।

प्रस्तावित प्रावधानों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर प्रत्येक प्रभावित नाबालिग के लिए 5,000 डॉलर तक का सिविल जुर्माना लगाया जा सकता है।

यह विधेयक एक अंतर-एजेंसी टास्क फोर्स के गठन का भी प्रावधान करता है, जो युवाओं में चैटबॉट्स के उपयोग से जुड़े मानसिक स्वास्थ्य जोखिमों से निपटने के उपायों की सिफारिश करेगी। साथ ही, वैज्ञानिक शोध के लिए 30 लाख डॉलर और माता-पिता तथा शिक्षकों को चेतावनी संकेतों की पहचान में मदद करने वाले जागरूकता कार्यक्रमों के लिए 50 लाख डॉलर की राशि अधिकृत करने का भी प्रस्ताव है।

कंपनियों को इस कार्यक्रम के तहत अनुदान प्राप्त करने वाले शोधकर्ताओं को आवश्यक डेटा उपलब्ध कराना होगा। यदि कोई कंपनी आवश्यक डेटा देने से इनकार करती है, तो उस पर 1 करोड़ डॉलर तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। विधेयक के अनुसार, आयु सत्यापन प्रणाली का उपयोग करने वाली कंपनियों को एकत्रित की जाने वाली जानकारी को न्यूनतम रखना होगा और उसे 24 घंटे के भीतर हटाना भी अनिवार्य होगा।

सेंटर फॉर हेल्थ एंड डेमोक्रेसी की कार्यकारी निदेशक रेचल मैडली ने कहा, 'एआई चैटबॉट्स को कभी भी इस तरह डिज़ाइन नहीं किया जाना चाहिए कि वे युवाओं को उनकी मानसिक सेहत की कीमत पर भावनात्मक रूप से निर्भर या लगातार जुड़े रहने के लिए प्रेरित करें।

अमेरिकन साइकियाट्रिक एसोसिएशन की सीईओ और मेडिकल डायरेक्टर डॉ. मार्केटा एम. विल्स ने कहा कि एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार ला सकता है, लेकिन इसका आधार वैज्ञानिक प्रमाण होने चाहिए।

उन्होंने कहा, 'एआई चैटबॉट्स कभी भी डॉक्टर और मरीज के बीच के संबंध का स्थान नहीं ले सकते, क्योंकि सुरक्षित, साक्ष्य-आधारित और मरीज-केंद्रित उपचार के लिए यह संबंध अत्यंत आवश्यक है।

इस विधेयक को प्रतिनिधि क्रिस डेलूज़ियो, टॉम सुवोज़ी और बोनी वॉटसन कोलमैन का भी समर्थन प्राप्त है। इसके अलावा, कई मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक कार्य और उपभोक्ता अधिकारों से जुड़ी संस्थाओं ने भी इस विधेयक का समर्थन किया है।

पीएम मोदी का वीडियो फेसबुक से हटने पर मेटा ने मांगी माफी, तकनीकी गड़बड़ी का दिया हवाला

विश्व केसरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो को फेसबुक से कुछ समय के लिए हटाए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। हालांकि, मेटा ने इस घटना पर माफी मांग ली है और कंपनी के प्रवक्ता ने वीडियो हटने की वजह तकनीकी गड़बड़ी को बताया है।

सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार इस पूरे मामले को बेहद गंभीरता से देख रही है और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा और इंस्टाग्राम के ग्लोबल हेड को समन किया है।

सरकार इस बात की जांच करना चाहती है कि आखिर किस वजह से प्रधानमंत्री के आधिकारिक वीडियो तक लोगों की पहुंच अचानक रोक दी गई। सरकार का मानना है कि इस तरह की घटना को हल्के में नहीं लिया जा सकता, इसलिए संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा जाएगा।

यह मामला 28 जुलाई की तड़के सामने आया, जब मेटा के स्वामित्व वाले फेसबुक पर भारतीय यूजर्स कुछ समय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वीडियो नहीं देख पाए। वीडियो खोलने की कोशिश करने पर यूजर्स को एक स्वचालित संदेश दिखाई दिया, जिसमें लिखा था कि कानूनी अनुरोध के कारण भारत में इस वीडियो की पहुंच सीमित कर दी गई है। इससे सोशल मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं।

हालांकि, बाद में मेटा ने इस घटना पर खेद जताते हुए कहा कि यह किसी कानूनी कार्रवाई का परिणाम नहीं था, बल्कि एक तकनीकी गड़बड़ी के कारण ऐसा हुआ। कंपनी ने माफी मांगते हुए स्थिति को जल्द सामान्य कर दिया।

गौरतलब है कि यह वीडियो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सेल्फी फॉर्मेट में रिकॉर्ड किया गया संदेश था, जिसमें उन्होंने पेपर लीक विवाद और इस मुद्दे पर होने वाली केंद्रीय मंत्रिमंडल (कैबिनेट) की आगामी कार्रवाई को लेकर खासतौर पर देश के जेन-जी युवाओं को संबोधित किया था। बता दें कि यही वीडियो इंस्टाग्राम पर 24 घंटे के भीतर 300 मिलियन से अधिक बार देखा गया, जबकि फेसबुक पर कुछ समय के लिए इसकी पहुंच सीमित हो गई थी। अब इस पूरे घटनाक्रम को लेकर केंद्र सरकार की नजर मेटा की कार्यप्रणाली पर है, और माना जा रहा है कि कंपनी के अधिकारियों से इस संबंध में विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है।

रीढ़ की मजबूती से हार्मोन संतुलन तक, मारीच्यासन के नियमित अभ्यास के फायदे

विश्व केसरी

नई दिल्ली। योग शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रभावी माध्यम है। इनमें वर्णित मारिच्य योगासन शरीर का लचीलापन बढ़ाने, पेट के अंगों की मालिश करने और रिब-केज खोलकर श्वसन क्षमता में सुधार करने में मदद करता है।

संस्कृत के शब्द 'मारीचि' (जो ब्रह्मा जी के मानस पुत्र और सूर्य वंश के प्रणेता महर्षि मारीचि का नाम है) और 'आसन' (यानी स्थिति या मुद्रा) से मिलकर 'मारीच्यासन' बना है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इस आसन को लेकर गाइडलाइन जारी किए हैं। उनके अनुसार, मारीच्यासन एक बैठकर किया जाने वाला ट्विस्टिंग आसन है, जो रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने, पाचन में सुधार करने और

मधुमेह के प्रबंधन में सहायक है।इसके नियमित अभ्यास से शरीर के कई अंग स्वस्थ रहते हैं। यह आसन अधिवृक्क (एड्रिनल) ग्रंथियों और अग्न्याशय (पैंक्रियास) को सक्रिय करने में मदद करता है, जिससे हार्मोन का स्राव बेहतर होता है। यह आसन प्रजनन तंत्र की कार्यप्रणाली को भी बेहतर बनाता है। इससे श्रोणि (पेल्विक) क्षेत्र में रक्त संचार बढ़ता है और पेल्विक फ्लोर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। नियमित अभ्यास से तनाव कम होता है और शरीर में ऊर्जा तथा स्फूर्ति का अनुभव होता है। इस आसान को करना बेहद आसान है। इसका अभ्यास करने के लिए सबसे पहले योगा मैट पर दंडासन की मुद्रा में बैठ जाएं। अब अपना दाहिना घुटना मोड़ें और बाएं हाथ को दाहिनी जांघ के बाहर रखें। सांस को छोड़ते हुए दाईं ओर मुड़ें और पीछे की तरफ देखें। संभव हो, तो हाथों को पीठ के पीछे पकड़ें। 5-10 गहरी सांसें लेकर दूसरी तरफ दोहराएं। शुरुआत में आसन को धीरे-धीरे और योग शिक्षक की देखरेख में करें। सांस पर पूरा ध्यान दें, जल्दबाजी न करें। हालांकि, गंभीर पीठ दर्द या चोट होने पर, पेट की हालिया सर्जरी और गर्भवती महिलाओं समेत कई लोगों, गंभीर बीमारी से ग्रसित लोगों को अभ्यास करने से बचना चाहिए या फिर डॉक्टर की सलाह पर करना चाहिए।

इसके अभ्यास से शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं, लेकिन योग करने के साथ-साथ संतुलित आहार ग्रहण करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सही खान-पान पाचन को दुरुस्त रखता है, मन को शांत करता है और शारीरिक-मानसिक शुद्धि में मदद करता है।

बुखार के दौरान ये छोटी-सी गलती बढ़ा सकती है परेशानी, ठंडे पानी से नहाना पड़ सकता है भारी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। मानसून शुरू होते ही कई तरह की बीमारियां तेजी से बढ़ने लगती हैं। लगातार बारिश, जगह-जगह पानी भरना और नमी बढ़ने से मच्छरों की संख्या भी बढ़ जाती है। इसी वजह से डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, वायरल बुखार और टाइफाइड जैसी बीमारियों के मामले बढ़ जाते हैं। इन बीमारियों का सबसे आम लक्षण बुखार होता है।

घर में किसी को बुखार आता है, तो अक्सर बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि इस समय नहाना नहीं चाहिए, क्योंकि इससे बुखार और बढ़ जाएगा। लेकिन यह पूरी तरह सही नहीं है। बुखार में सही तरीके से नहाने से शरीर को आराम मिलता है और व्यक्ति पहले से बेहतर महसूस करता है।

वास्तव में बुखार कोई बीमारी नहीं है, बल्कि यह हमारे शरीर का एक चेतावनी संकेत है। जब कोई वायरस या बैक्टीरिया शरीर में प्रवेश करता है, तो उससे लड़ने के लिए हमारा सिस्टम शरीर का तापमान बढ़ा देता है। इसका मतलब है कि बुखार आना इस बात का सबूत है कि शरीर संक्रमण से मुकाबला कर रहा है। इसलिए केवल दवा देकर बुखार कम कर देना ही काफी नहीं है, बल्कि यह पता लगाना भी बेहद जरूरी है कि बुखार आने की असली वजह क्या है। के मुताबिक, अगर बुखार होने पर व्यक्ति बहुत ज्यादा कमजोर नहीं है और खुद से खड़ा हो सकता है, तो वह गुनगुने पानी से आराम से नहा सकता है। गुनगुना पानी शरीर को धीरे-धीरे आराम पहुंचाता है। इससे पसीना और गंदगी साफ होती है, शरीर हल्का महसूस होता है और कई बार अच्छी नींद भी आती है।

वहीं बहुत ठंडे पानी से नहाना सही नहीं माना जाता। कई लोगों को लगता है कि ठंडा पानी शरीर का तापमान जल्दी कम कर देगा, लेकिन ऐसा नहीं होता। जब ठंडा पानी शरीर पर पड़ता है, तो शरीर खुद को गर्म रखने की कोशिश करता है। इससे कपकपी छूटती है और व्यक्ति को पहले से ज्यादा परेशानी महसूस हो सकती है। इसलिए बुखार के समय नहाने में बहुत ठंडा पानी इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

इसी तरह बहुत गर्म पानी से भी नहाना ठीक नहीं है। ज्यादा गर्म पानी से शरीर पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है और कमजोरी बढ़ सकती है। इसलिए सबसे अच्छा तरीका यही है कि सामान्य गुनगुने पानी का इस्तेमाल किया जाए।

अगर किसी व्यक्ति में इतनी ताकत नहीं है कि वह नहा सके, तो ऐसे में गुनगुने पानी में साफ कपड़ा भिगोकर पूरे शरीर को धीरे-धीरे पोंछना चाहिए, ताकि शरीर साफ रहे और आराम भी मिले।

बुखार के समय सबसे जरूरी बात यह है कि शरीर में पानी की कमी न होने दें। बुखार आने पर शरीर से पसीना ज्यादा निकलता है, जिससे पानी की कमी हो सकती है। इसलिए बार-बार पानी पीना चाहिए। इसके अलावा नारियल पानी, ओआरएस, सूप, छाछ और दूसरे तरल पदार्थ भी फायदेमंद होते हैं। खाने में हल्का और आसानी से पचने वाला भोजन जैसे खिचड़ी और दलिया आदि लेना अच्छा माना जाता है।

अगर बुखार एक-दो दिन में ठीक नहीं हो रहा या लगातार बढ़ रहा है, तो तुरंत डॉक्टर से जांच करानी चाहिए।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस : हर साल 13 लाख लोगों की जान ले रहा हेपेटाइटिस, समय पर जांच और इलाज से बचाई जा सकती हैं लाखों जिंदगियां

विश्व केसरी

नई दिल्ली। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की कार्यवाहक प्रमुख डॉ. कैथरीना बोहेमे ने कहा कि वायरल हेपेटाइटिस आज दुनिया की सबसे घातक संक्रामक बीमारियों में शामिल है। वर्ष 2024 में दुनिया भर में 13 लाख लोगों की मौत हेपेटाइटिस के कारण हुई। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, सही इलाज और लगातार देखभाल से इनमें से अधिकांश मौतों को रोका जा सकता है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में लगभग 4.3 करोड़ लोग हेपेटाइटिस-बी और 80 लाख लोग हेपेटाइटिस-सी से संक्रमित हैं। हर साल इस क्षेत्र में 2 लाख से अधिक लोगों की मौत लीवर सिरोसिस और लीवर कैंसर जैसी हेपेटाइटिस से जुड़ी बीमारियों के कारण होती है।

इस वर्ष विश्व हेपेटाइटिस दिवस की वैश्विक थीम 'हेपेटाइटिस: लेट्स ब्रेक इट डाउन' रखी गई है जबकि दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में इसे 'एलिमिनेटिंग हेपेटाइटिस एवरीवेयर, फॉर एवरीवन-राइट नाउ' थीम के साथ मनाया जा रहा है। इनका उद्देश्य लोगों तक रोकथाम, जांच और इलाज की सुविधाएं बिना किसी बाधा के पहुंचाना है।

डब्ल्यूएचओ ने बताया कि क्षेत्र में कई सकारात्मक उपलब्धियां भी मिली हैं। 2024 में हेपेटाइटिस-बी वैक्सीन की तीसरी खुराक का कवरेज 92 प्रतिशत तक पहुंच गया। 2025 में मालदीव दुनिया का पहला देश बना, जिसे एचआईवी, सिफिलिस और हेपेटाइटिस-बी से ग्रसित मां से बच्चे में संक्रमण को खत्म करने के लिए मान्यता मिली। वहीं, थाईलैंड और श्रीलंका को एचआईवी और सिफिलिस से ग्रसित मां से बच्चे में संक्रमण खत्म करने की उपलब्धि के लिए मान्यता दी गई है।

थाईलैंड ने हेपेटाइटिस उपचार को अपनी यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज व्यवस्था में शामिल किया है। भारत में एचआईवी और सिफिलिस के मां से बच्चे में संक्रमण को खत्म करने के राष्ट्रीय अभियान के साथ-साथ हेपेटाइटिस-बी टीकाकरण और गर्भवती महिलाओं की जांच में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वहीं, बांग्लादेश ने कॉक्स बाजार जैसे मानवीय संकट वाले क्षेत्रों सहित कमजोर वर्गों के लिए हेपेटाइटिस सेवाओं का विस्तार किया है।

डब्ल्यूएचओ ने बताया कि ये प्रगति ग्लोबल हेल्थ सेक्टर स्ट्रैटेजी (2022-2030) और दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्ययोजना (2022-2026) के तहत संभव हुई है। इनका लक्ष्य 2030 तक वायरल हेपेटाइटिस को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरे के रूप में समाप्त करना है।

हालांकि, संगठन ने चिंता भी जताई कि अभी कई बड़ी चुनौतियां बाकी हैं। क्षेत्र में जन्म के 24 घंटे के भीतर लगने वाले हेपेटाइटिस-बी टीके का कवरेज केवल 58 प्रतिशत है। वहीं, हेपेटाइटिस-बी का उपचार कवरेज सिर्फ 0.1 प्रतिशत और हेपेटाइटिस-सी का 11 प्रतिशत है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि हेपेटाइटिस-बी और सी से संक्रमित हर 10 में से केवल एक व्यक्ति को ही अपनी बीमारी की जानकारी है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, असुरक्षित मेडिकल इंजेक्शन हेपेटाइटिस-सी के 21 प्रतिशत नए मामलों के लिए जिम्मेदार है। इसलिए सुरक्षित इंजेक्शन प्रथाओं को बढ़ावा देना और नशे के इंजेक्शन लेने वाले लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है।

एचपीवी वैक्सीन से भारत में सर्वाइकल कैंसर पर निर्णायक जीत संभव : पद्म भूषण डॉ. नोरी

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट दत्तात्रेयडु नोरी ने कहा है कि एचपीवी वैक्सीनेशन से भारत को सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ लड़ाई में एक निर्णायक बढ़त मिल सकती है और आने वाले सालों में इस बीमारी को खत्म करने में मदद मिल सकती है।

नोरी ने आईएएनएस के साथ एक इंटरव्यू में कहा, 'अब एचपीवी वैक्सीनेशन के साथ हम बेहतर स्थिति में हैं और कुछ ही सालों में हम भारत से सर्वाइकल कैंसर को खत्म करने में सक्षम होंगे। 2026 में पद्म भूषण पाने वाले नोरी ने सर्वाइकल कैंसर को ऐसी बीमारी बताया जिसे रोका जा सकता है, जिसका पता लगाया जा सकता है और जिसका इलाज किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसके कारण लगातार हो रही मौतों से ऑन्कोलॉजी में काम करने वाले डॉक्टर बहुत दुखी होते हैं। उन्होंने कहा, 'सर्वाइकल कैंसर को रोका जा सकता है, इसका पता लगाया जा सकता है, इसका इलाज किया जा सकता है और इसे ठीक किया जा सकता है।

नोरी ने कहा कि भारत में हर दिन सर्वाइकल कैंसर से लगभग 200 महिलाओं की मौत होती है। उन्होंने लड़कियों के लिए मुफ्त एचपीवी वैक्सीनेशन शुरू करने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे रोकथाम के प्रयासों को काफी मजबूती मिल सकती है। नोरी ने पिछले 12 सालों में भारत के हेल्थकेयर सेक्टर, खासकर कैंसर की रोकथाम और इलाज में हुए बदलावों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'बहुत सारे महत्वपूर्ण सकारात्मक बदलाव हुए हैं। बहुत सारे महत्वपूर्ण बदलाव, खासकर हेल्थकेयर में।

उन्होंने इस दौरान उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों में नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट की स्थापना और कैंसर के इलाज की सुविधाओं के विस्तार का जिक्र किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र करते हुए नोरी ने कहा, 'पहली बार, उन्होंने नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट की स्थापना की। पहले हमारे पास ऐसा कुछ नहीं था।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस 2026: समय पर जांच और टीकाकरण से बच सकती हैं लाखों जिंदगियां

विश्व केसरी

नई दिल्ली। हेपेटाइटिस एक ऐसी बीमारी है जो लिवर (यकृत) को प्रभावित करती है और समय पर पहचान न होने पर सिरोसिस, लिवर फेल्योर और लिवर कैंसर जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है। यही वजह है कि हर साल 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है, ताकि लोगों को इस बीमारी, इसके खतरों और बचाव के तरीकों के बारे में जागरूक किया जा सके।

इस साल की थीम है—'हेपेटाइटिस: आइए इसे समझें।' इसका मतलब है कि बीमारी से जुड़े डर, गलतफहमियों और इलाज तक पहुंच में आने वाली रुकावटों को खत्म किया जाए, ताकि हर जरूरतमंद व्यक्ति समय पर जांच और इलाज करा सके।

हेपेटाइटिस मुख्य रूप से पांच तरह के वायरस- हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई के कारण होता है। इनमें हेपेटाइटिस बी और सी सबसे ज्यादा गंभीर माने जाते हैं। अगर समय पर इनका इलाज न हो, तो ये लिवर सिरोसिस और लिवर कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वर्ष 2024 में दुनिया भर में करीब 28.7 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी या सी के साथ जी रहे थे। चिंता की बात यह भी है कि इसी वर्ष 13 लाख लोगों की मौत इन दोनों संक्रमणों के कारण हुई। वहीं, जन्म के 24 घंटे के भीतर हेपेटाइटिस-बी का टीका पाने वाले नवजातों की संख्या केवल 45 प्रतिशत रही।

अच्छी बात यह है कि हेपेटाइटिस से बचाव और इलाज दोनों संभव हैं। हेपेटाइटिस ए और बी के लिए प्रभावी टीके उपलब्ध हैं। वहीं, हेपेटाइटिस सी का इलाज भी आधुनिक दवाओं से संभव है। इसलिए समय पर जांच, सही इलाज और नियमित चिकित्सा सलाह इस बीमारी को गंभीर होने से रोक सकती है।

बचाव के लिए कुछ आसान आदतें अपनाना भी बेहद जरूरी है। हमेशा साफ और सुरक्षित पानी पिएं, स्वच्छ भोजन करें, हाथ धोने की आदत डालें और केवल जांचे हुए सुरक्षित रक्त का ही इस्तेमाल सुनिश्चित करें। इसके अलावा, डॉक्टर की सलाह के अनुसार हेपेटाइटिस ए और बी का टीकाकरण जरूर करवाएं।

कॉमनवेल्थ गेम्सः 'स्वर्ण पदक मेरी मां को समर्पित'

इतिहास रचने के बाद बोलीं शर्मिला धनखड़

एजेंसी ■ ग्लासगो

ग्लासगो। भारत की शर्मिला धनखड़ ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के अपने ऐतिहासिक स्वर्ण पदक को अपनी नेत्रहीन मां को समर्पित किया। शर्मिला ने महिलाओं की शॉट पुट एफ57 का खिताब जीतने के लिए 9.81 मीटर का सीजन का सबसे अच्छा थ्रो किया। वह कॉमनवेल्थ पैरा-एथलेटिक्स में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली पैरा-एथलीट हैं।

उनकी जीत ने न सिर्फ कॉमनवेल्थ गेम्स पैरा-एथलेटिक्स मेडल के लिए भारत का 20 साल का इंतजार खत्म किया, बल्कि हमवतन शिल्पा शायला के साथ मिलकर एक लैंडमार्क डबल पोडियम फिनिश भी हासिल किया। शिल्पा शायला ने कांस्य पदक जीता।

ऐतिहासिक जीत के बाद शर्मिला ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'मैं यह पदक अपनी मां को समर्पित करूंगी। मेरी मां अंधी हैं, और हर तरफ से बुराई के बावजूद, वह बचपन से ही मेरा साथ दे रही हैं। मैं बहुत खुश हूं कि मैंने अपनी मां का सपना पूरा किया।

यह जीत न सिर्फ 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स कैंपेन के लिए बल्कि पूरे भारतीय पैरा-एथलेटिक्स के लिए भी एक बड़ी कामयाबी है। शर्मिला ने कहा कि यह पदक देश का है और उम्मीद है कि यह आने वाले सालों में कई और लोगों को पोडियम फिनिश के लिए प्रेरित करेगा।

उन्होंने कहा, 'हम बहुत खुश हैं। हम अपने देश के लिए मेडल जीतते रहेंगे। हम कड़ी मेहनत करते रहेंगे। हम अगले कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अच्छी तैयारी करेंगे। यह हमारे पैराथलेटिक्स का पहला स्वर्ण पदक है। ग्लासगो में इतिहास रचने के बावजूद, नई कॉमनवेल्थ चैंपियन को इस कामयाबी की अहमियत अभी पूरी तरह समझ नहीं आई थी। शर्मिला ने कहा, 'मैं यह पदक जीतकर बहुत खुश हूं। लेकिन मुझे नहीं पता। मुझे 2-3 दिन बाद पता चलेगा कि मैंने पदक जीत लिया है। यह एक सपने जैसा लगता है।

अपना पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीतने के बाद, शर्मिला ने अपना ध्यान आने वाली चुनौतियों पर लगा दिया है। उन्होंने कहा कि हम अगले ओलंपिक गेम्स में खेलेंगे। यह मेरा पहला पदक है और मैं भविष्य में और पदक जीतना चाहती हूं।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कपः सोनम और हिमांशु ने 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम में कांस्य पदक जीता

विश्व केसरी ■

हांगझोऊ। भारतीय राइफल शूटर सोनम उत्तम मस्कर और हिमांशु ढिल्लो ने आईएसएसएफ वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन के 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता।

दोनों भारतीयों ने क्वालीफिकेशन राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। सोनम (317.2) और हिमांशु (317.4) ने मिलकर कुल 634.6 पॉइंट्स का क्वालीफिकेशन स्कोर बनाया।

इस बीच, एलावेनिल वालारिवन (316.8) और पार्थ राकेश माने (317.4) की जोड़ी ने उनके ठीक पीछे 634.2 के कुल स्कोर के साथ क्वालीफाई किया।

फाइनल में, सोनम और हिमांशु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल मिलाकर 441.2 पॉइंट (हर एक ने 220.6) बनाए, और चाइना 1 और चाइना 2 के बाद कांस्य पदक पक्का किया। एलावेनिल और पार्थ 378.8 के फाइनल स्कोर के साथ चौथे स्थान (एलावेनिलः 190.5, पार्थः 188.3) पर रहे।

पदक जीतने पर सोनम ने कहा, 'यह एक मुश्किल मुकाबला था, और कुल मिलाकर अनुभव बहुत अच्छा था। पदक जीतना हमेशा जरूरी होता है क्योंकि इससे हमें आगे के कामों के लिए आत्मविश्वास मिलता है। अनुभव किसी भी चीज से ज्यादा मायने रखता है। यह प्रदर्शन हमें इस सीजन में एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारी के लिए प्रेरित करेगा।

हिमांशु ने कहा, 'अपने पहले सीनियर वर्ल्ड कप फाइनल में मुकाबला करना एक शानदार अनुभव था। मुझे खुद पर भरोसा था, अपने कोच के मार्गदर्शन पर भरोसा था और अपनी ताकत पर भरोसा था। मैंने कई जूनियर फाइनल में हिस्सा लिया है, लेकिन अपना पहला सीनियर वर्ल्ड कप पदक जीतना बेहद खास है। सोनम ने इससे पहले 2024 में काहिरा में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप और नई दिल्ली में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल में रजत पदक जीता था। आईएसएसएफ वर्ल्ड कप ग्रेनेडा में उन्होंने पांचवां स्थान हासिल किया था। 20 साल के हिमांशु के लिए, कांस्य पदक उनका पहला सीनियर आईएसएसएफ वर्ल्ड कप पोडियम है। हिमांशु ने इससे पहले 2025 में नई दिल्ली में आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में 10 मीटर एयर राइफल मेन जूनियर इवेंट में स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले उन्होंने एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में भी स्वर्ण जीता था। इस कांस्य पदक के साथ आईएसएसएफ वर्ल्ड कप हांगझोऊ में भारत के कुल 4 पदक (1 स्वर्ण, 1 रजत और 2 कांस्य) हो गए हैं।

यूपीसीए का 'स्पीड हंट' युवा तेज गेंदबाजों की तलाश के लिए बेहतरीन पहलः भुवनेश्वर कुमार

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली

लखनऊ । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज और आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलने वाले भुवनेश्वर कुमार उत्तर प्रदेश टी20 लीग में लखनऊ फाल्कन्स के लिए खेलते हैं। भुवनेश्वर कुमार ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के तेज गेंदबाजों की तलाश के लिए शुरू किए गए 'स्पीड हंट' पहल की तारीफ की है। भुवनेश्वर कुमार ने कहा है कि 'स्पीड हंट' तेज गेंदबाजी प्रतिभाओं को खोजने के लिए एक जरूरी प्लेटफॉर्म बन गया है।

उन्होंने कहा, 'यूपीटी20 लीग पिछले तीन सीजन में बहुत सफल रही है। मुझे यकीन है कि यह और भी बेहतर होगी। सबसे बड़ी सकारात्मक बातों में से एक यूपीसीए स्पीड हंट रही है। इससे उत्तर प्रदेश की युवा तेज गेंदबाजी प्रतिभा सामने आई है। शुभम गौतम जैसे खिलाड़ियों को बड़े अनुंबध मिलते देखना गर्व का पल है। यह दिखाता है कि अगर आप प्रदर्शन करते हैं, तो मौके मिलेंगे।

भुवनेश्वर ने कहा, 'खिलाड़ियों से मेरी बस यही उम्मीद है, हर मौके का पूरा फायदा उठाएं और अपना श्रेष्ठ दें। यूपीसीए सही प्लेटफॉर्म देने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रहा है। एक बार जब खिलाड़ी मैदान पर उतरते हैं, तो प्रदर्शन करना उन पर निर्भर करता है। दिग्गज गेंदबाज ने कहा कि लीग के जरिए युवा क्रिकेटरों को आर्थिक रूप से सुरक्षित होते देखना अच्छा लग रहा है। ज्यादातर ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है। सफलता के साथ उम्मीदें भी आती हैं। मुझे उम्मीद है कि वे इस पल का आनंद लेंगे, दबाव से मुक्त रहेंगे और अपने क्रिकेट पर फोकस करते रहेंगे। कुमार ने कहा, 'लीग युवा क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा जरिया बन गई हैं। पहले, मौके कम थे, लेकिन अब सैकड़ों खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है। हमने पहले ही खिलाड़ियों को यूपीटी20 लीग से सीधे आईपीएल में जाते देखा है। यही अपने आप में हर युवा के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है।

लीग का चौथा संस्करण लखनऊ और कानपुर में होगा। भुवनेश्वर ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि इससे टूर्नामेंट को राज्य भर में ज्यादा फैन्स तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

सीडब्ल्यूजी में भारत का प्रत्येक मेडल पूरी टीम को प्रेरित करता हैः पीटी उषा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा का मानना ??है कि 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में टीम इंडिया के बढ़ते मेडल से पूरी टीम में आत्मविश्वास की लहर दौड़ रही है। पीटी उषा के अनुसार, ग्लासगो में मिली हर सफलता उन एथलीट्स को प्रेरित कर रही है जिन्हें अभी मुकाबला करना है।

आईओए की तरफ से जारी एक रिलीज में पीटी उषा ने कहा, 'मल्टी-स्पोर्ट गेम्स का यह सबसे खूबसूरत पहलू है। आप देखते हैं कि एक वेटलिफ्टर तैराक के प्रदर्शन का जश्न मना रहा है, एक बॉक्सर किसी एथलीट का हौसला बढ़ा रहा है, या लॉन बॉल्स का खिलाड़ी किसी दूसरे खेल के खिलाड़ी को बधाई दे रहा है। वे भले ही अलग-अलग खेलों में मुकाबला करते हों, लेकिन वे एक ही जर्सी पहनते हैं और एक ही देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। इससे एक बहुत खास रिश्ता बनता है। बतौर एथलीट अपने अनुभव को याद करते हुए, दिग्गज स्प्रिंटर ने कहा, 'मैं खुद एक एथलीट रही हूं। मैं जानती हूं कि टीम के साथियों का आपके साथ खड़ा होना कितना मायने रखता है। अब तक जीते गए मेडल्स का जश्न पूरी टीम ने मनाया है। गर्व की यह साझा भावना उन एथलीट्स को आत्मविश्वास देती है जिन्हें अभी मुकाबला करना है। यह सभी को याद दिलाता है कि हम यहां अलग-अलग व्यक्तियों के तौर पर नहीं, बल्कि टीम इंडिया के तौर पर हैं। ग्लासगो में भारत के प्रयासों ने कई खेलों में गति पकड़ी है। टीम ने पैरा पावरलिफ्टिंग में मेडल जीतकर शुरुआत की, और फिर वेटलिफ्टर्स ने शानदार नतीजे दिए। ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मीराबाई चानू ने एक बार फिर गोल्ड मेडल जीतकर भारत के प्रदर्शन की अगुवाई की, और ज्ञानेश्वरी देवी और बिंदियारानी देवी ने भी पोडियम पर अपनी जगह बनाकर कॉमनवेल्थ के टॉप वेटलिफ्टिंग देशों में भारत की स्थिति को मजबूत किया है।

यह सफलता वेटलिफ्टिंग प्लेटफॉर्म से आगे भी गई है; भारत के पैरा एथलीट्स ने शॉट पुट में गोल्ड और ब्रॉन्ज जीतकर अपना शानदार फॉर्म जारी रखा है, और सर्वेश कुशारे ने ग्लासगो में मुश्किल हालात में अपने दृढ़ प्रदर्शन के दम पर पुरुषों की हाई जंप में सिल्वर मेडल जीता है। इन कामयाबियों से एथलेटिक्स टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है।

सभी भारतीय एथलीट्स में एकता की भावना है। एबल-बॉडी और पैरा-एथलीट, दोनों ही एक-दूसरे की कामयाबी का जश्न मनाने में बराबर का उत्साह दिखाते हैं।

कोच, फिजियोथेरेपिस्ट, डॉक्टर और दूसरे सपोर्ट स्टाफ एक वेन्यू से दूसरे वेन्यू तक जाकर तकनीकी रूप से मदद के साथ-साथ हौसला भी बढ़ाते हैं। इस माहौल ने इस विश्वास को और मजबूत किया है कि हर मेडल किसी एक एथलीट या किसी एक खेल का नहीं, बल्कि पूरी भारतीय टीम का है।

एक ओर फॉर्म से जूझ रहे अभिषेक शर्मा, दूसरी तरफ हाथ आए मौके भुना रहे सूर्यवंशी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में लंबे समय से फैंस की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर उनके नए जोड़ीदार वैभव सूर्यवंशी ने हाथ आए मौके को बखूबी भुनाया।

अभिषेक शर्मा ने इस साल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 23 पारियां खेली हैं, जिसमें सिर्फ पांच बार अर्धशतक पूरा कर सके। वहीं, 6 बार खाता तक नहीं खोल सके। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान अभिषेक लगातार तीन मुकाबलों में 'शून्य' पर आउट हुए थे।

अभिषेक शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के 5 मुकाबलों में 26.20 की औसत के साथ 131 रन ही बना सके। इस दौरान 59, 43, 10, 16 और 3 रन की पारियां खेलीं। जिम्बाब्वे दौरे पर उनका प्रदर्शन और भी खराब रहा। एक ओर उनके जोड़ीदार वैभव सूर्यवंशी ने इस 'गोल्डन चांस' को भुनाते हुए दो अर्धशतक लगा दिए, तो दूसरी तरफ अभिषेक हरारे में खेले गए तीन मुकाबलों में 3.67 की खराब औसत के साथ सिर्फ 11 रन जुटा सके। सीरीज के पहले मैच में 1 रन बनाने वाले अभिषेक अगले दो मुकाबलों में 8 और 2 रन अपने खाते में जोड़ सके।

दूसरी तरफ, 15 साल और 99 दिन की उम्र में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करते हुए इतिहास रचने वाले वैभव सूर्यवंशी ने भले ही इंग्लैंड दौरे पर मिले तीन मौकों में 14, 13 और 15 रन जुटाए, लेकिन इसके बाद जिम्बाब्वे के दौरे पर उन्होंने अपने चयन को सही साबित कर दिया।

वैभव सूर्यवंशी ने जिम्बाब्वे के विरुद्ध टी20 सीरीज के पहले मैच में 19 गेंदों का सामना करते हुए 4 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 50 रन बनाए। दूसरे मैच में वैभव ने 20 रन टीम के खाते में जोड़े और फिर अगले मैच में फिर से अर्धशतक लगा दिया।

वैभव ने सीरीज के तीसरे मैच में 49 गेंदों में 4 छक्कों और 8 चौकों के साथ 81 रन की पारी खेली। इसी के साथ वैभव 16 साल की उम्र से पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दो बार अर्धशतक लगाने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए। वैभव सीरीज के तीसरे मुकाबले के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए। इसी के साथ उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' खिताब से भी नवाजा गया।

गुजरातः राजकोट की देवयानीबा झाला ने एशियन गेम्स 2026 में 400 मीटर रेस में क्वालीफाई कर रचा इतिहास

विश्व केसरी ■

राजकोट। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के बाद एशियन गेम्स 2026 का आयोजन जापान के आइची-नागोया शहर में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होना है। राजकोट की देवयानीबा झाला एशियन गेम्स 2026 में 400 मीटर रेस के लिए क्वालीफाई किया है। वह इस इवेंट में हिस्सा लेने वाली गुजरात की अकेली महिला एथलीट हैं। इस तरह उनकी उपलब्धि ऐतिहासिक है।

देवयानीबा झाला खेलों की दुनिया में एक जाना-पहचाना नाम हैं। गुजरात के राजकोट की इस बेटी ने भुवनेश्वर में हुई नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 400 मीटर रेस में 53.26 सेकंड का टाइम निकालकर न केवल कांस्य पदक अपने नाम किया, बल्कि गुजरात की अकेली महिला एथलीट के तौर पर एशियन गेम्स 2026 में भी अपनी जगह पक्की कर ली है। सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी की छात्रा देवयानीबा झाला अपनी इस सफलता से बेहद खुश हैं और भविष्य में ओलंपिक गेम्स के लिए क्वालीफाई करना चाहती हैं।

देवयानीबा की इस कामयाबी के पीछे उनकी सालों की मेहनत, अभ्यास और अनुशासन है। उनके परिवार के भरोसे और समर्थन ने भी उनके हौसले को उड़ान दी है।

देवयानीबा के पिता महेंद्र सिंह झाला ने आईएएनएस से कहा, 'देवयानीबा ने जब से ट्रैक पर दौड़ना शुरू किया है, सफलता उसके कदम चूम रही है। इससे पहले वह वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। इसके अलावा, उन्होंने वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर में महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में भी रजत पदक हासिल कर गुजरात और सौराष्ट्र का नाम रोशन किया है।

सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी, राजकोट के खेल अधिकारी डॉ. हरीश राबा ने कहा, 'देवयानीबा झाला राज्य के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गई हैं। हमारी निगाहें अब 2026 एशियन गेम्स में उनके प्रदर्शन पर हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में अत्याधुनिक प्रशिक्षण, आधुनिक खेल संरचना और खेलों को बढ़ावा देने वाली नीतियों की वजह से राज्य के खिलाड़ी अब न सिर्फ नेशनल, बल्कि इंटरनेशनल लेवल पर भी अपनी पहचान बना रहे हैं और देश-दुनिया में गुजरात का नाम बुलंद कर रहे हैं।

सीडब्ल्यूजी 2026: नटराज 100 मीटर बैकस्ट्रोक के सेमीफाइनल में पहुंचे

साजन बटरफ्लाई इवेंट से बाहर

विश्व केसरी■

ग्लासगो। श्रीहरि नटराज ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की तैराकी प्रतियोगिता में भारत की उम्मीदें कायम रखी हैं, जिन्होंने मंगलवार को पुरुषों के 100 मीटर बैकस्ट्रोक सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं, अनुभवी साजन प्रकाश की चुनौती पुरुषों के 50 मीटर बटरफ्लाई में क्वालीफाई न कर पाने के बाद खत्म हो गई।

दो बार के ओलंपियन और इस इवेंट में भारत के नेशनल रिकॉर्ड होल्डर नटराज, हीट में सबसे तेज 16 तैराकों में शामिल होकर आसानी से आगे बढ़े। बेंगलुरु के इस तैराक ने अपनी हीट में पांचवां और कुल मिलाकर 13वां स्थान हासिल करने के लिए 55.58 सेकंड का समय लिया।

25 वर्षीय तैराक ने शुरुआती 50 मीटर की दूरी 26.26 सेकंड में तय की और फिर 55.58 सेकंड में रेस पूरी की। हालांकि, यह समय उनके 2021 में बनाए गए पर्सनल बेस्ट 53.77 सेकंड (नेशनल रिकॉर्ड) से काफी पीछे था, लेकिन उनकी मेडल की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए यह समय काफी था। इससे एक पहले श्रीहरि नटराज भारत की पुरुषों की 4×200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले टीम का हिस्सा थे, जो फाइनल में छठे स्थान पर रही।

इसके उलट, साजन प्रकाश के लिए यह एक और मुश्किल दिन रहा; उनका कॉमनवेल्थ गेम्स का सफर शुरुआती राउंड से आगे नहीं बढ़ पाया। पुरुषों के 50 मीटर बटरफ्लाई की नौवीं और आखिरी हीट में हिस्सा लेते हुए, 32 वर्षीय तैराक ने 24.94 सेकंड में रेस पूरी की; वे अपनी रेस में आठवें और कुल मिलाकर 28वें स्थान पर रहे। इस प्रदर्शन के साथ साजन क्वालिफिकेशन की जगह से काफी पीछे रह गए और अपने 23.83 सेकंड के नेशनल रिकॉर्ड से भी काफी दूर रहे।

यह नतीजा दो बार के ओलंपियन के लिए एक और निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आया। उन्होंने सोमवार को पुरुषों की 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के फाइनल में 1:58.05 मिनट का समय लेकर आठवां स्थान हासिल किया था।

यह प्रदर्शन भी उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और राष्ट्रीय रिकॉर्ड 1:56.38 मिनट से कमजोर रहा, जिससे भारत के सबसे अनुभवी तैराकों में से एक के लिए यह अभियान काफी चुनौतीपूर्ण साबित हुआ। नटराज के सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ, पूल में भारत की उम्मीदें अब काफी हद तक इस बैकस्ट्रोक स्पेशलिस्ट पर टिकी हैं, क्योंकि वह कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले दूसरे भारतीय तैराक बनने के करीब हैं। उनसे पहले प्रशांत कर्माकर ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2010 में पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल एस9 पैरा इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415